प्रसारित - आगरा, मथुरा, फिरोजाबाद, अलीगढ़, हाथरस, कासगंज, एटा, मैनपुरी, बुलंदशहर, गाजियाबाद, लखनऊ, कानपुर | गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

साप्ताहिक

मोर्निंग सिटी

सच के साथ...

वर्ष - 11, अंक - 10, 17 मई से 23 मई, 2026 | मूल्य- 10 रुपये | पृष्ठ 8 | WWW :morningcity.in

यूपी का सर्वश्रेष्ठ न्यूज प्लेटफॉर्म मोर्निंग सिटी

हाईकोर्ट ने सुनाया है फैसला
भोजशाला में है मां वाग्देवी का मंदिर

भोजशाला में पूजा-पाठ शुरू, लोगों ने पढ़ी हनुमान चालीसा

एजेंसी ▶▶| धार

मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने भोजशाला मंदिर और कमाल मौला मस्जिद विवाद में हिंदू पक्ष में फैसला सुनाया था। इस फैसले के बाद अब यह बात साबित हो चुकी है कि भोजशाला एक मंदिर है और ये मां वाग्देवी का मंदिर है। इसी के साथ भोजशाला की पहचान का एक लंबा संघर्ष भी खत्म हो गया है। इसके साथ ही वो व्यवस्था भी खत्म कर दी गई जिसके तहत केवल मंगलवार को ही यहां पर पूजा की जा सकती थी।

कोर्ट के फैसले के बाद अब प्रतिदिन श्रद्धालु यहां पूजा-पाठ कर सकते है। कोर्ट के फैसले के अगले दिन यानि की आज सुबह से ही लोग यहां भोजशाला मंदिर में पूजा करने पहुंच रहे हैं। शनिवार सुबह भोज उत्सव समिति के पदाधिकारियों के साथ-साथ श्रद्धालु भी परिसर पहुंचे और पूरे विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना की। इस दौरान सभी ने हनुमान चालीसा का भी पाठ किया, जिसका वीडियो भी सामने आया है।

महिलाओं ने की पूजा

मंदिर परिसर में शनिवार को कुछ लोगों और महिलाओं को भी पूजा करते हुए दिखाया है, जो फूल माला चढ़कर वाग्देवी की पूजा करते देखी गईं. महिलाओं से जब मंदिर को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि आज ऐसा पहली बार हुआ है जब वो मंगलवार के अलावा किसी अन्य दिन यहां पर अधिकार के साथ पूजा कर सकती हैं। महिला ने बताया कि इसी मंदिर परिसर में उनके भाइयों ने संघर्ष किया यातनाएं झेलीं, लेकिन अब उन्हें कोर्ट ने एक सौगात दी है।

भोजशाला की पहचान का एक लंबा संघर्ष भी हुआ है खत्म

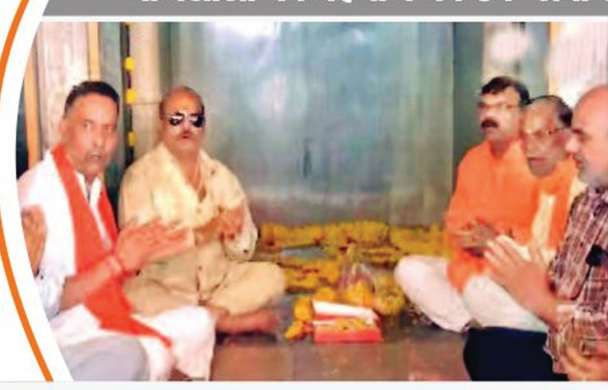

बनाया जाएगा अब भव्य मंदिर

इस दौरान भोजशाला संघर्ष से जुड़े रहे हिंदू महासभा के अशोक जैन ने भी मंदिर के लिए किए गए संघर्ष के बारे में बताया और उन चिन्हों के बारे में भी बताया जो यहां पर बने हुए हैं और बताया कैसे इन्हें मिटाने की कोशिश भी की गई। उन्होंने मुस्लिम पक्ष के उसे चिन्ह के बारे में भी बताया कि कैसे उसे अलग से रखा गया और फिर यह दावा किया गया कि यहां पहले मस्जिद थी। उन्होंने कहा कि अब जबकि फैसला आ चुका है यहां भव्य मंदिर बनेगा और इस पत्थर जिसमें उर्दू में कुछ लिखा हुआ है उसे हटाया जाएगा।

2003 में खोला गया था मुस्लिमों के लिए

भोजशाला के संघर्ष से शुरुआती दिनों से जुड़े रहे दीपक बीड़कर ने मामले पर जानकारी दी। दीपक बीड़कर ने बताया कि वो 2003 से इस आंदोलन से जुड़े हैं। उन्होंने बताया कि दिग्विजय सिंह के शासन में इस मंदिर परिसर में प्रवेश प्रतिबंधित हुआ था। 7 अप्रैल 2003 को भोजशाला मुस्लिम और हिंदुओं के लिए खोला गया था, लेकिन हिंदुओं ने अपनी लड़ाई जारी रखी और इस तरह आज जीत मिली है। इसके बाद उन्होंने मंदिर के चिन्हों और खंभो सहित सबूतों को दिखाया कि कैसे ये साबित करते हैं कि ये हिंदू मंदिर है।

खबर संक्षेप

'कलेक्टर से जूते साफ कराऊंगा' आजम को हुई दो साल की सजा

रामपुर। सपा के कद्दावर नेता आजम खान को रामपुर की एक अदालत ने शनिवार को दो साल कैद और 20 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। सपा नेता ने साल 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान तत्कालीन डीएम पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी, इसी मामले में कोर्ट ने आजम खां को दोषी माना है और सजा सुनाई है। आरोप था कि चुनाव प्रचार के दौरान आजम ने तत्कालीन जिलाधिकारी पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। मामले में भोट पुलिस थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया था।

पाक तय करे वो भूगोल का हिस्सा बनना चाहता है या इतिहास का: द्विवेदी

नई दिल्ली । सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने पाकिस्तान को बहुत सख्त लहजे में चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि अगर पाकिस्तान आतंकवादियों को पनाह देना और भारत के खिलाफ साजिशें रचना जारी रखता है, तो उसे एक बड़ा फैसला लेना होगा। पाकिस्तान को यह तय करना होगा कि वह भविष्य में दुनिया के नक्शे (भूगोल) पर रहना चाहता है या सिर्फ इतिहास का हिस्सा बनकर रह जाना चाहता है। जनरल द्विवेदी ने यह बात नई राजधानी दिल्ली में हुए एक कार्यक्रम में कही ।

छात्रों को अब तीन भाषाएं पढ़ना होगा, इसमें दो भारतीय होना जरूरी

सीबीएसई 9वीं, 10वीं के लिए थ्री- लैंग्वेज अनिवार्य, इसी जुलाई से लागू होगा नियम

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

नए एकेडेमिक सेशन से कक्षा 9वीं के छात्रों के लिए तीन भाषाएं (आर1, आर2, आर3) पढ़ना अनिवार्य होगा। इस नियम की मुख्य शर्त यह है कि इन तीन भाषाओं में से कम से कम दो भाषाएं मूल भारतीय (नेटिव इंडियन लैंग्वेजेस) होनी चाहिए। जो छात्र कोई विदेशी भाषा (जैसे फ्रेंच, जर्मन आदि) पढ़ना चाहते हैं, वे इसे तीसरी भाषा (आर3) के रूप में तभी चुन सकते हैं जब उनकी बाकी दोनों भाषाएं (आर1 और आर2) मूल भारतीय भाषाएं हों. इसके अलावा, छात्र चाहें तो इसे चौथी भाषा के रूप में भी पढ़ सकते हैं।

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने कक्षा 9वीं और 10वीं के लिए 'थ्री-लैंग्वेज फॉर्मूला' अनिवार्य कर दिया है। यह नया नियम 1 जुलाई 2026 से शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए लागू होने जा रहा है। बोर्ड द्वारा जारी आधिकारिक सर्कुलर के अनुसार, राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 और नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क (एनसीएफ-एसई) 2023 की सिफारिशों के तहत यह फैसला लिया गया है।

30 जून तक स्कूलों को देना होगा जानकारी

सीबीएसई ने स्पष्ट किया है कि स्कूल, छात्रों की पसंद के अनुसार थर्ड लैंग्वेज चुन सकते हैं। सभी स्कूलों को अपनी चुनी हुई लैंग्वेज की जानकारी 30 जून तक बोर्ड को देनी होगी। बोर्ड ने कहा कि लैंग्वेज को लेकर ये डिसीजन हाल ही में 2026-27 के लिए रिलीज किए गए एनसीईआरटी सिलेबस को देखकर लिया गया है। इस सेशन की शुरुआत अप्रैल 2026 से हो चुकी है। लेकिन स्कूलों को 1 जुलाई से थर्ड लैंग्वेज की पढ़ाई शुरू करने का निर्देश दिया गया है।

स्कूलों को 30 जून तक देनी होगी जानकारी

10वीं में नहीं होगा अब थर्ड लैंग्वेज का पेपर

शिक्षकों की कमी को दूर करने के उपाय

स्कूलों में तीसरी भाषा के शिक्षकों की कमी न हो, इसके लिए बोर्ड ने कई ऑप्शन दिए हैं। स्कूल अपने उन मौजूदा शिक्षकों की सेवा ले सकते हैं जिन्हें उस भाषा की अच्छी समझ हो। 'सहोदय क्लस्टर' के तहत स्कूल आपस में शिक्षक साझा (रिसोर्च शेयरिंग) कर सकते हैं। इसके अलावा वर्चुअल या हाइब्रिड टीचिंग, रिटायर्ड शिक्षकों की मदद या योग्य पोस्ट ग्रेजुएट्स (पीजी की सेवाएं ली जा सकती हैं।

6वीं कक्षा की थर्ड लैंग्वेज से पढ़ाई

सीबीएसई ने साफ किया है कि इस साल 10वीं बोर्ड परीक्षा में थर्ड लैंग्वेज का पेपर नहीं होगा। हालांकि, छात्रों के लिए इसकी पढ़ाई करना जरूरी रहेगा। जब तक थर्ड लैंग्वेज की नई किताबें उपलब्ध नहीं होतीं, तब तक 9वीं के छात्र 6वीं कक्षा की थर्ड लैंग्वेज की किताबों से पढ़ाई करेंगे। स्कूलों को यह भी कहा गया है कि वे पढ़ाई के लिए स्थानीय और राज्य स्तर का साहित्य उपलब्ध कराएं। इसमें कविताएं, छोटी कहानियां और अन्य साहित्यिक सामग्री शामिल होगी।

1 जुलाई से किताब उपलब्ध कराने का निर्देश

सीबीएसई ने माना कि कुछ स्कूलों को भारतीय मूल की भाषाओं के लिए क्वालिफाइड टीचर्स अरेंज करने में मुश्किल हो सकती है। ऐसे में स्कूलों को इंटर स्कूल रिसोर्सेस के माध्यम से हाइब्रिड टीचिंग सपोर्ट, रिटायर लैंग्वेज टीचर की नियुक्ति और क्वालिफाइड पोस्ट ग्रेजुएट टीचर्स के हायरिंग की परमिशन भी दी गई है। सीबीएसई और एनसीईआरटी कक्षा वीआई आर3 के लिए 19 भाषाओं में किताबें तैयार कर रहे हैं। इनमें असमिया, बंगाली, गुजराती, मराठी, तमिल और तेलुगु जैसी भाषाएं शामिल हैं।

नई किताब की अस्थाई व्यवस्था

क्योंकि कक्षा 9वीं के लिए तीसरी भाषा (आर3) की नई किताबें अभी तैयार नहीं हैं, इसलिए सीबीएसई ने एक अस्थायी व्यवस्था की है। कक्षा 9वीं के छात्र फिलहाल चुनी हुई तीसरी भाषा के लिए कक्षा 6वीं की आर3 किताबों (2026-27 एडिशन) से पढ़ाई करेंगे। रिसर्च के अनुसार, भाषा की बुनियादी योग्यताओं में 75 से 80 प्रतिशत तक समानता होती है, इसलिए इन किताबों को आधार बनाया गया है। इस पढ़ाई को और मजबूत करने के लिए स्कूल स्थानीय कहानियों, कविताओं या अन्य साहित्यिक सामग्रियों की मदद लेंगे। इसके लिए सीबीएसई 15 जून 2026 तक डिटेल गाइडलाइंस जारी करेगा। 19 अनुसूचित भाषाओं की कक्षा 6वीं की R3 किताबें 1 जुलाई से पहले स्कूलों को उपलब्ध करा दी जाएंगी। बाकी भारतीय भाषाओं के लिए राज्य स्तर (एससीईआरटी) के संसाधनों का उपयोग किया जा सकेगा।

14 से 18 साल के 2 करोड़ बच्चे स्कूल से बाहर, फिर से जोड़ने होगी पहल

चिंतित शिक्षा मंत्रालय एनआईओएस के साथ मिलकर चलाएगा कार्यक्रम

पहले चरण में देश के 10 जिलों को किया जाएगा शामिल

नई दिल्ली

पहले कोरोना महामारी और उसके बाद अलग-अलग कारणों से स्कूलों से दूर होते बच्चों को फिर से वापस लाने के बेहद संवेदनशील मामले को लेकर शनिवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय में स्कूली शिक्षा विभाग के सचिव संजय कुमार की अध्यक्षता में एक उच्च-स्तरीय बैठक हुई।

उन्होंने स्पष्ट किया कि तमाम भागीदारों का जोर बच्चों को फिर से औपचारिक स्कूली शिक्षा से जोड़ने पर केंद्रित होना चाहिए। वहीं, जो बच्चे नियमित स्कूलों में नहीं लौट पा रहे हैं। उन्हें ओपन, डिस्टेंस लर्निंग व्यवस्थाओं के माध्यम से एनआईओएस और राज्य मुक्त विद्यालयों जैसे लचीले शिक्षण माध्यमों से जोड़ा जाना चाहिए। जमीनी स्तर पर इस पहल को लागू करने और इसे एक राष्ट्रव्यापी अभियान के रूप में तब्दील करने में जिलाधीशों, जिला प्रशासन की अहम भूमिका होगी। उन्होंने राज्यों सहित अन्य भागीदारों से इस मामले में सहयोग के साथ-साथ तीव्र गति से कार्रवाई करने का अनुरोध किया है।

दिल्ली, मप्र., छत्तीसगढ़ में समस्या गंभीर

इस पहल के शुरुआती कार्यक्रम के लिए ऐसे पायलट जिलों की पहचान की गई है। जहां स्कूल न जाने वाले बच्चों की संख्या बहुत कम है। जिसमें ओडिशा, महाराष्ट्र, दिल्ली, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार, उत्तर प्रदेश, गुजरात और कर्नाटक जैसे राज्य शामिल हैं। पहले चरण में पहल को देश के 10 जिलों में लागू किया जाएगा और फिर मिले अनुभव के आधार पर इसे देशभर में क्रियान्वित किया जाएगा। एनआईओएस के अध्यक्ष प्रोफेसर अखिलेश मिश्रा ने कहा, शिक्षा आशा, गरिमा और अवसर का प्रतीक है। लेकिन मुख्य चुनौती तो उन बच्चों तक पहुंचने की है, जो शिक्षा प्रणाली से कटे हुए हैं। पीएलएफएस के ताजा अनुमान बताते हैं कि वर्तमान में 14 से लेकर 18 वर्ष तक की आयु वर्ग के कुल करीब 2 करोड़ बच्चे स्कूलों से बाहर यानी आउट ऑफ स्कूल हैं। वहीं, कक्षा 1 में दाखिला लेने वाले 100 में से केवल 62 बच्चे ही 12वीं कक्षा तक पहुंच पाते हैं।

श्रम विभाग की बैठक में बड़ा फैसला, प्रदेश में अब दो दिन वर्क फ्रॉम होम, अलग-अलग शिफ्ट में खुलेंगे ऑफिस

लखनऊ। प्रदेश में बढ़ती लागत और गैस की कमी के चलते कई उद्योगों पर संकट गहराने लगा है। इसको लेकर श्रम विभाग की उच्च स्तरीय बैठक में महत्वपूर्ण फैसले लिए गए। तय किया गया कि ऊर्जा खपत कम करने और उद्योगों को राहत देने के लिए सप्ताह में दो दिन वर्क फ्रॉम होम व्यवस्था लागू की जाएगी। वहीं कार्यालयों और फैक्ट्रियों को अलग-अलग शिफ्ट में संचालित करने का निर्णय लिया गया है। अधिकारियों के अनुसार गैस आपूर्ति प्रभावित होने से उत्पादन लागत बढ़ी है, जिससे कई उद्योगों में नौकरी पर खतरा मंडरा रहा है। सरकार जल्द विस्तृत दिशा-निर्देश जारी करेगी।

ऑपरेशन रेजपिल के तहत बड़ी कार्रवाई

एनसीबी ने पकड़ा 182 करोड़ का 'जिहादी ड्रग'

नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 'ड्रग-फ्री इंडिया' के संकल्प को दोहराते हुए बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि 'ऑपरेशन रेजपिल' के तहत एजेंसियों ने पहली बार कैप्टागॉन (जिसे 'जिहादी ड्रग' कहा जाता है) की बड़ी खेप जब्त की है, जिसकी कीमत करीब 182 करोड़ रुपये बताई गई है।

शाह के मुताबिक, यह ड्रग्स कंसाइनमेंट मिडिल ईस्ट भेजा जा रहा था, जिसे समय रहते पकड़ लिया गया। इस मामले में एक विदेशी नागरिक को भी गिरफ्तार किया गया है। मिडिल ईस्ट में इसका अवैध कारोबार काफी बड़ा है।

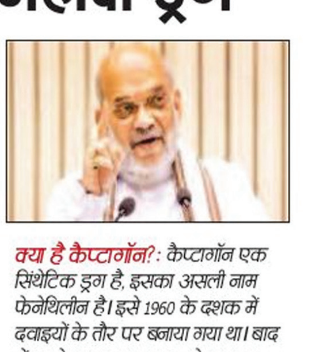

क्या है कैप्टागॉन?: कैप्टागॉन एक सिंथेटिक ड्रग है, इसका असली नाम फेनेथिलीन है। इसे 1960 के दशक में दवाइयों के तौर पर बनाया गया था। बाद में इसके खतरनाक असर के कारण ज्यादातर देशों में बैन कर दिया गया। इसे आतंकवादी गतिविधियों में इस्तेमाल किए जाने के आरोप लगते रहे हैं।

क्यों कहा जाता है 'जिहादी ड्रग'

इस ड्रग को लेकर दावा किया गया कि कुछ आतंकी संगठनों ने इसका इस्तेमाल किया। यह थकान कम करता है और व्यक्ति को ज्यादा साहसी, आक्रामक और डर-रहित बनाता है। युद्ध या हिंसक गतिविधियों में इसका उपयोग होने के आरोप लगते रहे हैं।

डीएम पर विवादित टिप्पणी में आजम खां दोषी, दो साल कैद और 20 हजार जुर्माना

रामपुर

सपा नेता आजम खां को तत्कालीन डीएम पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में रामपुर की कोर्ट ने दो साल की कैद और 20 हजार रुपये जुमार्ने की सजा सुनाई है। यह मामला वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान भोट थाना क्षेत्र में दर्ज किया गया था।

आरोप था कि चुनाव प्रचार के दौरान सपा नेता ने तत्कालीन जिलाधिकारी पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच के बाद कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की थी। तभी से अदालत में मामले की सुनवाई चल रही थी। शनिवार को कोर्ट ने सुनवाई पूरी होने के बाद आजम खां को दोषी करार देते हुए दो साल की सजा और 20 हजार रुपये जुमार्ना अदा करने का आदेश दिया गया। उधर, सपा नेता आजम खां और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम के दो पैन कार्ड मामले में सुनाई गई सजा बढ़ाने को लेकर दायर अपील पर शुक्रवार को बचाव पक्ष की ओर से बहस शुरू हुई। बचाव पक्ष की ओर से सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता ने बहस की। उनकी बहस अभी जारी है। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 18 मई की तारीख तय की है। सपा नेता अब्दुल्ला आजम के दो पैन कार्ड मामले में मजिस्ट्रेट कोर्ट ने हाल ही में आजम खां और अब्दुल्ला आजम को सात-सात साल की कैद और 50-50 हजार

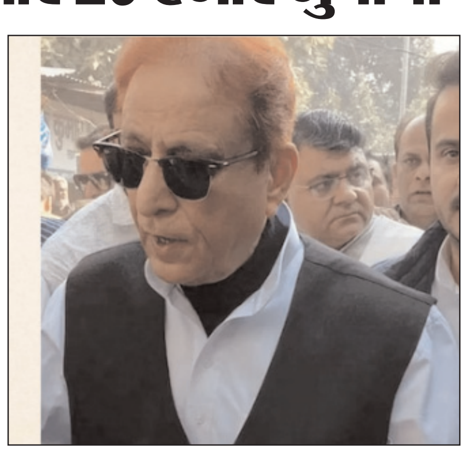

रुपये जुमार्ने की सजा सुनाई थी। इस मामले में बचाव पक्ष की ओर से सजा के खिलाफ और अभियोजन पक्ष की ओर से सजा बढ़ाने को लेकर एमपी-एमएलए सेशन कोर्ट में अपील दायर की गई है। एमपी-एमएलए सेशन कोर्ट में हुई सुनवाई के दौरान एडीजीसी सीमा राणा ने बताया कि सजा बढ़ाने से संबंधित अपील पर बचाव पक्ष की ओर से बहस शुरू कर दी गई है। उनकी बहस अभी पूरी नहीं हुई है। कोर्ट ने अगली सुनवाई 18 मई को निर्धारित की है।

'मैंने फर्जी डिग्री वालों की आलोचना की' सीजेआई सूर्यकांत की 'कॉकरोच' वाले बयान पर सफाई, कहा- युवाओं पर मुझे गर्व

नई दिल्ली

भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कल युवा पीढ़ी को लेकर दिए गए अपने एक बयान पर मचे बवाल के बाद आज स्थिति पूरी तरह स्पष्ट कर दी है। मीडिया के एक वर्ग की ओर से उनके मौखिक बयान को गलत तरीके से पेश करने का आरोप लगाते हुए सीजेआई ने पीड़ा व्यक्त की है। उन्होंने सफाई देते हुए कहा कि उनकी टिप्पणी देश के युवाओं के खिलाफ नहीं, बल्कि फर्जी डिग्री के सहारे व्यवस्था में घुसने वाले परजीवियों के खिलाफ थी।

मुख्य न्यायाधीश ने अपने आधिकारिक बयान में कहा, 'मुझे यह पढ़कर बेहद दुख हुआ है कि कैसे मीडिया के एक वर्ग ने कल एक तुच्छ मामले की सुनवाई के दौरान की गई मेरी मौखिक टिप्पणियों को गलत तरीके से पेश किया। मैंने विशेष रूप से उन लोगों की आलोचना की थी, जो फर्जी और जाली डिग्रियों के सहारे वकालत जैसे क्षेत्रों में घुस आए हैं। ऐसे ही कुछ लोग मीडिया, सोशल मीडिया और अन्य प्रतिष्ठित पेशों में भी घुसपैठ कर चुके हैं, इसीलिए वे परजीवी की तरह हैं।'

युवाओं पर जताया अटूट भरोसा

सीजेआई ने युवाओं की आलोचना करने के दावों को पूरी तरह आधारहीन और मनगढ़ंत बताया। उन्होंने देश की युवा शक्ति की सराहना करते हुए कहा, 'यह सुझाव देना बिल्कुल बेबुनियाद है कि मैंने हमारे देश के युवाओं की आलोचना की। मुझे न केवल हमारे वर्तमान और भविष्य के मानव संसाधन पर गर्व है, बल्कि भारत का हर युवा मुझे प्रेरित करता है। यह कहना कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी कि मेरे मन में भारतीय युवाओं के लिए बहुत सम्मान है। मैं उन्हें विकसित भारत के स्तंभ के रूप में देखता हूं।' बताते चलें कि इससे पहले सीजेआई सूर्यकांत ने सुनवाई के दौरान वकीलों और अन्य पेशे में आ रही गिरावट पर चिंता जताते हुए बहुत ही कड़े शब्दों का इस्तेमाल किया था। कोर्ट रूम में उन्होंने कहा था कि समाज में पहले से ही ऐसे परजीवी हैं, जो सिस्टम पर हमला करते हैं और आप उनसे हाथ मिलाना चाहते हैं? कई युवा कॉकरोच की तरह हैं, जिन्हें न तो कोई नौकरी मिलती है और न ही पेशे में कोई जगह। उनमें से कुछ मीडिया में चले जाते हैं।

सम्पादकीय

ईरान-अमेरिका तनाव के बीच महंगाई का नया संकट

पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच इस बात की आशंका पहले से जताई जा रही थी कि तेल और गैस की कमी की वजह से आने वाले दिनों में जरूरी वस्तुओं की महंगाई बढ़नी तय है। खासतौर पर रसोई गैस की किल्लत की वजह से आम लोगों के सामने कैसी परिस्थितियां पैदा हुई हैं, यह सब जानते हैं। इस दौरान देश में ईंधन, बिजली और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल की वजह से थोक महंगाई दर अप्रैल में 8.3 फीसद दर्ज की गई, जो मार्च में 3.88 फीसद थी। साफ है कि घरेलू बाजार पर अब अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों का असर पड़ना शुरू हो चुका है। हालांकि कुछ समय पहले वाणिज्यिक गैस सिलेंडर और विमानन टर्बाइन ईंधन के दाम में खासी बढ़ोतरी की गई थी, लेकिन उसके असर का दायरा कुछ हद तक सीमित था। अब पेट्रोल और डीजल की कीमतों में इजाफे का मोर्चा जिस तरह खुला है, उससे साफ है कि अगर ईरान और अमेरिका के बीच टकराव के साए में तेल की आपूर्ति लंबे समय तक बाधित रही, तो इसका असर जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित करेगा। गौरतलब है कि तेल कंपनियों की ओर से शुक्रवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में तीन-तीन रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई है। वहीं सीएनजी की कीमत में भी दो रुपए प्रति किलोग्राम का इजाफा किया गया। जाहिर है, ईरान पर इजराइल और अमेरिका के साझा हमले के बाद वैश्विक स्तर पर ऊर्जा कीमतों में जिस तरह की तेजी आई है, अब तेल कंपनियां आम उपभोक्ताओं पर भी उसका बोझ सीधे डालना शुरू कर चुकी हैं। यों जब ईरान ने होर्मुज जलमार्ग को बाधित किया था और दोनों पक्षों की ओर से एक-दूसरे के तेलशोधन केंद्रों और ठिकानों पर मिसाइल दागे गए, तभी से यह साफ था कि इसका असर दुनिया भर में होने वाली तेल और गैस की आपूर्ति पर पड़ेगा और नतीजतन सभी क्षेत्रों में महंगाई बढ़ेगी। खासतौर पर उन देशों में ज्यादा मुश्किल पैदा हो सकती है, जहां तेल और गैस की आपूर्ति को सहज बनाए रखने के विकल्प सीमित हैं। दरअसल, होर्मुज जलमार्ग से दुनिया भर में लगभग बीस से पच्चीस फीसद तेल और गैस की आपूर्ति होती है और इसी वजह से इसके बाधित होने के प्रभाव का अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है। स्वाभाविक रूप से भारत में भी तेल और गैस की कमी पैदा हुई। हालांकि अमेरिका की ओर से लगाई गई शर्तों के बीच भारत ने रास्ता निकालने की कोशिश की थी, लेकिन अब युद्ध से उपजी जटिलता जैसे-जैसे लंबी खिंचती जा रही है, वैसे-वैसे विकल्प भी सिमटते जा रहे हैं। यह छिपा नहीं है कि डीजल के दाम में बढ़ोतरी के साथ ही माल ढुलाई की कीमत बढ़ती है और उसकी वजह से सभी जरूरी उपभोक्ता वस्तुओं की महंगाई में बढ़ोतरी होती है। यानी फिलहाल डीजल के दाम तीन रुपए बढ़े हैं, लेकिन ईरान और अमेरिका के रुख के असर में वैश्विक स्तर पर ऊर्जा संकट के जो हालात बने हुए हैं, उसमें यह कहना मुश्किल है कि तेल के दाम में वृद्धि यहीं रुक जाएगी। ऐसी स्थिति में अगर खाने-पीने से लेकर जरूरत की हर चीज की कीमतें बेलगाम हुईं, तो यह एक स्वाभाविक परिणति होगी। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव की वजह से उपजे ऊर्जा संकट में जरूरत इस बात की है कि सरकार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेल और गैस की उपलब्धता वाले देशों के साथ कूटनीतिक संवाद स्थापित करे और देश में गहराती मुश्किल को कम करने के लिए पहलकदमी करे।

सुशील कुमार सिंह प्रधान संपादक

दवा नहीं, जहर का कारोबारः भारत की साख पर संकट

भारत आज दुनिया की सबसे बड़ी दवा उत्पादन शक्तियों में शामिल है। भारतीय दवाइयां अमेरिका, यूरोप, अफ्रीका, एशिया और मध्य-पूर्व के अनेक देशों में निर्यात होती हैं। भारत को फामेर्सी ऑफ द वर्ल्ड कहा जाता है क्योंकि सस्ती और प्रभावी दवाओं की आपूर्ति में भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। कोरोना महामारी के दौरान भारत ने वैक्सीन और आवश्यक दवाइयों की आपूर्ति कर पूरी दुनिया में अपनी विश्वसनीयता और मानवीय प्रतिबद्धता का परिचय दिया था। जिन राज्यों में उत्पादित घटिया दवाओं का खुलासा हुआ, उनमें हिमाचल प्रदेश पहले पायदान पर रहा, फिर उत्तराखंड, गुजरात, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, केरल, पुडुचेरी, तेलंगाना, सिक्किम, झारखंड, दिल्ली, पश्चिम बंगाल, आंध्रप्रदेश, ओडिशा आदि राज्य शामिल हैं। यानी एक-दो राज्य नहीं, तमाम राज्यों के दवा उत्पादक इस अपवित्र कर्म में शामिल हैं। यूं कहें कि दाल में काला नहीं है बल्कि पूरी दाल काली है। विडंबना देखिए कि कफ सिरप के 17 नमूने फेल हुए हैं। अब यह साफ हो गया कि अफ्रीका व सेंट्रल एशिया के कुछ देशों तथा भारत के कुछ राज्यों में कफ सिरप पीने से बच्चों की मौत के जो आरोप भारतीय दवा कंपनियों पर लगे थे, वे गलत नहीं थे, जिससे पूरी दुनिया में भारतीय दवा उद्योग की छवि खराब हुई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारत की प्रतिष्ठा को धक्का लगता है और दुनिया भारतीय दवा उद्योग को संदेह की दृष्टि से देखने लगती है। यह स्थिति ऐसे समय में सामने आ रही है जब भारत विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत 2047 तक स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने पर विकसित भारत का सपना साकार करने की दिशा में अनेक नए आयाम स्थापित कर रहा है।

आलोक सोलंकी

पिछले दिनों सामने आई खबरों ने पूरे देश को चिंता और बेचैनी में डाल दिया कि जीवनरक्षक और सामान्य उपयोग की अनेक दवाइयां गुणवत्ता के मानकों पर खरी नहीं उतरीं। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन द्वारा जारी ड्रग अलर्ट में जिन दवाओं के नमूने फेल पाए गए, उनमें हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, मिर्गी, संक्रमण, विटामिन सप्लीमेंट और कफ सिरप जैसी आम उपयोग की दवाएं भी शामिल थीं। यह कोई सामान्य प्रशासनिक त्रुटि नहीं, बल्कि मानव जीवन के साथ किया जा रहा ऐसा खतरनाक खिलवाड़ है, जिसने देश की स्वास्थ्य सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिया है। जिस दवा को रोगी जीवन बचाने की आशा में खरीदता है, वही यदि उसके शरीर में जहर का काम करने लगे तो यह केवल चिकित्सा व्यवस्था की विफलता नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं के पतन की पराकाष्ठा है। विडंबना यह है कि दवाओं के निर्माण और वितरण के लिए देश में कठोर नियम, निरीक्षण और परीक्षण की व्यवस्थाएं मौजूद हैं। कच्चे माल की गुणवत्ता से लेकर उत्पादन प्रक्रिया तक कई स्तरों पर जांच होती है, फिर भी बड़ी-बड़ी नामी कंपनियों की दवाइयां यदि अमानक पाई जाती हैं तो यह साफ संकेत है कि कहीं-न-कहीं मुनाफे की अंधी दौड़ ने नैतिकता और मानवता को कुचल दिया है। यह केवल आर्थिक अपराध नहीं, बल्कि मानवता के विरुद्ध अपराध है। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि जिन लोगों पर समाज की जिंदगी बचाने की जिम्मेदारी है, वही लोग अपने स्वार्थ के लिए लोगों की जिंदगी दांव पर लगा रहे हैं।

भारत आज दुनिया की सबसे बड़ी दवा उत्पादन शक्तियों में शामिल है। भारतीय दवाइयां अमेरिका, यूरोप, अफ्रीका, एशिया और मध्य-पूर्व के अनेक देशों में निर्यात होती हैं। भारत को फामेर्सी ऑफ द वर्ल्ड कहा जाता है क्योंकि सस्ती और प्रभावी दवाओं की आपूर्ति में भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। कोरोना महामारी के दौरान भारत ने वैक्सीन और आवश्यक दवाइयों की आपूर्ति कर पूरी दुनिया में अपनी विश्वसनीयता और मानवीय प्रतिबद्धता का परिचय दिया था। जिन राज्यों में उत्पादित घटिया दवाओं का खुलासा हुआ, उनमें हिमाचल प्रदेश पहले पायदान पर रहा, फिर उत्तराखंड, गुजरात, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, केरल, पुडुचेरी, तेलंगाना, सिक्किम, झारखंड, दिल्ली, पश्चिम बंगाल, आंध्रप्रदेश, ओडिशा आदि राज्य शामिल हैं। यानी एक-दो राज्य नहीं, तमाम राज्यों के दवा उत्पादक इस अपवित्र कर्म में शामिल हैं। यूं कहें कि दाल में काला नहीं है बल्कि पूरी दाल काली है। विडंबना देखिए कि कफ सिरप के 17 नमूने फेल हुए हैं। अब यह साफ हो गया कि अफ्रीका व सेंट्रल एशिया के कुछ देशों तथा भारत के कुछ राज्यों में कफ सिरप पीने से बच्चों की मौत के जो आरोप भारतीय दवा कंपनियों पर लगे थे, वे गलत नहीं थे, जिससे पूरी दुनिया में भारतीय दवा उद्योग की छवि खराब हुई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारत की प्रतिष्ठा को धक्का लगता है और दुनिया भारतीय दवा उद्योग को संदेह की दृष्टि से देखने लगती है। यह स्थिति ऐसे समय में सामने आ रही है जब भारत विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत 2047 तक स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने पर विकसित भारत का सपना साकार करने की दिशा में अनेक नए आयाम स्थापित कर रहा है। भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया, आत्मनिर्भर भारत और स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधारों के माध्यम से देश वैश्विक नेतृत्व की ओर बढ़ रहा है। भारत को विश्वगुरु बनाने का सपना केवल आर्थिक विकास से नहीं, बल्कि नैतिकता, गुणवत्ता और विश्वसनीयता से भी जुड़ा हुआ है। यदि जीवनरक्षक दवाओं में ही मिलावट और घटियापन सामने आएगा, तो यह सारे सकारात्मक प्रयासों पर धब्बा लगाने जैसा होगा।

आज आवश्यकता इस बात की है कि सरकार दवा नियंत्रण व्यवस्था को और अधिक सशक्त बनाए। केवल औपचारिक निरीक्षण और समय-समय पर जारी होने वाले ड्रग अलर्ट पर्याप्त नहीं हैं। दवा निर्माण इकाइयों की नियमित और पारदर्शी जांच होनी चाहिए। जिन कंपनियों की दवाएं बार-बार मानकों पर फेल होती हैं, उनके लाइसेंस तुरंत रद्द किए जाएं और उनके खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई हो। दवा माफिया और नकली दवा बनाने वाले गिरोहों के खिलाफ विशेष अभियान चलाए जाने चाहिए। यह भी जरूरी है कि दोषियों को केवल आर्थिक जुमार्ने तक सीमित न रखा जाए, बल्कि उन्हें कठोर कारावास की सजा दी जाए ताकि दूसरों के लिए भी कड़ा संदेश जाए। यह भी एक गंभीर चिंता का विषय है कि कई बार राज्य सरकारें और नियामक एजेंसियां प्रभावशाली दवा कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई करने से बचती दिखाई देती हैं। धनबल और प्रभाव के कारण जांच प्रक्रियाएं धीमी पड़ जाती हैं और अंततः आम जनता ही इसकी कीमत चुकाती है। यह स्थिति लोकतांत्रिक शासन और प्रशासनिक जवाबदेही दोनों के लिए खतरनाक है। रोगी इस उम्मीद में दवा लेते हैं कि इससे उनकी बीमारी ठीक होगी। लेकिन यह पता लगे कि जिन दवाइयों का वे सेवन कर रहे हैं वे दवा नहीं बल्कि जहर के रूप में बाजार में आ गई हैं तो क्या बीतेगी? हिंदुस्तान में आज लाखों लोगों को ये दवाएं जीवन-रक्षा नहीं दे रही है बल्कि मार रही है, इंसान का लोभ एवं लालच इंसान को मार रहा है। ऐसे स्वार्थी लोगों एवं जीवन से खिलवाड़ करने वालों को राक्षस, असुर या दैत्य कहा गया है जो समाज एवं राष्ट्र में तरह-तरह से स्वास्थ्य सुरक्षा के नाम पर मौत बांट रहे हैं। अमानक एवं गुणवत्ता में दोषपूर्ण पाई गई इन दवाओं में कई नामी कंपनियों की दवाएं भी शामिल हैं। दवा उद्योग केवल व्यापार नहीं है, यह विश्वास का उद्योग है। यहां नैतिकता का महत्व सबसे अधिक होना चाहिए। लेकिन दुर्भाग्य से आज लालच और मुनाफाखोरी ने इस क्षेत्र में भी गहरी जड़ें जमा ली हैं। नकली इंजेक्शन, मिलावटी दवाएं, एक्सपायरी दवाओं की री-पैकेजिंग और घटिया कच्चे माल के उपयोग जैसी घटनाएं यह साबित करती हैं कि समाज में संवेदनाओं का स्रोत सूखता जा रहा है। इंसान केवल अपने लाभ के लिए दूसरों की जिंदगी से खेलने को तैयार हो गया है। यह केवल कानून का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक और नैतिक पतन का भी संकेत है। आवश्यकता इस बात की भी है कि आम जनता को दवाओं के प्रति जागरूक बनाया जाए। दवा खरीदते समय बिल लेना, पैकेजिंग और निर्माण तिथि की जांच करना, संदिग्ध दवाओं की शिकायत संबंधित विभागों को करना और बिना चिकित्सकीय सलाह के दवाओं का सेवन न करना, ये सब छोटे लेकिन महत्वपूर्ण कदम हैं। मेडिकल स्टोरों की भी नियमित निगरानी होनी चाहिए ताकि नकली या घटिया दवाओं की बिक्री रोकी जा सके।

दवाओं की गुणवत्ता से खिलवाड़ दवा निमार्ता कम्पनियों का एक घिनौना, क्रूर एवं अमानवीय चेहरा ही है जो मनुष्य के स्वास्थ्य को चैपट कर रहे हैं। एक तो बीमारियों का कोई कारगर इलाज नहीं है, दूसरा इन बीमारी में काम आने वाली तमाम जरूरी दवाइयां लालची लोगों ने अमानक एवं दोषपूर्ण कर दी हैं। बढ़ती बीमारियां इन राक्षसों के कारण ही बेकाबू हो रही है। सरकारें इन त्रासद स्थितियों एवं बीमारी पर नियंत्रण पाने में नाकाम साबित हुई है। देश के लाखों लोग कातर निगाहों से शासन-प्रशासन की ओर देख रहे हैं कि कोई तो राह निकले। भारत आज एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है। एक ओर देश नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा है, दूसरी ओर ऐसी त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण घटनाएं हमारी नैतिक और प्रशासनिक कमजोरी को उजागर कर रही हैं। यदि हम सचमुच विकसित और विश्वसनीय भारत बनाना चाहते हैं, तो हमें केवल आर्थिक विकास नहीं, बल्कि गुणवत्ता, ईमानदारी और मानवीय मूल्यों को भी सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी। जीवनरक्षक दवाओं में मिलावट केवल स्वास्थ्य का संकट नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा पर लगा कलंक है। यह समय आत्ममंथन का है। सरकार, दवा उद्योग, चिकित्सा जगत और समाज-सभी को मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि दवा जीवन बचाने का माध्यम बने, मौत का व्यापार नहीं। तभी विकसित भारत का सपना वास्तविक अर्थों में सार्थक हो सकेगा।

बंगाल में शुभ राज के साथ सनातन का सूर्योदय

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से आज तक बंगाल में कांग्रेस, वामपंथ और तृणमूल की सरकारें रहीं जो तुष्टिकरण में आकंठ डूबी रहीं और हिंदुओ को दोयम दर्जे का नागरिक बना दिया। स्थितियां इतनी विकट हो गयी थीं कि बंगाल की धरती पर जय श्रीराम बोलने पर नफरत का कहर टूट पड़ता था।

मृत्युंजय दीक्षित

पश्चिम बंगाल में 69 वर्षों के अथक संघर्ष के बाद भारतीय जनता पार्टी की पूर्ण बहुमत वाली सरकार प्रथम सरकार शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व में कार्यभार ग्रहण करके काम पर लग गयी है। बंगाल में बीजेपी की विजय बहुत बड़ी व ऐतिहासिक है। बंगाल ही नहीं भारत के अन्य भागों में भी इस विजय का आनंद दिखाई वातावरण दे रहा है। इस विजय के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कर्नाटक, तेलंगना और गुजरात के दौरे में जो भीड़ उमड़ रही है उससे स्पष्ट रूप से जनसामान्य और भाजपा कायकताओं के उत्साह का अनुमान लगाया जा सकता है। बंगाल विधानसभा चुनावों मे हिंदू समाज ने पहली बार बांग्लादेशी घुसपैठ और मुस्लिम तुष्टिकरण की विकृत राजनीति के विरुद्ध एकजुट होकर मतदान किया और जिसका परिणाम आज पूरा भारत देख रहा है।

बंगाल की जिस धरती पर 75 वर्ष पूर्व डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने जनसंघ की वैचारिक नींव रखी थी उसी बंगाल में पहली बार भाजपा 27 सीटों के साथ सत्ता के शिखर पर पंहुची और भगवा वस्त्रों में शुभेंदु अधिकारी ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। बंगाल की कैबिनेट में अभी पांच मंत्रियों को ही शपथ दिलाई गई है, जिसमें बंगाल में भाजपा का संगठन खड़ा करने में अहम भूमिका निभाने वाले दिलीप घोष, फैशन डिजाइनर से बंगाल भाजपा की सबसे मुखर नेत्री बनी अग्निमित्रा पॉल जिन्होंने तृणमूल के खिलाफ आक्रामक मोर्चा संभाला, बांग्लादेश के हिंदू शरणार्थी मतुआ समुदाय के प्रमुख चेहरे अशोक कीर्तनिया जो उत्तर 24 परगना जिले के भारत-बांग्लादेश सीमा से सटे इलाको में भाजपा के जमीनी संगठनकर्ता के रूप मे अत्यंत सक्रिय रहे हैं, छात्र राजनीति से उभरे नेता निशीथ प्रामाणिक जो 2019 में भाजपा से जुड़े और जंगल महल के आदिवासी समुदाय के बड़े नेता खुदीराम टुडू शामिल हैं। अभी इस मंत्रिमंडल है का विस्तार होना बाकी है। बंगाल में शपथ ग्रहण समारोह के मंच पर एक भारत श्रेष्ठ भारत की संकल्पना के अनुरूप लघु भारत के भव्य दर्शन हो रहे थे तथा भविष्य की राजनीति के संकेत भी मिल रहे थे। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से आज तक बंगाल में कांग्रेस, वामपंथ और तृणमूल की सरकारें रहीं जो तुष्टिकरण में आकंठ डूबी रहीं और हिंदुओ को दोयम दर्जे का नागरिक बना दिया। स्थितियां इतनी विकट हो गयी थीं कि बंगाल की धरती पर जय श्रीराम बोलने पर नफरत का कहर टूट पड़ता था। आज उसी बंगाल में जब जयश्रीराम के नारे गूंज रहे हैं तो बंगाल का हर सनातनी खुशी से सराबोर हो रहा है। बंगाल में भाजपा सरकार आने से पश्चिम बंगाल के हिन्दुओं को तुष्टिकरण की दमनकारी नीतियों और भय के माहौल से आजादी मिली है। यह विजय केवल सत्ता का परिवर्तन नही अपितु बंगाल के पुनरुत्थान का शंखनाद है। अब बंगाल सही मायने में सोनार बांग्ला बनने की ओर अग्रसर होगा। भाजपा नेताओं का कहना है कि मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व में पश्चिम बंगाल सांस्कृतिक, आध्यात्मिक व आर्थिक उत्थान के नए दौर मे प्रवेश करेगा। हार की कुंठा से ग्रसित तृणमूल व विरोधी दलों के नेता अभी भी एसआईआर, चुनाव आयोग और केंद्रीय सुरक्षाबलों वाले आरोप दोहरा रहे हैं जबकि वास्तविकता यह है कि भाजपा ने यह चुनाव लम्बे संघर्ष और अपने कार्यकताओं के बलिदान के बाद जीता है। तृणमूल के राज में वर्ष 2011 से 2025 के बीच भाजपा के 321 कार्यकर्ता मारे गए, उनके विरुद्ध हुई हिंसा में हजारों घर उजाड़ दी गए, भाजपा व संघ के किसी कार्यकर्ता को बम से उड़ाया गया किसी को पेड़ से लटकाया गया। 2021 में तो भाजपा कार्यकताओं के प्रति तृणमूल के लोगों ने क्रूरता की सभी सीमाएं लांघ दी थीं। नंदीग्राम से लेकर वीरभूम तक, कूच बिहार हो या वशीर हाट चुनाव के बाद बदले के नाम पर पूरे-पूरे गांव खाली करवा दिए गए थे। 2021 की चुनावी हिंसा में हाईकोर्ट ने सीबीआई जांच के आदेश दिए किंतु ममता सरकार उन सभी में अड़ंगा डालती रही। आज संदेशखाली से आर जी कर कांड तक सभी पीड़ित परिवारों के मन में एक नया सबेरा आया है कि अब न्याय होकर रहेगा। बंगाल के हिंदू जनमानस को नयी सरकार पर भरोसा है इसलिए नई सरकार को भी अत्यंत तत्परता और सतर्कता के साथ संकल्प पत्र को पूरा करना होगा। नई सरकार ने अपनी पहली कैबिनेट की पहली बैठक में जो निर्णय लिए हैं उनसे उसकी गंभीरता तथा बंगाल की जनता के प्रति प्रतिबद्धता का पता चलता है।

नई सरकार के पहले फैसले- शुभेंदु मंत्रिपरिषद ने अपनी पहली बैठक में ही कई बड़े निर्णय लिए हैं। जिनमें आयुष्मान भारत योजना को बंगाल में लागू करना, भारतीय न्याय सहिंता के तीन कानूनों को लागू करना, बीएसएफ को सीमावर्ती क्षेत्रों में 45 दिनों के अन्दर जमीन स्थानांतरित करना शामिल है। ममता बनर्जी की सरकार इन सभी कार्यों में लगातार अड़ंगा ही डालती रही थी।

लघुकथा

मन की बात

एक माँ-बेटी थीं। बेटी जवान हो रही थी, लेकिन उसका विवाह नहीं हो पा रहा था। विधवा वृद्धा माँ इसी चिंता में घुली जा रही थी। जवान बेटी घर से बाहर जाती तो माँ उसकी चौकसी करती। बेटी को यह पसंद नहीं था। संयोग की बात थी कि दोनों को नींद में चलने और बड़बड़ाने की आदत थी। एक रात दोनों नींद में उठ गई और सड़क पर चलने लगीं। माँ नींद में जोर-जोर से लड़की को गालियाँ दे रही थी इस दुष्ट के कारण मेरा जीना हराम हो गया है। यह जवान हो रही है और मैं बुढ़ापे से दबी जा रही हूँ।' बाजू की सड़क पर लड़की भी नींद में चल रही थी और बड़बड़ा रही थी-यह दुष्ट बुढिया मेरा पीछा छोड़ती ही नहीं। जब तक यह जीवित है, तब तक मेरा जीवन नरक है।' तभी मुरगे ने बाँग दी। चिड़िया चहचहाने लगीं और ठंडी बयार बहने लगी। बूढ़ी माँ ने बेटी को देखा। वह प्यार भरे स्वर में बोली, "आज इतनी जल्दी उठ गई। कहीं सर्दी न लग जाए। ऐसे दबे पाँव उठी कि मुझे पता ही नहीं चला। बेटी ने माँ को देखा तो झुककर उसके पैर छू लिये। माँ ने बेटी को गले से लगा लिया। तब बेटी उलाहने के स्वर में बोली, "माँ, कितनी बार कहा कि इतनी सुबह मत उठा करो मैं पानी भर दूँगी और घर साफ कर दूँगी। तुम बूढ़ी हो। बीमार पड़ गई तो क्या होगा? माँ, तुम ही तो मेरा एकमात्र सहारा हो। इतनी मेहनत करना ठीक नहीं है। आखिर मैं किसलिए हूँ!" माँ-बेटी नींद में क्या कह रही थीं और जागने पर क्या कह रही थीं? नींद तो झूठ है, सपना झूठ है। नींद में चलना तो रोग है, लेकिन बात एकदम उलटी है। जो नींद में कह रही थीं, वही सच था जो जागने पर कह रही हैं, वह एकदम झूठ है। मन में गहरी दबी बातें भी नींद में बाहर आ जाती हैं। सज्जन व्यक्ति सुप्तावस्था में वही करते हैं, जो दुर्जन लोग जाग्रत अवस्था में किया करते हैं।

कहानी

अनुशासन से आई चुस्ती

शेखू मेहनती व होशियार लड़का था। स्कूल में भाषण प्रतियोगिता होनी थी। पुरस्कारों में महंगे उपहार मिलने थे। सब विद्यार्थी उत्साहित थे। अपने अध्यापक के कहने पर शेखू ने भी प्रतियोगिता में नाम लिखवा दिया। पापा की मदद से उसने अच्छी प्रभावशाली शब्दावली वाला भाषण तैयार कर लिया। शेखू को कई साल तक यह पता नहीं था कि उसका नाम ऐतिहासिक है। बचपन से उसे राजकुमारों की तरह एक टांग मोड़कर उस पर दूसरी टांग टिकाकर हाथ में दूध की बोतल पकड़कर आराम से दूध पीने की आदत रही। धीरे धीरे बड़ा हुआ तो उसकी आदतों में आलस शुमार होने लगा। स्कूल में सहपाठियों ने उसके नाम का अर्थ पूछा तो उसे पता नहीं था। उसने अपने पापा से पूछा तो बताया कि तुम्हारा नाम महान कहे जाने वाले मुगल सम्राट अकबर के बेटे सलीम के नाम पर है। सलीम को घर में प्यार से शेखू पुकारा जाता था। शेखू यह सुनकर बहुत खुश हुआ और उसके दोस्त बोले, क्या नाम है तुम्हारा वाह! शेखू मेहनती व होशियार लड़का था। स्कूल में भाषण प्रतियोगिता होनी थी। पुरस्कारों में महंगे उपहार मिलने थे। सब विद्यार्थी उत्साहित थे। अपने अध्यापक के कहने पर शेखू ने भी प्रतियोगिता में नाम लिखवा दिया। पापा की मदद से उसने अच्छी प्रभावशाली शब्दावली वाला भाषण तैयार कर लिया। उधर दूसरे प्रतियोगी भी तैयारी में जुटे थे सबकी नजर बढ़िया पुरस्कारों पर थी। पापा ने समझाया कि तुम अपना भाषण निश्चित समय में खत्म करने के लिए सही स्पीड से बोलना। प्रतियोगिता के दिन वह अच्छी तैयारी करकर आया था। उसके बोलने के तरीके व सही उच्चारण की सभी ने तारीफ की। खूब तालियाँ बटोरीं उसने पर एक गड़बड़ कर दी। भाषण धीमी रफ़्तार से दिया तभी उसे निश्चित अवधि से ज्यादा समय लग गया। मुख्य निर्णायक ने निर्णय सुनाने से पहले कहा कि शेखू की प्रस्तुति सर्वोत्तम थी उसे प्रथम पुरस्कार मिलता यदि उसने अपना बढ़िया भाषण निश्चित समय में पूरा कर लिया होता। उसे दूसरा पुरुस्कार मिला। शेखू जब घर लौटा तो उसके दिमाग में पहली बार कुछ चल रहा था। उसने मम्मी पापा को बताया तो उन्होंने अगली बार चुस्ती से प्रयास करने को प्रेरित किया। अपने कमरे में जाकर आँखें मीचकर वह कुछ देर अकेला बैठा रहा फिर एक कागज पर बार बार कुछ लिखता रहा। कुछ देर बाद उसके पापा ने आकर उसे प्यार से समझाया कि यूं उदास हो जाने से कुछ नहीं होगा।

घबराओ मत यह तो आपके जीवन की पहली प्रतियोगिता थी। अभी तो तुमने सैकड़ों प्रतियोगिताओं में शामिल होना है। जीवन एक प्रतियोगिता है जिसमें जीत हार तो चलती रहती है। तुम्हें अपने आप से वायदा करना है कि तुम सुस्ती छोड़ दोगे और अपने सभी प्रयास पूरी मेहनत, निश्चित समय में तत्परता से करोगे। शेखू ने नीची नजर कर वह कागज पापा को थमा दिया था। जिस पर सुन्दर शब्दों में सौ बार लिखा हुआ था, पापा अब मैं सुस्ती नहीं करूंगा। उसकी आँखों में निश्चय की चमक थी वह बदल चुका था। पापा ने उसे एक घड़ी उपहार में दी और कहा यह लो कल से अलार्म लगाकर उठना और अपना वादा निभाना। अगली सुबह सचमुच अच्छी रही शेखू ने अलार्म बजते ही बिस्तर छोड़ दिया था और कुछ देर व्यायाम के बाद पढ़ने बैठ गया था। उसके जीवन में चुस्ती प्रवेश कर चुकी थी।

हमारा पार्षद कैसा हो

संतोष उत्सुक

(व्यंग्य)

ऐसा कहना तो ख़्वाब में बात करना होगा कि पार्षद पद के उम्मीदवार में ईमानदारी होनी जरूरी है। पार्षद को बातें ज्यादा काम कम करना चाहिए। जीतने के बाद खास खास बंदों के फोन उठाने चाहिएं। दूसरी पार्टी के बंदों के फोन नम्बर डीलीट कर देना चाहिए। ऐसा भी कहा जाता है कि वार्ड की हर समस्या की जिम्मेदारी उसकी होती है।

हमारे शहर में स्थानीय लोकसभा यानी नगर परिषद का चुनाव घोषित हो गया है। अखबारों को नई मगर घिसी पिटी खबरें मिल गई हैं और वोटरों को एक और चुनाव। कॉलम छप रहे हैं, कैसा हो पार्षद, यानी उन्होंने औसत पार्षद के बारे में लोगों की राय पूछी है। राय जैसी भी हो लेकिन राय देने वालों की फोटोज बढ़िया चमकदार छप रही हैं, जैसे आधार कार्ड या वोटर कार्ड धारक असली जीवन में नहीं पहचाना जाता कुछ ऐसा ही राय देने वाले लग रहे। उनकी राय पढने के बाद जो मुझे समझ में आया उसके

अनुसार हमारा पार्षद कुछ ऐसा होना चाहिए। उसे पार्षद बनते ही ठेकेदार का चोगा पहन लेना चाहिए और स्वार्थ भाव से सड़क, गली, नाली, सुरक्षा दीवार सेवा का ठेका लेने के लिए पूजा शुरू कर देनी चाहिए। पार्षद बनने के लिए किसी भी वार्ड से चुनाव जैसे कैसे ऐसे वैसे कर जीत लेना चाहिए। वह राजनीति को समाजसेवा का जज्बा बताए। धर्म और जाति के आधार पर भेदभाव जरूर करे। सबकी बातों को गंभीरता से न ले। खुद चुनाव लड़ने में कोई पेंच हो तो पत्नी को पार्षद बनवा देना चाहिए। हमारा पार्षद ऐसा होना चाहिए जो जन सुविधाओं, गलियों में गंदगी, बंद स्ट्रीट लाइटों और टूटी सड़कों पर ज्यादा ध्यान न देकर कई तरह की राजनीति करे और अपने खास बंदों के काम करवाए। मंच पर भाषण बढ़िया दे, अपना फायदा सोचे और अपनी राजनैतिक पार्टी को मजबूत करे। उसकी छवि स्वच्छ होने की बिलकुल जरूरत नहीं।

ऐसा कहना तो ख़्वाब में बात करना होगा कि पार्षद पद के उम्मीदवार में ईमानदारी होनी जरूरी है। पार्षद को बातें ज्यादा काम कम करना चाहिए। जीतने के बाद खास खास बंदों के फोन उठाने चाहिएं। दूसरी पार्टी के बंदों के फोन नम्बर डीलीट कर देना चाहिए। ऐसा भी कहा जाता है कि वार्ड की हर समस्या की जिम्मेदारी उसकी होती है। अगर ऐसा है तो वह अपने घर का काम कब करेगा। किसी ने कहा कि उसे बुद्धिजीवी होना चाहिए। बुद्धिजीवी राजनीति में आकर अबुद्धिजीवियों वाले उलटे, टेढ़े, मेढ़े भूरे और काले काम करेंगे तो पहले से जो अबुद्धिजीवी अराजनीति कर रहे हैं उनका भविष्य क्या होगा। किसी ने नहीं कहा कि संभावित पार्षद गंजा नहीं होना चाहिए। उसे सुन्दर और शाकाहारी होना चाहिए या उसे पहले से ही ठेकेदार होना चाहिए।

ऐसा होना मुश्किल है लेकिन लोग चाहते हैं कि वह सर्वधर्म सम्मान वाला हो। क्षेत्रवाद और धर्म जैसी संकीर्ण मानसिकता से दूर हो। पार्षद महिला हो तो उनका पति लीडर बनकर न घूमे। हर गली में नियमित रूप से जाए। लोगों के बोलने से पहले ही समस्याओं का समाधान करे। सड़कों को बिना गड्ढों के रखे। पता नहीं आम जनता, पार्षद जैसे राजनीतिज्ञ से भी इतना कुछ असंभव सा चाहती है। वह अपने घर के बाहर अभी अपने नाम का बोर्ड भी नहीं लगा पाता जनता काम बताना शुरू कर देती है। पार्षद बनने से पहले वह भी आम आदमी ही होता है। पार्षद बनने के बाद भी उसे अपने बच्चों और पत्नी के काम करने पड़ते हैं। इसलिए जैसे हम दूसरे राजनेताओं, विधायक और मंत्री से आशा रखते हैं वैसी ही उम्मीद उससे भी रखने में क्या हर्ज है, तो कहिए हमारा पार्षद कैसा हो, दूसरे नेताओं जैसा ही हो।

बालगृह निरीक्षण में गंभीर खामियां उजागर कमजोर बच्ची को तत्काल अस्पताल भेजा

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। जनपद न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर गठित समिति ने आगरा स्थित राजकीय बालगृह (शिशु) का निरीक्षण किया, जहां बच्चों की देखभाल और व्यवस्थाओं में कई गंभीर खामियां सामने आईं। निरीक्षण के दौरान एक बच्ची अत्यंत कमजोर अवस्था में मिली, जिस पर समिति ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उसे अस्पताल के एनआरसी वार्ड में भर्ती कराने के निर्देश दिए। वहीं बालगृह में लगे दो सीसीटीवी कैमरे खराब पाए गए और रसोईघर की साफ-सफाई व्यवस्था भी संतोषजनक नहीं मिली।

समिति ने इन कमियों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को तत्काल सुधार के निर्देश दिए और बच्चों की सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के साथ किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने की चेतावनी दी। निरीक्षण समिति में अपर जनपद न्यायाधीश एफटीसी-1 कुलदीप सिंह एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव नूतन चौहान शामिल रहीं। समिति के अध्यक्ष तालवार सिंह वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े। इस दौरान प्रभारी अधीक्षक बेटा सिंह भी उपस्थित रहे। समिति ने बालगृह की व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण कर बच्चों की स्थिति, स्वास्थ्य सुविधाओं और सुरक्षा इंतजामों की जानकारी ली।प्रभारी अधीक्षक ने बताया कि बालगृह में शून्य से दस वर्ष तक के बच्चों को आश्रय दिया जाता है। वर्तमान समय में यहां 0 से 6 वर्ष आयु वर्ग के 30 और 6 से 10 वर्ष आयु वर्ग के 15 बच्चे रह रहे हैं। इनमें मैनपुरी जनपद के दो बच्चे भी शामिल हैं। निरीक्षण के दौरान समिति को एक ऐसा बच्चा मिला जिसे आंखों से दिखाई नहीं देता, उसका शरीर ठीक तरह से काम नहीं करता और उसे मिर्गी के दौरे भी पड़ते हैं। समिति ने उसके इलाज और देखभाल को लेकर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। इसके अलावा आरजू नाम की एक बच्ची शारीरिक रूप से बेहद कमजोर पाई गई। समिति ने उसकी हालत को गंभीर मानते हुए तत्काल अस्पताल के एनआरसी (पोषण पुनर्वास केंद्र) वार्ड में भर्ती कराने का आदेश दिया। निरीक्षण के दौरान रसोईघर की साफ-सफाई व्यवस्था पर भी नाराजगी जताई गई। समिति ने स्पष्ट कहा कि बच्चों के रहने और भोजन की व्यवस्था में स्वच्छता से किसी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए। निरीक्षण के बाद बालगृह प्रशासन को सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त कर बच्चों की बेहतर देखभाल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

मजदूर ने घर के कमरे में फंदा लगाकर दी जान

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। शहर की हिंदपुरम कालोनी में शुक्रवार शाम मजदूर ने कमरे में पंखा के कुंडे में फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। जानकारी होने के बाद घर में अफरातफरी मच गई। कोतवाली पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जानकारी जुटाई, परिजन खुदकुशी के पीछे कोई वजह नहीं बता सके। शनिवार को शव का पोस्टमार्टम कराया गया।कोतवाली क्षेत्र की हिंदपुरम कालोनी निवासी 26 वर्षीय सचिन कश्यप की शादी तीन साल पहले हुई थी, अभी कोई संतान नहीं थी। शुक्रवार को वह काम पर गया था। रात को पत्नी खाना बनाने लगी। इस बीच रात करीब 9 बजे सचिन ने दरवाजा बंद कर कमरे में लगे पंखे के कुंडे से फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। जानकारी होने के बाद पत्नी की चीख सुनकर आसपास के लोग एकत्रित हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव फंदे से उतरवाया, फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से जांच के लिए नमूने एकत्र किए।

न्यायालय में बिजली चोर उपस्थिति न होने पर बिना जमानती वारंट जारी

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। एक अन्य प्राचीनतम बिजली चोरी का केस में आरोपी उपस्थित न होने पर उसके विरुद्ध भी बिना जमानती वारंट तथा फरारी 82 सीआरपीसी व जमातगिर के नोटिस की कार्रवाई की घटना दिनांक 14 दिसंबर 2007 की है विद्युत विभाग की अवर अभियंता जगतपाल सिंह द्वारा ग्राम धनमऊथाना विछवा में विद्युत चेकिंग की गई चेकिंग के दौरान रामवीर पुत्र जानकी प्रसाद को अपने परिसर पर अवैध रूप से आटा चक्की का संचालन करते हुए उपाय मांगने पर मौके पर नहीं दिखाई गए।

इस पर अवर अभियंता जगतपाल सिंह द्वारा थाना बिछुवा में विद्युत चोरी का मुकदमा पंजीकृत कराया इसमें पुलिस विवेचना के बाद आप पद स्पेशल जगदीश किया गया जहां पर आरोपी रामवीर द्वारा अपनी जमानत कराई गई जमानत कराने के बाद कई समय तक हाजिरी माफी दी गई किंतु रामवीर दिनांक 25 नबंबर 2025 को न्यायलय में न आने पर बिना जमानती वारंट किये ।उच्च न्यायालय के निर्देशन का प्राचीनतम पदों पर सख्त कार्रवाई करने की निर्देश दिए गए इस पर रामवीर सिंह न्यायालय में उपस्थित नहीं हुआ विद्युत विभाग की अधिवक्ता देवेंद्र सिंह कटारिया द्वारा बताया गया कि बिजली चोरी का यह प्राचीनतम बाद है जिसमें रामवीर सिंह उपस्थित नहीं हो रहे हैं और न राजस्व 4,33,390 रु शमन 120000 रु जमा नहीं किया है जिस पर न्यायाधीश स्पेशल जज इसी एक्ट सतेन्द्र नाथ त्रिपाठी द्वारा रामवीर सिंह के विरुद्ध बिना जमानती वारंट जारी करते हुए तथा 82 सीआरपीसी की फरारी कार्रवाई करते हुए जमानतगीर राजाबाबू निवासी धन मऊ व सुशीलादेवी विछवा थाना विछवा को नोटिस जारी किया थाना विछवा को गिरफ्तार करने वाले में पेश करने को कहा गया।

उपरोक्त अभियुक्त रामवीर के विरुद्ध न्यायाधीश सतेन्द्र नाथ त्रिपाठी द्वारा जो कार्यवाही की है उसमे 18 जून 2026 तारीख नियत की गई है।

बस स्टैंड के पास महिला हुई ठगी का शिकार

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। शहर के बस स्टैंड के पास आठ मई को खरगजीत नगर की रहने वाली महिला ठगी का शिकार हो गई। टैक्सी दिलाने के बहाने महिला से बातचीत करने वाले टप्पेबाज सोने के कुंडल उतरवा कर ले गए। पीड़िता ने कोतवाली में प्राथमिकी दर्ज कराई है। कोतवाली क्षेत्र में पुलंदर वाली बगिया निवासी कृष्णा देवी ने बताया कि आठ मई की दोपहर वह पुत्री के घर जाने के लिए बस स्टैंड पर पहुंची थीं। बीएसएनएल ऑफिस के पास खड़े होकर वाहन का इंतजार कर रही थीं, तभी दो युवक उनके पास आए और कहा कि आपको कहां जाना है। वह लोग टैक्सी से छोड़ देंगे। बातचीत करते हुए कहा कि गहने जेवर पीले कागज में रख लीजिए, रास्ते में गाड़ी चेक होती है। उन्होंने अपने कुंडल उतार कर पीले कागज में रख दिए। इस बीच दोनों ने लिफाफा बदल लिया। जिसकी जानकारी उन्हें नहीं हो सकी। वह लोग गाड़ी लाने की बात कह कर चले गए। जब काफी समय हो गया तो उन्होंने लिफाफा खोलकर देखा तो वह खाली था। ठगों की काफी तलाश की, मगर वह लोग नहीं मिले। तहरीर मिलने के बाद शुक्रवार को कोतवाली पुलिस ने टप्पेबाजों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

महिलाओं ने की वट सावित्री पूजा:पति की दीघार्यु और सुख-समृद्धि के लिए किया व्रत

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। मैनपुरी में वट सावित्री व्रत को लेकर महिलाओं में विशेष उत्साह देखा गया। शनिवार को जिलेभर की सुहागिन महिलाओं ने अपने पति की लंबी उम्र और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना के साथ व्रत रखा और वटवृक्ष की पूजा-अर्चना की। शहर के विभिन्न मंदिरों और वटवृक्ष स्थलों पर, विशेषकर ऋषि आश्रम पर, सुबह से ही महिला श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में सज-धज कर विधि-विधान से पूजा की और वटवृक्ष की परिक्रमा करते हुए कच्चा धागा बांधा। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, वट सावित्री व्रत को अखंड सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। इस अवसर पर महिलाओं ने माता सावित्री और सत्यवान की कथा सुनी और परिवार की खुशहाली के लिए प्रार्थना की। पूजा स्थलों पर भक्ति गीतों और मंत्रोच्चारण से वातावरण भक्तिमय बना रहा।महिलाओं ने बताया कि यह व्रत पति की दीघार्यु और वैवाहिक जीवन में सुख-शांति के लिए रखा जाता है। कई स्थानों पर महिलाओं ने समूह में पूजा कर एक-दूसरे को व्रत की शुभकामनाएं भी दीं। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन भी सतर्क दिखाई दिया। प्रमुख मंदिरों और पूजा स्थलों के आसपास पुलिस बल तैनात किया गया था ताकि भीड़ को नियंत्रित किया जा सके और शांति व्यवस्था बनी रहे।

हालत बिगड़ी तो किशोरी को रास्ते में प्रेमी ने छोड़ा; सड़क पर ही तोड़ दिया दम

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। घर से अगवा कर ले जाई गई किशोरी की हालत बिगड़ने पर प्रेमी रास्ते में उसे सड़क किनारे छोड़कर भाग गया। कुछ देर बाद ही किशोरी ने दम तोड़ दिया। ये देख आसपास के लोगों की भीड़ एकत्र हो गई। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी पर भिजवाया। पुलिस प्रेमी और उसके साथी की तलाश में जुट गई है। एक दिन पूर्व प्रेमी किशोरी को अगवा कर ले गया था। स्वजन और पुलिस का दबाव पड़ने पर किशोरी को थाने लाया गया था। औंछा क्षेत्र के एक गांव निवासी मुस्लिम समाज की एक किशोरी को पास के ही गांव का रहने वाला उसी के समुदाय का प्रेमी गुरुवार को अगवा कर ले गया था। पिता ने तहरीर दी तो पुलिस ने किशोरी और प्रेमी की तलाश शुरू कर दी। स्वजन और पुलिस का दबाव देख शुक्रवार दोपहर एक बजे के करीब प्रेमी किशोरी को थाने लेकर पहुंचा। जहां कुछ देर बैठने के बाद किशोरी अचेत हो गई तो पुलिस ने उसे आनन-फानन में इलाज के लिए भेजा। प्रेमी उसे इलाज के लिए फिरोजाबाद के जसराना ले जा रहा था।

मंत्री जयवीर सिंह का विपक्ष पर हमला, पेट्रोल-डीजल बचत और नीट पेपर लीक पर दिया बड़ा बयान

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने मैनपुरी दौरे के दौरान देश और प्रदेश की राजनीति, महंगाई, पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों, नीट परीक्षा पेपर लीक और विपक्ष के आरोपों पर खुलकर अपनी बात रखी। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देशवासियों से पेट्रोल-डीजल बचाने की अपील का समर्थन करते हुए कहा कि मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों का सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। ऐसे समय में हर नागरिक का कर्तव्य बनता है कि वह अनावश्यक ईंधन खर्च कम करे और राष्ट्रहित में सहयोग दे। मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और अन्य जिम्मेदार लोग भी अपने काफिले छोटे कर ईंधन बचाने का संदेश दे रहे हैं। उन्होंने लोगों से सोने की खरीद में भी संयम बरतने की अपील की।

समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव के साइकिल से बेहतर क्या वाले बयान पर पलटवार करते हुए जयवीर सिंह ने कहा कि वर्ष 2012 से 2017 तक प्रदेश में ऐसी ही सोच देखने को मिली थी, लेकिन जनता ने विकास को प्राथमिकता देते हुए उन्हें सत्ता से बाहर कर दिया। उन्होंने कहा कि आज देश विकसित भारत की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है और जनता विकास चाहती है। नीट परीक्षा पेपर लीक मामले पर मंत्री ने गहरी चिंता जताई। एक छात्र की आत्महत्या पर दुख व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि बच्चों के भविष्य की चिंता करना सरकार और समाज दोनों की जिम्मेदारी है। उन्होंने बताया कि परीक्षा की नई तिथि घोषित की जा चुकी है और छात्रों को नजदीकी परीक्षा केंद्र उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है, ताकि उन पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ न पड़े।

मंत्री ने कहा कि पेपर लीक जैसे मामलों की पुनरावृत्ति रोकने के लिए सरकार सख्त कदम उठा रही है। मामले की जांच सीबीआई द्वारा तेजी से की जा रही है और कई गिरफ्तारियां भी हो चुकी हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जांच में चाहे कितना भी बड़ा व्यक्ति सामने आए, दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। महंगाई और पेट्रोल-डीजल के बढ़ते दामों पर विपक्ष के सवालों का जवाब देते हुए मंत्री ने कहा कि पहले हर घर में टूटी साइकिल होती थी, फिर मोटरसाइकिल आई और अब एक परिवार में कई वाहन दिखाई देते हैं। इससे साफ है कि लोगों का जीवन स्तर लगातार बेहतर हुआ है और देश विकासशील से विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

बीएसएफ जवान की पत्नी 30 घंटे से भूख हड़ताल पर, जमीन बचाने को प्रशासन से लगाई न्याय की गुहार

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। मैनपुरी जिले में एक बीएसएफ जवान की पत्नी अपनी जमीन बचाने के लिए पिछले करीब 30 घंटे से भूख हड़ताल पर बैठी हुई है। महिला का आरोप है कि उसके पति देश की सेवा में त्रिपुरा में तैनात हैं, जबकि इधर गांव में कुछ दबंग लोग उनकी जमीन पर अवैध कब्जा करने में जुटे हैं। कई बार शिकायत करने, न्यायालय के आदेश दिखाने और प्रशासन से गुहार लगाने के बावजूद जब कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो परेशान होकर महिला को भूख हड़ताल का रास्ता अपनाना पड़ा। मामला अब इलाके में चर्चा का विषय बना हुआ है और प्रशासन पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

दन्नाहार थाना क्षेत्र के लालपुर मौजा सथिनी निवासी मधु पत्नी सुरेश चंद्र का कहना है कि उनके पति बीएसएफ में तैनात हैं और वर्तमान में त्रिपुरा में देश सेवा कर रहे हैं। महिला के अनुसार, उनके पति ने वर्ष 2009 में गाटा संख्या 257 की जमीन खरीदी थी। आरोप है कि गांव के ही कोल्ड स्टोर संचालक मनोज कुमार ने उनकी जमीन पर बाउंड्रीवाल और गेट बनाकर कब्जा कर लिया। महिला का कहना है कि जब उनके पति सीमा पर ड्यूटी कर रहे थे, उसी दौरान यह निर्माण कार्य कराया गया। विरोध करने पर मामला एसडीएम न्यायालय तक पहुंचा, जहां पैमाइश भी कराई गई, लेकिन इसके बावजूद कथित कब्जा नहीं हटाया गया। पीड़िता का आरोप है कि न्यायालय से आदेश आने के बाद भी आरोपियों ने दोबारा मिट्टी डालकर जमीन पर कब्जा शुरू कर दिया।

मधु ने पुलिस पर भी सुनवाई न करने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि कई बार शिकायत करने और स्टे ऑर्डर दिखाने के बावजूद निर्माण कार्य नहीं रुकवाया गया। इसी से नाराज होकर महिला पिछले 30 घंटे से भूख हड़ताल पर बैठी हुई है। शुक्रवार को उपजिलाधिकारी (एसडीएम) धरनास्थल पहुंचे और सात दिन के भीतर कार्रवाई का आश्वासन दिया। वहीं शनिवार को महिला सर्किट हाउस पहुंची और पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह से मुलाकात कर न्याय की गुहार लगाई। महिला ने प्रशासन से अवैध कब्जा हटवाने, फर्जी पट्टों की जांच कराने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। इस मामले में एसडीएम सदर अभिषेक कुमार ने बताया कि महिला से जानकारी ली गई है और जांच के बाद उचित कार्रवाई की जाएगी।

99 प्रतिशत अंक लाकर अनामिका चौहान ने मैनपुरी का नाम किया रोशन

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। जनपद की प्रतिभाशाली छात्रा अनामिका चौहान ने बोर्ड परीक्षा में 99 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जिले और प्रदेश का नाम रोशन किया है। उनकी इस शानदार सफलता से न केवल परिवार बल्कि पूरे क्षेत्र में खुशी और गर्व का माहौल है। अनामिका शहर के प्रतिष्ठित बालाजी ग्लोबल एकेडमी की छात्रा हैं। उनकी इस उपलब्धि पर संवेदना फाउंडेशन द्वारा एक भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया, जिसमें उन्हें सम्मानित कर उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी गईं। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने अनामिका की मेहनत, लगन और अनुशासन की जमकर सराहना की। वक्ताओं ने कहा कि आज बेटियां हर क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रही हैं और अनामिका जैसी छात्राएं समाज के लिए प्रेरणा बन रही हैं।

सम्मान समारोह में संवेदना फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष धर्मवीर राठी और प्रदेश अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह यादव ने अनामिका चौहान को पगड़ी पहनाकर तथा स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि कठिन परिश्रम और दृढ़ लक्ष्य के बल पर कोई भी छात्र बड़ी सफलता हासिल कर सकता है। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने छात्रा की उपलब्धि को पूरे जिले के लिए गौरव का विषय बताया। अनामिका चौहान ग्राम परौखा की निवासी हैं और राजवीर सिंह चौहान की पुत्री हैं। उनकी सफलता से गांव और परिवार में उत्सव जैसा माहौल बना हुआ है। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने अनामिका को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। अनामिका की बहन आस्था चौहान ने भी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि अनामिका शुरू से ही पढ़ाई को लेकर गंभीर रही हैं और उनकी मेहनत का ही परिणाम है कि उन्होंने इतने शानदार अंक प्राप्त किए। इस अवसर पर राजवीर सिंह चौहान, प्रोफेसर जसवंत सिंह चौहान, अशोक सिंह चौहान और सूबेदार राहुल चौहान सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में छात्र-छात्राओं को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने और मेहनत के दम पर अपने लक्ष्य हासिल करने का संदेश दिया गया।

मैनपुरी में पीएम मोदी पर कथित टिप्पणी को लेकर भाजपा महिला मोर्चा का प्रदर्शन

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। समाजवादी पार्टी के सांसद अजेन्द्र सिंह लोधी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर की गई कथित अभद्र टिप्पणी को लेकर शुक्रवार को भाजपा महिला मोर्चा और महिला कार्यकताओं ने कलेक्ट्रेट परिसर में जोरदार प्रदर्शन किया। भाजपा जिलाध्यक्ष ममता राजपूत के नेतृत्व में बड़ी संख्या में महिलाओं ने विरोध प्रदर्शन करते हुए सपा सांसद के बयान की कड़ी निंदा की। प्रदर्शन के दौरान कार्यकताओं ने नारेबाजी कर अपना आक्रोश जताया और राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारियों को सौंपा। भाजपा नेताओं ने इस बयान को प्रधानमंत्री पद की गरिमा और देश की महिलाओं के सम्मान के खिलाफ बताते हुए सपा सांसद से सार्वजनिक माफी की मांग की।

प्रदर्शन के दौरान पूरा कलेक्ट्रेट परिसर नारों से गूंज उठा। महिला कार्यकताओं ने हाथों में बैनर और पोस्टर लेकर अखिलेश यादव शर्म करो और प्रधानमंत्री का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान जैसे नारे लगाए। प्रदर्शन में शामिल महिलाओं ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री के खिलाफ इस प्रकार की टिप्पणी न केवल राजनीतिक मयार्दा का उल्लंघन है, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों के भी विपरीत है।भाजपा जिलाध्यक्ष ममता राजपूत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशहित में पेट्रोल और डीजल की बचत की अपील की थी, लेकिन सपा सांसद ने उस पर अभद्र टिप्पणी कर अपनी मानसिकता उजागर कर दी। उन्होंने आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी हमेशा महिलाओं और राष्ट्रहित के मुद्दों पर गलत सोच रखती है। ममता राहै। महिला आरक्षण बिल का मुद्दा उठाते हुए कहा कि विपक्ष ने संसद में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने वाले बिल का विरोध किया था। उनके अनुसार, विपक्ष महिलाओं को केवल वोट बैंक के रूप में देखता है, लेकिन जब अधिकार देने की बात आती है तो विरोध शुरू हो जाता है।उन्होंने समाजवादी पार्टी के पुराने विवादित बयानों का भी जिक्र किया। उन्होंने मुलायम सिंह यादव के चर्चित बयान लड़कों से गलती हो जाती है और पूर्व दर्जा प्राप्त मंत्री तोताराम यादव के बयान का हवाला देते हुए कहा कि ऐसी टिप्पणियां समाजवादी पार्टी की सोच को दशार्ती हैं। भाजपा महिला मोर्चा ने मांग की कि सपा सांसद अजेन्द्र सिंह लोधी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और देश की महिलाओं से सार्वजनिक रूप से माफी मांगें।

दो दिन में 5 डिग्री चढ़ा पारा आज से लू चलने की चेतावनी

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। जिले में भीषण गर्मी का प्रकोप जारी है, जहां पिछले दो दिनों में अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस से बढ़कर 42 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। मौसम विभाग ने आज से लू चलने की चेतावनी जारी की है, जिसके कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। शनिवार को दिनभर तेज धूप के कारण सड़कों पर लोगों की आवाजाही कम रही। गर्मी के बढ़ते तेवर से आम जनजीवन बेहाल है, इससे दैनिक कार्यों और स्कूल से लौटते बच्चों को भी परेशानी हो रही है। रातें भी गर्म हो रही हैं, न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। जिला प्रशासन पहले ही लू और गर्मी से बचाव के लिए दिशानिर्देश जारी कर चुका है। इस वर्ष मानसून 25 जून से जिले में दस्तक दे सकता है।

मैनपुरी में किसानों ने बैलगाड़ियों से कलेक्ट्रेट पहुंचकर आलू के दाम बढ़ाने की मांग की

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। मैनपुरी में भारतीय किसान यूनियन अराजनीतिक के बैनर तले किसानों ने अपनी विभिन्न समस्याओं को लेकर अनोखा और जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदेश अध्यक्ष हरि नाम वर्मा के नेतृत्व में सैकड़ों किसान बैलगाड़ियों पर सवार होकर टिकोनिया पार्क से कलेक्ट्रेट पहुंचे और जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शन के दौरान किसानों ने गले में आलू की माला पहनकर आलू के गिरते दामों के खिलाफ नारेबाजी की।

किसानों का कहना था कि इस बार आलू की पैदावार तो अच्छी हुई है, लेकिन उन्हें उनकी लागत के मुताबिक उचित मूल्य नहीं मिल पा रहा है, जिससे किसान आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। किसानों ने बताया कि पहले आगरा और अलीगढ़ मंडल से आलू का निर्यात खाड़ी देशों तक होता था, लेकिन ईरान और इजरायल के बीच चल रहे युद्ध के कारण निर्यात प्रभावित हुआ है। इसका सीधा असर आलू की मांग पर पड़ा है और बाजार में दाम लगातार गिरते जा रहे हैं। किसानों का कहना है कि हालात इतने खराब हो चुके हैं कि आलू बेचने के बाद किराया और भाड़ा निकालना भी मुश्किल हो रहा है।प्रदर्शन में शामिल किसानों ने प्रधानमंत्री द्वारा डीजल और पेट्रोल बचाने की अपील का समर्थन करते हुए बैलगाड़ियों से प्रदर्शन किया। किसानों ने कहा कि यदि एक वाहन से काम चल सकता है तो लोगों को अनावश्यक ईंधन खर्च नहीं करना चाहिए। इसी संदेश को गांव-गांव तक पहुंचाने के उद्देश्य से किसान बैलगाड़ियों पर सवार होकर प्रदर्शन करने निकले थे।

कलेक्ट्रेट पहुंचकर किसानों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा, जिसमें आलू और गन्ना किसानों की समस्याओं सहित कई प्रमुख मांगें रखी गईं। किसानों ने मांग की कि आलू का सरकारी खरीद मूल्य 6500 रुपये से बढ़ाकर 15000 रुपये प्रति यूनिट किया जाए और कोल्ड स्टोरेज के बढ़ते किराए पर नियंत्रण लगाया जाए।इसके अलावा अतिवृष्टि और ओलावृष्टि से प्रभावित किसानों को मुआवजा देने, दोबारा सर्वे कराने और गलत रिपोर्ट लगाने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग भी उठाई गई। किसानों ने ग्रामीण क्षेत्रों में सिंचाई के लिए नियमित बिजली आपूर्ति, जर्जर तार और खराब ट्रांसफार्मर बदलने तथा नहरों और सरकारी ट्यूबवेलों को चालू कराने की मांग की।

सेवा में कमी पर बैंक पीड़ित को देगी 13 हजार रुपये मुआवजा

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। सेवा में कमी साबित होने पर पंजाब नेशनल बैंक पीड़ित को 13000 रुपये देगी। यह धनराशि 45 दिन के अंदर आयोग के खाते में जमा करनी होगी। पीड़ित की याचिका की सुनवाई करने के बाद यह आदेश जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग ने बैंक के शाखा प्रबंधक और मंडलीय प्रबंधक को दिया है।

थाना दन्नाहार के गांव बटरौली के रहने वाले किसान बुद्धिपाल सिंह ने एक मार्च 2005 को केसीसी से पंजाब नेशनल बैंक की मुख्य शाखा क्लबघर से 50 हजार रुपये का लोन लिया था। बैंक में खेती संबंधी अभिलेख जमा किए थे। वर्ष 2017 में भाजपा सरकार ने फसली ऋण मोचन योजना के तहत लघु सीमांत किसानों के एक लाख तक के लोन माफ कर दिए। इस संबंध में कृषि निदेशक ने पत्र जारी करके जिलाधिकारी को आदेश का पालन कराने के निर्देश दिए थे।

पीड़ित ने 13 सितंबर 2022 को जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग में याचिका दायर की। याचिका में बताया कि सरकार के लोन माफ करने के बाद भी बैंक के शाखा प्रबंधक वसूली का दबाव बना रहे हैं। बैंक कर्मी भी उसका उत्पीड़न कर रहे हैं। उसने जब बैंक के मंडल कार्यालय आगरा में शिकायत की तो भी कार्रवाई तो दूर सुनवाई तक नहीं की गई। याचिका की सुनवाई आयोग के अध्यक्ष शशिभूषण पांडेय, सदस्य नीतिका दास, नंदकुमार ने की। प्रमाणों के आधार पर आयोग ने आदेश दिया कि सेवा में कमी साबित होने पर पंजाब नेशनल बैंक के शाखा प्रबंधक पीड़ित किसान को 13000 रुपये मुआवजा के रूप में देंगे। इस धनराशि में 8000 रुपये मानसिक कष्ट तथा 5000 रुपये वाद व्यय के शामिल हैं। मुआवजे की धनराशि 45 दिन के अंदर आयोग के खाते में जमा करनी होगी। आयोग ने बैंक प्रबंधक को आदेश दिया है कि किसान से कोई वसूली नहीं की जाएगी।

सिटी मजिस्ट्रेट और सहायक निदेशक सूचना साइकिल से ऑफिस पहुंचे

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। पीएम नरेंद्र मोदी के ईंधन संरक्षण की अपील का असर जनप्रतिनिधियों, यूनिवर्सिटी वीसी-रजिस्ट्रार के बाद प्रशासनिक अधिकारियों पर भी दिखना शुरू हो गया है। अलीगढ़ के सिटी मजिस्ट्रेट साइकिल से अपने ऑफिस पहुंचे।

डीएम अविनाश कुमार के निदेर्शों के अनुरूप शनिवार को सिटी मजिस्ट्रेट अतुल गुप्ता साइकिल से कलक्ट्रेट कार्यालय पहुंचे। दो अन्य पुलिस कर्मी भी साइकिल पर उनके दायें-बायें चलते दिखाई दिये। तो वही सहायक निदेशक सूचना संदीप कुमार शनिवार को साइकिल से कलक्ट्रेट पहुंचे। उन्होंने प्रदेश सरकार के ईंधन संरक्षण और पर्यावरण बचाओ अभियान के तहत लोगों को ईंधन बचाने और पर्यावरण सुरक्षित रखने का संदेश दिया। यह पहल जनआंदोलन बनाने की दिशा में प्रशासनिक अधिकारियों के प्रयासों का हिस्सा है। उन्होने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ईंधन संरक्षण, पर्यावरण सुरक्षा और स्वच्छ जीवनशैली के संदेश को हर नागरिक तक पहुंचाना आवश्यक है। उन्होंने मंडलायुक्त अलीगढ़ संगीता सिंह और जिलाधिकारी अविनाश कुमार की प्रेरणा से यह कदम उठाया। उनका उद्देश्य यह दिखाना था कि छोटी आदतें बड़े बदलाव ला सकती हैं। उन्होंने साइकिल चलाने के लाभ बताए, जिनमें पेट्रोल और डीजल की खपत में कमी, प्रदूषण में गिरावट और बेहतर स्वास्थ्य शामिल हैं। संदीप कुमार ने आम जनता से अपील की कि वे दैनिक जीवन में छोटी दूरी के लिए साइकिल या पैदल चलने को प्राथमिकता दें, यदि संभव हो। कलक्ट्रेट परिसर में सहायक निदेशक की इस पहल की अधिकारियों और कर्मचारियों ने सराहना की। इसे खुद अपनाएं, दूसरों को प्रेरित करेंष की एक सकारात्मक और प्रेरणादायक पहल के रूप में देखा गया।

सड़क हादसे में बुझ गए चार घरों के चिराग, चेयरमैन बीरेंद्र सरोज फौज ने पहुंचकर बांटा परिवारों का दर्द

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कौशाम्बी। मंझनपुर विधानसभा क्षेत्र के धनपरा और मुकीमपुर गांव में हुए दर्दनाक सड़क हादसे ने पूरे इलाके को गमगीन कर दिया। हादसे में चार युवकों आकाश, साहिल, अमन और संजीत की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि कृष गंभीर रूप से घायल हो गया। एक साथ चार युवाओं की असमय मौत से गांवों में मातम पसरा हुआ है और हर आंख नम दिखाई दे रही है।

शनिवार को नगर पालिका परिषद मंझनपुर के अध्यक्ष बीरेंद्र सरोज ह्यफौजीह्ल मृतकों के घर पहुंचे और शोक संतप्त परिवारों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया। इस दौरान माहौल बेहद भावुक रहा। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था। चेयरमैन बीरेंद्र सरोज फौजी ने परिवारों को सांत्वना देते हुए कहा कि इस कठिन समय में वह पूरी तरह उनके साथ खड़े हैं और हरसंभव मदद दिलाने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि इतनी कम उम्र में युवाओं का इस तरह दुनिया छोड़ जाना बेहद पीड़ादायक है। इस दुखद घटना से पूरा क्षेत्र आहत है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से वार्ता कर पीड़ित परिवारों को शासन स्तर से आर्थिक सहायता दिलाने का आश्वासन भी दिया। इस दौरान क्षेत्र के गणमान्य लोग, स्थानीय नागरिक और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। सभी ने दिवंगत युवकों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

छात्रों ने ली नशा मुक्ति की शपथ

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित व्यापक नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत शनिवार को नौरंगीलाल राजकीय इण्टर कॉलेज में एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं को सामूहिक रूप से नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई, जिसमें बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

कार्यक्रम में वक्ताओं द्वारा विद्यार्थियों को अवगत कराया गया कि शराब, गांजा, अफीम, चरस, कफ सिरप, डाइल्यूटर एवं अन्य मादक पदार्थों का सेवन व्यक्ति, परिवार एवं समाज के लिए अत्यंत हानिकारक है। नशे की प्रवृत्ति न केवल शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करती है, बल्कि व्यक्ति को अपराध, पारिवारिक विघटन, आर्थिक संकट एवं सामाजिक अव्यवस्था की ओर भी अग्रसर करती है। विद्यार्थियों को विशेष रूप से जागरूक करते हुए उन्हें ऐसे दुष्प्रभावों से दूर रहने और स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर आबकारी निरीक्षक मनोज कुमार यादव, सुश्री सविता रानी, सुनील कुमार एवं वरुण नायक उपस्थित रहे। विद्यालय प्रशासन के सहयोग से कार्यक्रम का सफलतापूर्वक संचालन किया गया। उपस्थित अधिकारियों द्वारा विद्यार्थियों के संकल्प की सराहना करते हुए उन्हें भविष्य में भी नशा मुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय सहभागिता हेतु प्रेरित किया गया।

राष्ट्रीय डेंगू दिवस पर जागरूकता अभियान, रैली निकाली

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। राष्ट्रीय डेंगू दिवस के अवसर पर जनपद में शनिवार को व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया गया।स्वास्थ्य विभाग ने शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में रैलियां निकालकर लोगों कोडेंगू के प्रति जागरूक किया तथा बचाव संबंधी जानकारी देकर स्वच्छता अपनाने का संदेशदिया।मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 नीरज त्यागी ने मुख्यचिकित्सा अधिकारी कार्यालय में अधिकारियों एवं कर्मचारियों को डेंगू से बचाव कीशपथ दिलाई। इसके बाद डॉ. नीरज त्यागी, एसीएमओ (वीबीडी) डॉ. दिनेश खत्री एवंजिला मलेरिया अधिकारी श्रीमती विनीता मिश्रा ने संयुक्त रूप से जागरूकता रैली को हरीझंडी दिखाकर रवाना किया।

शहरी क्षेत्र में नौरंगीलाल राजकीय इंटर कॉलेज मेंआयोजित कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों और शिक्षकों को डेंगू बुखार केलक्षण, उपचार एवं बचाव के उपायों की विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम में जिला मलेरिया अधिकारी श्रीमतीविनीता मिश्रा, सहायक मलेरिया अधिकारी जितेंद्र वार्ष्णेय, जिला आबकारी अधिकारीमनोज यादव, उप प्रधानाचार्य जितेंद्र कुमार पथरिया, जिला विज्ञान क्लब प्रभारी राजीवअग्रवाल, पीटीआई वरुण प्रकाश शर्मा सहित शिक्षकगण मौजूद रहे। इसी क्रम में जिला मलेरिया अधिकारी एवं नगर निगम की संयुक्त टीम ने नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एमए नगर क्षेत्र के नगला पटवारी में निरोधात्मक अभियान चलाया। टीम ने क्षेत्र में रैली निकालकर लोगों को डेंगू सेबचाव के प्रति जागरूक किया और शपथ दिलाई। इस दौरान नगर स्वास्थ्य अधिकारी रामानंदत्यागी, सहायक मलेरिया अधिकारी जितेंद्र वार्ष्णेय, सफाई निरीक्षक अनिल सिंह एवंचिकित्सा अधिकारी डॉ. मुजम्मिल सहित स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। ग्रामीण क्षेत्र में ब्लॉक जवां सिकंदरपुर के गतवर्ष चिन्हित संवेदनशील ग्राम रठगांव में भी विशेष जागरूकता कार्यक्रमआयोजित किया गया। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने ग्रामीणों को डेंगू के लक्षण, उपचारएवं बचाव के उपायों की जानकारी दी तथा ग्रामवासियों और पंचायत कर्मियों केसाथ डेंगू रोकथाम की शपथ ली। कार्यक्रम में ग्राम प्रधान डॉ0 उमर मोहम्मद अहमद, पंचायत सचिव पुष्पेंद्र चौधरी, आशा कार्यकर्ता एवं ग्रामीणजन मौजूद रहे।

अजीतपुर आसना में बनेगा अत्याधुनिक उपवन

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। नगर निगम अलीगढ़ द्वारा विस्तारित वार्ड संख्या-23 स्थित ग्राम अजीतपुर आसना में लगभग 4 करोड़ रुपये की लागत से उपवन योजना के अंतर्गत आधुनिक उपवन पार्क के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया।

शनिवार को महापौर प्रशांत सिंघल एवं नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने विधिवत पूजा-अर्चना एवं भूमि पूजन कर इस विस्तारित वार्ड में उपवन पार्क के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने बताया कि उपवन योजना अंतर्गत लगभग 4 करोड़ की लागत से निर्मित होने वाला यह पार्क आधुनिक सुविधाओं से युक्त होगा जिसमें शहरी वार्डो की जनता के लिए पर्यावरण संरक्षण मनोरंजन स्वास्थ्य एवं जनसुविधाओं का विशेष ध्यान रखा गया है। इस पार्क के निर्माण कार्य को अगले 4 से 65 महीनों में पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। पार्क में प्रवेश द्वार पर मूर्ति सहित जलाशय कमल तालाब पत्थर की मूर्ति सहित मछली तालाब बच्चों के खेल क्षेत्र ओपन जिम तथा नागरिकों के बैठने हेतु सुंदर गजीबो(विश्राम मंडप) एवं बेंच स्थापित किए जाएंगे। पार्क में कंकरीले पत्थरों का पैदल मार्ग रिफ्लेक्शन पथ परगोला एवं सेवा सड़क का निर्माण भी कराया जाएगा। जनसुविधाओं को ध्यान में रखते हुए पुरुष महिला एवं दिव्यांगजन हेतु पृथक शौचालयों की व्यवस्था पार्किंग कूड़ादान, कम्पोस्टर सहित अपशिष्ट प्रबंधन केंद्र विद्युत कक्ष/एमडीबी कक्ष एवं प्रकाश व्यवस्था विकसित की जाएगी। पार्क क्षेत्र में व्यापक पौधरोपण किया जाएगा जिसे 17 जोनों में विभाजित कर तीन वर्षों तक रखरखाव की व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है।

उन्होंने बताया कि पार्क परिसर में प्रशासनिक एवं आगंतुक सेवा भवन टिकट काउंटर गार्ड रूम सीमा दीवार एवं अन्य आधारभूत संरचनाओं का निर्माण भी प्रस्तावित है। पार्क के सभी भवन ब्लॉकों हेतु फर्नीचर विद्युत एवं प्लंबिंग फिटिंग्स की समुचित व्यवस्था की जाएगी। नव विस्तारित वार्ड 23 के अजीतपुर आसना में बनने वाला यह पार्क क्षेत्रवासियों के लिए आकर्षण का केंद्र बनेगा तथा पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

कार्यक्रम में स्थानीय पार्षद नीलम सिंह संजय शर्मा, पशु कल्याण अधिकारी डॉ राजेश वर्मा, सहायक अभियंता राजवीर जेई अमित कुमार स्टेनो देशदीपक मीडिया सहायक अहसान रब एसएफआई बिशन सिंह आदि मौजूद थे।

कार पूलिंग और बेहतर व्यवस्थाओं के साथ संपूर्ण समाधान दिवस बना मिसाल

मोर्निंग सिटी संवाददाता

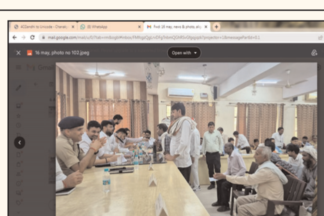

अलीगढ़। जनसमस्याओं के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए शनिवार को जिले की सभी तहसीलों में संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया। खैर तहसील में जिलाधिकारी अविनाश कुमार स्वयं पहुंचे, जहां उनका यह पहला समाधान दिवस होने से फरियादियों में विशेष उत्साह देखने को मिला। तहसील परिसर में इस बार बेहतर व्यवस्थाएं नजर आईं। शिकायत लेकर पहुंचे लोगों को लंबी कतारों में खड़े रहने के बजाय बैठने के लिए कुर्सियों की व्यवस्था की गई, जिससे फरियादियों ने सम्मानजनक माहौल में अपनी समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं। ग्रामीणों ने इस सकारात्मक बदलाव की सराहना की। वहीं ईंधन संरक्षण, पर्यावरण सुरक्षा और संसाधनों के बेहतर उपयोग को बढ़ावा देते हुए जिलास्तरीय अधिकारी कार पूलिंग व्यवस्था अपनाकर समाधान दिवस में पहुंचे। जिलाधिकारी ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि टीम भावना, समन्वय और छोटी सकारात्मक आदतें प्रशासनिक कार्यसंस्कृति को मजबूत करने के साथ विकसित भारत के संकल्प को भी गति देती हैं।

बच्चों के विवाद में मारपीट , महिला सहित दो घायल

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। बरला थाना क्षेत्र के कल्याणपुर रानी गाँव में बच्चों के मामूली विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। इस घटना में लाठी-डंडों और ईंट-पत्थरों से हुई मारपीट में एक महिला सहित दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, गाँव के गोपीचंद पुत्र नन्नू सिंह और जयप्रकाश पुत्र महेंद्र सिंह के बच्चे साथ खेल रहे थे। खेल-खेल में बच्चों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई, जिसने जल्द ही दोनों परिवारों के सदस्यों को विवाद में खींच लिया। इस मारपीट में गोपीचंद के सिर में गंभीर चोट आई। गोपीचंद का आरोप है कि दूसरे पक्ष के जयप्रकाश ने उनके घर में घुसकर चाकू से हमला किया, जिससे वे लहूलुहान हो गए। वहीं, दूसरे पक्ष की जयप्रकाश की पत्नी रेखा ने आरोप लगाया कि गोपीचंद की पत्नी और जेठानी ने उन पर ईंटों से हमला किया, जिससे उनके सिर और सीने में गंभीर चोटें आईं।

विधान सभा की पंचायतीराज समिति की तैयारी के लिए विशेष बैठक 18 मई को

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। विधान सभा की पंचायतीराज समिति की आगामी बैठक की तैयारी के लिए वित्तीय वर्ष 2010-11 से 2023-2024 तक के वार्षिक ऑडिट अधिभार-प्रस्तरों के त्वरित गति से निस्तारण हेतु जिलाधिकारी अविनाश कुमार की अध्यक्षता में 18 मई को अपरान्ह 01 बजे से विकास भवन सभागार में एक विशेष एवं अत्यन्त महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया जाएगा। जिला पंचायत राज अधिकारी यतेन्द्र सिंह ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि बैठक में वित्तीय वर्ष 2010-11 से 2023-2024 तक ग्राम पंचायतों के कुल लम्बित ऑडिट प्रस्तरों की संख्या, विधान सभा की पंचायतीराज समिति द्वारा निस्तारित प्रस्तरों की संख्या, जिला लेखा परीक्षा अधिकारी, जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी की बैठक उपरान्त कुल संतोषजनक प्रस्तरों की संख्या, लम्बित ऑडिट प्रस्तरों के सापेक्ष संतोषजनक या निस्तारित प्रस्तरों का प्रतिशत समेत अन्य बिन्दुओं पर पर ग्राम पंचायतवार एवं विकास खण्डवार विस्तार से चर्चा की जायेगी।

जनता की हर धड़कन में बसता एक नाम – वीरेंद्र सरोज फौजी

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कौशाम्बी जनपद में इन दिनों अगर किसी नाम की सबसे ज्यादा चर्चा हो रही है, तो वह नाम है – वीरेंद्र सरोज फौजी।

एक ऐसा नाम, जिसके साथ ह्लफौजीह्व शब्द जुड़ा है, और यही शब्द उनके व्यक्तित्व की पहचान भी बन चुका है। पहले देश की सीमाओं पर रहकर मातृभूमि की रक्षा की, और अब जनता के बीच रहकर जनसेवा का नया अध्याय लिख रहे हैं।

नगर पालिका परिषद मंझनपुर के अध्यक्ष के रूप में वीरेंद्र सरोज फौजी लगातार जनता के दिलों में अपनी अलग जगह बना रहे हैं। क्षेत्र की जनता उन्हें केवल एक जनप्रतिनिधि नहीं, बल्कि अपने परिवार का सदस्य मानने लगी है। गरीबों की मदद हो, किसी जरूरतमंद बेटी की शादी में सहयोग करना हो, किसी बीमार व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाना हो या किसी पीड़ित परिवार के आंसू पोंछने हों – हर मौके पर वीरेंद्र सरोज फौजी सबसे पहले खड़े दिखाई देते हैं।

क्षेत्र के लोगों का कहना है कि आज के दौर में राजनीति में ऐसे लोग बहुत कम देखने को मिलते हैं, जो बिना किसी भेदभाव के हर वर्ग के लोगों की मदद करें। लेकिन वीरेंद्र सरोज फौजी ने अपने व्यवहार, सरल स्वभाव और संवेदनशील कार्यशैली से यह साबित कर दिया है कि जनप्रतिनिधि वही होता है, जो जनता के सुख-दुख में सच्चे साथी की तरह खड़ा रहे।

नगर क्षेत्र में विकास कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाने के साथ-साथ सामाजिक जिम्मेदारियों को निभाने में भी उनकी सक्रिय भूमिका लगातार देखने को मिल रही है। यही वजह है कि बुजुर्गों का आशीर्वाद, युवाओं का विश्वास और गरीबों की दुआएं आज उनके साथ खड़ी दिखाई देती हैं।

जनता के बीच उनकी बढ़ती लोकप्रियता इस बात का प्रमाण है कि सच्ची सेवा और संवेदनशीलता कभी छुपती नहीं। वीरेंद्र सरोज फौजी आज कौशाम्बी में एक ऐसे जनसेवक के रूप में उभर रहे हैं, जो हर चेहरे की मुस्कान और हर जरूरतमंद की उम्मीद बन चुके हैं।

ह्लहर गली-चौराहे पर पुलिस का पहराह्व, पश्चिम शरीरा में थानाध्यक्ष बैकुंठनाथ पाण्डेय की पैदल गश्त से बढ़ा सुरक्षा का भरोसा

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कौशाम्बी। पश्चिम शरीरा कस्बे में शनिवार शाम पुलिस की सक्रियता उस समय चर्चा का विषय बन गई, जब थाना प्रभारी बैकुंठनाथ पाण्डेय खुद पुलिस टीम के साथ पैदल गश्त पर निकल पड़े। बाजार की भीड़भाड़ वाली गलियों से लेकर प्रमुख चौराहों तक चली इस सघन गश्त ने साफ संकेत दे दिया कि पश्चिम शरीरा पुलिस अब अपराध और अव्यवस्था के खिलाफ पूरी तरह सतर्क और एक्शन मोड में है। गश्त के दौरान थानाध्यक्ष बैकुंठनाथ पाण्डेय ने दुकानदारों, व्यापारियों और राहगीरों से बातचीत कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। पुलिस टीम ने संवेदनशील स्थानों पर रुककर संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ की तथा बिना कारण घूम रहे युवकों को सख्त हिदायत दी। अचानक बढ़ी पुलिस सक्रियता से आम नागरिकों ने राहत महसूस की, वहीं असामाजिक तत्वों में हड़कंप मचा रहा। थाना प्रभारी ने कहा कि कस्बे की शांति व्यवस्था बिगाड़ने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि रात में होने वाली संदिग्ध गतिविधियों, अवैध कारोबार और अराजकता फैलाने वालों पर पुलिस की लगातार नजर बनी हुई है और किसी को भी कानून व्यवस्था से खिलवाड़ नहीं करने दिया जाएगा। स्थानीय लोगों का कहना है कि लंबे समय बाद कस्बे में पुलिस की इतनी सक्रिय और प्रभावी मौजूदगी देखने को मिल रही है। पैदल गश्त से लोगों में सुरक्षा की भावना मजबूत हुई है और यह संदेश भी गया है कि पश्चिम शरीरा पुलिस हर गली और हर चौराहे पर पूरी मुस्तैदी के साथ तैनात है।

बिजली चोरी मामले में वांछित आरोपी गिरफ्तार

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कौशाम्बी। कौशाम्बी पुलिस अधीक्षक कौशांबी सत्यनारायण प्रजापत के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना संदीपनघाट पुलिस ने बिजली चोरी के मामले में वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार यशवंत सिंह नामक आरोपी विद्युत अधिनियम से संबंधित मामले में लंबे समय से वांछित चल रहा था। थाना संदीपनघाट पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने विधिक कार्रवाई पूरी कर अभियुक्त को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया।

सड़क सुरक्षा को लेकर कौशाम्बी पुलिस सख्त, एसपी सत्यनारायण के निर्देशन में चला व्यापक जागरूकता अभियान

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कौशाम्बी। पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी सत्यनारायण के निर्देशन में जनपद भर में संचालित 15 दिवसीय विशेष सड़क सुरक्षा एवं यातायात जागरूकता अभियान के तहत शनिवार को व्यापक स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया। अभियान के दौरान यातायात पुलिस एवं जनपद के सभी थानों की पुलिस टीमों ने अपने-अपने क्षेत्रों में वाहन चालकों और आमजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया।सी क्रम में क्षेत्राधिकारी मंझनपुर शिवांक सिंह ने प्रभारी निरीक्षक मंझनपुर एवं पुलिस टीम के साथ ओसा चौराहा क्षेत्र में सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों को रोककर उन्हें नियमों की जानकारी दी गई और भविष्य में नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया गया। पुलिस अधिकारियों ने लोगों को सड़क सुरक्षा के महत्व के बारे में बताते हुए दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट तथा चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट के प्रयोग को अनिवार्य बताया। साथ ही वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग न करने, नशे की हालत में वाहन न चलाने और निर्धारित गति सीमा का पालन करने की अपील की गई। अभियान के दौरान लोगों को गलत दिशा में वाहन न चलाने, ओवरलोडिंग से बचने, सड़क पार करते समय सावधानी बरतने तथा एंबुलेंस व अन्य आपातकालीन वाहनों को प्राथमिकता देने के प्रति भी जागरूक किया गया। पुलिस टीम ने उपस्थित लोगों को यातायात नियमों के पालन की शपथ भी दिलाई। कौशाम्बी पुलिस ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि यातायात नियमों का पालन कर न केवल अपनी बल्कि दूसरों की सुरक्षा भी सुनिश्चित करें।

छोटी खबरें

हाथरस में 10 के पोस्टल ऑर्डर गायब, RTI कानून को पंगु बनाने की साजिश का आरोप

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। हाथरस जिले के मुख्य डाकघर सहित सभी उप-डाकघरों में ?10 के भारतीय पोस्टल ऑर्डर की लगातार कमी को लेकर सूचना का अधिकार कार्यकर्ता एसोसिएशन ने डाक विभाग के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। एसोसिएशन ने इसे सामान्य प्रशासनिक लापरवाही नहीं बल्कि सूचना का अधिकार (फ़्क) कानून को कमजोर करने की सुनियोजित साजिश करार दिया है। इस संबंध में प्रवर अधीक्षक डाकघर अलीगढ़ मंडल और पोस्टमास्टर जनरल आगरा क्षेत्र को सख्त चेतावनी पत्र भेजा गया है।एसोसिएशन का कहना है कि आरटीआई आवेदन शुल्क जमा करने के लिए ?10 का पोस्टल ऑर्डर अनिवार्य होता है, लेकिन हाथरस जिले के डाकघरों में महीनों से इसका स्टॉक उपलब्ध नहीं कराया जा रहा। हर बार ह्लस्टॉक खत्म हैह्व कहकर नागरिकों और आरटीआई कार्यकर्ताओं को वापस भेज दिया जाता है। आरोप लगाया गया कि इससे आम नागरिक सरकारी विभागों से जानकारी मांगने और भ्रष्टाचार उजागर करने से वंचित हो रहे हैं।सूचना का अधिकार कार्यकर्ता एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष राजीव वार्ष्णेय ने कहा कि ?10 के पोस्टल ऑर्डर की कृत्रिम कमी भ्रष्टाचार को संरक्षण देने का माध्यम बन चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ भ्रष्ट तत्वों की मिलीभगत से आरटीआई व्यवस्था को बाधित किया जा रहा है। वहीं जिला महामंत्री राजेंद्र वार्ष्णेय ने कहा कि जनता को ?10 के स्थान पर ?20 और ?50 के पोस्टल ऑर्डर खरीदने के लिए मजबूर करना आर्थिक शोषण है।

शनि अमावस्या पर धूमधाम से निकली भगवान शनिदेव की भव्य शोभायात्रा

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। नगर में शनि अमावस्या के पावन पर्व पर कस्बा मे भगवान शनिदेव की भव्य शोभायात्रा बडे ही हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ निकाली गई। शोभायात्रा में श्रद्धालु द्वारा भगवान शनिदेव के जय उद्घोश से पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। शनिवार को निकाली गई शोभायात्रा का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद निर्देश चंद वार्ष्णेय, सुनील कुमार वार्ष्णेय, राकेश गुप्ता, कमल वार्ष्णेय, और सुरेंद्र वार्ष्णेय, द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर किया गया। अतिथियों ने भगवान शनिदेव की आरती उतारकर नगर की सुख-समृद्धि की कामना की। शोभायात्रा नगर के विभिन्न मुख्य बाजारों और मार्गों से होकर गुजरी। यात्रा में शामिल मनमोहक झांकियां और भगवान शनिदेव के जयकारों से माहौल शनिभक्तियम हो गया। शोभायात्रा का मार्ग में जगह-जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया और भगवान का आशीर्वाद लिया। नगर भ्रमण के बाद शोभायात्रा का समापन स्थानीय शनि मंदिर पर जाकर हुआ, जहां महाआरती और विशेष पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद भक्तों में प्रसाद वितरण किया गया। इस पावन अवसर पर दाऊ दयाल शनिदेव, के अलावा भारी संख्या में स्थानीय भक्तगण, महिला-पुरुष और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। सभी ने पूरी श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ इस भव्य आयोजन पुण्यलाभ अर्जित किया।

स्वजनगणना 2027 के लिए जीएसटी विभाग ने लगाया शिविर

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। स्वजनगणना 2027 के प्रथम चरण के सूचीकरण कार्य के अंतर्गत जीएसटी विभाग द्वारा शनिवार को आरआर सिनेमा (माया टॉकीज) ढकपुरा रोड पर स्वजनगणना शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ प्रातः 10 :30 बजे हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता जीएसटी उपायुक्त आरके सिंह ने की।इस अवसर पर जनपदवासियों, विशेषकर उद्योगपतियों, व्यापारियों, सामाजिक बुद्धिजीवियों एवं आमजन से अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता सुनिश्चित करने की अपील की गई। अधिकारियों ने बताया कि देश के विकास, संसाधनों के समुचित वितरण तथा जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए स्वजनगणना की प्रक्रिया अत्यंत महत्वपूर्ण है।आरके सिंह ने नागरिकों से आग्रह किया कि वे निर्धारित अवधि में स्वयं, अपने परिवार तथा परिचितों का ऑनलाइन अथवा शिविर के माध्यम से पंजीकरण कराकर सरकार की योजनाओं को सफल बनाने में योगदान दें।शिविर की व्यवस्था में जीएसटी अधिकारी नीरज कुमार, आशीष यादव, कमलेश कुमारी, वरिष्ठ सहायक सुरेन्द्र कुमार, मयूर अग्रवाल, जगदीश प्रसाद एवं आशीष शर्मा का सहयोग सराहनीय रहा।कार्यक्रम में फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल ने भी अपना स्वजनगणना पंजीकरण कराया।

पुत्री शादी अनुदान योजना समिति की बैठक 19 मई को

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। जिला समाज कल्याण अधिकारी ने बताया कि अनुसूचित जाति, जनजाति एवं सामान्य वर्ग के गरीब व्यक्तियों की पुत्री शादी अनुदान योजना के अंतर्गत जनपद स्तरीय अनुश्रवण एवं स्वीकृत समिति की बैठक 19 मई को पूर्वाह्न 11 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित होगी। बैठक की अध्यक्षता जिलाधिकारी अतुल वत्स करेंगे। जिला समाज कल्याण अधिकारी ने समिति के सदस्यों से समय से उपस्थित होकर आवश्यक सहयोग देने की अपील की है।

पीडीएस प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन, प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के मेरा युवा भारत हाथरस तथा जिला पूर्ति विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन किया गया। 11 से 15 मई तक चले इस प्रशिक्षण में युवाओं को सार्वजनिक वितरण प्रणाली की कार्यप्रणाली एवं जमीनी हकीकत से अवगत कराया गया।प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को किसान पंजीकरण, क्रय-विक्रय, गुणवत्ता जांच, भंडारण, राशन वितरण प्रक्रिया, पात्र लाभार्थियों की पहचान, पारदर्शिता तंत्र एवं निरीक्षण व्यवस्था की जानकारी दी गई। समापन अवसर पर जिला पूर्ति अधिकारी ध्रुवराज यादव ने प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए। जिला युवा अधिकारी मनीष कुमार ने युवाओं को अपने अनुभवों का उपयोग समाजहित में करने के लिए प्रेरित किया।

रोजगार संगम पोर्टल से युवाओं को विदेश में नौकरी का मौका

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। जिला सेवायोजन अधिकारी ने बताया कि रोजगार संगम पोर्टल के माध्यम से अब युवाओं को विदेशों में रोजगार पाने का अवसर मिल रहा है। सेवायोजन विभाग द्वारा सऊदी अरब और जर्मनी में विभिन्न पदों पर भर्ती के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं।सऊदी अरब में फेब्रीकेशन सुपरवाइजर, मैकेनिकल हेल्पर, सीएस वेल्डर, पाइप फेब्रीकेटर, स्ट्रक्चरल फेब्रीकेटर, मैकेनिकल टेक्नीशियन और मैकेनिकल फिटर समेत कई पदों पर भर्ती की जा रही है। वहीं जर्मनी में नर्स के पदों पर भर्ती के लिए बीएससी नर्सिंग या जीएनएम योग्यता मांगी गई है। फ्रेशर और अनुभवी दोनों अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं। आयु सीमा 20 से 35 वर्ष निर्धारित की गई है तथा वेतन लगभग 2.25 लाख रुपये प्रतिमाह बताया गया है।अभ्यर्थियों के लिए अंग्रेजी के साथ संबंधित देश की भाषा का ज्ञान आवश्यक है। जर्मनी के लिए जर्मन भाषा का बी-2 स्तर अनिवार्य रखा गया है। प्रभारी जिला सेवायोजन अधिकारी ने बताया कि आवेदन में किसी प्रकार की समस्या होने पर अभ्यर्थी सेवायोजन कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना के लिए आवेदन आमंत्रित

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। उपायुक्त उद्योग अजलेश कुमार ने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को बढ़ावा देने तथा रोजगार सृजन के उद्देश्य से मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना संचालित की जा रही है। योजना के अंतर्गत 5 लाख रुपये तक का ऋण उपलब्ध कराया जाता है।उन्होंने बताया कि योजना के तहत ट्रैक्टर चलित मोबाइल एग्रो प्रोसेसिंग यूनिट, आटा चक्की, ऑयल मिल, राइस मिल, ट्रैक्टर ट्रेलर एवं ट्रैक्टर लोडर के लिए लाभार्थियों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। योजना के लिए आवेदक का उत्तर प्रदेश का निवासी होना, आयु 21 से 40 वर्ष तथा न्यूनतम शैक्षिक योग्यता आठवीं उत्तीर्ण होना आवश्यक है। इंटरमीडिएट उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को वरीयता दी जाएगी।उपायुक्त उद्योग ने बताया कि योजना से संबंधित अधिक जानकारी के लिए जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केंद्र, रावत कॉलोनी, हाथरस में संपर्क किया जा सकता है।

दो बाईकों की हुई भिड़ंत में दो घायल एक अलीगढ़ रेफर

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। गांव नगला ताल के निकट दो बाइकों आपस में आमने-सामने से टकरा गईं। जिसमें दोनों बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए, उनकी बाइकें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। जिसमें एक घायल को उपचार के लिए अलीगढ रेफर किया गया है।

शनिवार को मिली जानकारी क अनुसार गांव अकबरपुर निवासी गजेंद्र पुत्र राजेंद्र, जो टेलरिंग का काम करता है। वह किसी काम से सासनी आया था। और काम समाप्त करने के बाद अपने गांव वापस जा रहा था। उधर एक युवक अपनी बाइक से सासनी की ओर से आ रहा था। बताते हैं कि जैसे ही दोनों वाइकें गांव नगला ताल स्थित गीतांजली स्कूल के पास पहुंची तो आमने सामने से टकरा गईं, जिससे बाइक सवार सडक पर गिरकर घायल हो गये और बाइकें क्षतिग्रसत हो गई। घटना की जानकारी होने पर राहगीरों और ग्रामीणों की भीड जुट गई, सूचना पाकर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने लोगों की मदद से घायलों को ऐंबुलेंस द्वारा उपचार के लिए सीएचसी भिजवाया। जहां गजेन्द्र की हालत गंभीर होने पर उसे अलीगढ रेफर कर दिया गया। समाचार लिखे जाने तक घटना की कोई रिपोर्ट दर्ज नहीं हुई थी।

सोशल मीडिया पर हथियारों का प्रदर्शन बना चर्चा का विषय

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। जनपद में सोशल मीडिया पर हथियारों के प्रदर्शन का मामला पूरे दिन चर्चा में रहा। सदर कोतवाली क्षेत्र से जुड़े एक युवक द्वारा तमंचा, पिस्टल और बंदूक जैसे हथियारों के साथ बनाई गई रील और तस्वीरें तेजी से वायरल हुईं। युवक ह्यब्रांडेड बनियाह्ल नाम की इंस्टाग्राम आईडी से लगातार वीडियो और फोटो साझा कर रहा था, जिसमें वह आक्रामक अंदाज में दिखाई दे रहा है।वायरल सामग्री सामने आने के बाद लोगों में चिंता का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सोशल मीडिया पर इस तरह हथियारों का प्रदर्शन युवाओं को गलत दिशा में ले जा सकता है और अपराध को बढ़ावा दे सकता है। मामले का संज्ञान लेते हुए सदर कोतवाली पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार वायरल फोटो और वीडियो की सत्यता की जांच की जा रही है तथा युवक की पहचान होने पर शस्त्र अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने अभिभावकों से बच्चों की सोशल मीडिया गतिविधियों पर नजर रखने की अपील की है।सोशल मीडिया पर हथियारों का प्रदर्शन बना चर्चा का विषय हाथरस। जनपद में सोशल मीडिया पर हथियारों के प्रदर्शन का मामला पूरे दिन चर्चा में रहा। सदर कोतवाली क्षेत्र से जुड़े एक युवक द्वारा तमंचा, पिस्टल और बंदूक जैसे हथियारों के साथ बनाई गई रील और तस्वीरें तेजी से वायरल हुईं। युवक ह्यब्रांडेड बनियाह्ल नाम की इंस्टाग्राम आईडी से लगातार वीडियो और फोटो साझा कर रहा था, जिसमें वह आक्रामक अंदाज में दिखाई दे रहा है।वायरल सामग्री सामने आने के बाद लोगों में चिंता का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सोशल मीडिया पर इस तरह हथियारों का प्रदर्शन युवाओं को गलत दिशा में ले जा सकता है और अपराध को बढ़ावा दे सकता है। मामले का संज्ञान लेते हुए सदर कोतवाली पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार वायरल फोटो और वीडियो की सत्यता की जांच की जा रही है तथा युवक की पहचान होने पर शस्त्र अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने अभिभावकों से बच्चों की सोशल मीडिया गतिविधियों पर नजर रखने की अपील की है।

भव्य कलश शोभायात्रा के साथ श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। गांव नया नगला में कुशवाहा कला मंच द्वारा अत्यंत भव्यता और हर्षोल्लास के साथ कलश यात्रा के साथ श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ किया गया। मंगल यात्रा में सैकड़ों की संख्या में पीत वस्त्र धारण किए महिलाओं और श्रद्धालुओं ने सहभागिता की।

शनिवार को निकाली गई कलश शोभायात्रा के दौरान पूरा गांव भक्तिमय माहौल में सराबोर हो गया। बैंड-बाजों की मधुर धार्मिक धुनों और ठाकुर जी के जयकारों से वातावरण गूंज उठा। पूरे गांव में भ्रमण के बाद शोभायात्रा का समापन कथापांडाल में हुआ। जहां कथा व्यास शास्त्री अशोक चेतन महाराज ने विधिविधान से पूजन अर्चना कराते हुए प्रथम दिन महाराज श्री ने भागवत महात्म्य का वर्णन करते हुए गोकर्ण और धुंधकारी की कथा सुनाई। उन्होंने बताया कि किस प्रकार कुसंगति के कारण धुंधकारी प्रेत योनि में चला गया और श्रीमद् भागवत कथा के श्रवण मात्र से उसका उद्धार हुआ। महाराज ने कहा कि भागवत कथा साक्षात भगवान का रूप है, जो मनुष्य के जीवन को अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाती है। धार्मिक अनुष्ठान को संपन्न कराने में मुख्य रूप से यज्ञपति करण सिंह मिस्त्री और परीक्षित बृजमोहन ठेकेदार ने मुख्य भूमिका निभाई। इस अवसर पर प्रमुख समाजसेवी प्रवीण धनगर सहित सैकड़ों की संख्या में क्षेत्रीय भक्तजन और ग्रामीण मौजूद रहे, जिन्होंने कथा का श्रवण कर पुण्य लाभ कमाया।

मुर्गी फार्म से फैल रही गंदगी और दुर्गंध ग्रामीणों ने की शिकायत

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। ग्राम पंचायत अजरोई की नवीन बस्ती नगला बाग में एक मुर्गी फार्म से गंदगी और दुर्गंध फैल रही है जिससे ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड रहा है। जिसकी शिकायत ग्रामीणों ने एसडीएम नीरज शर्मा से करते हुए तत्काल सख्त कार्रवाई की मांग की है।

शनिवार को एसडीएम से शिकायत करते हुए ग्राम पंचायत सदस्य प्रशांत कुमार ने कहा है कि यह मुर्गी फार्म बस्ती के मुख्य मार्ग पर स्थित है। यह मार्ग सासनी आने-जाने का प्रमुख सार्वजनिक रास्ता है। फार्म में लगभग बारह हजार मुर्गियां पाली जा रही हैं। आबादी से इतनी कम दूरी पर होने के कारण फार्म से निकलने वाली दुर्गंध, गंदगी और प्रदूषण ने ग्रामीणों का सामान्य जीवन दूभर कर दिया है। शिकायत में कहा है कि इस मार्ग से छोटे बच्चों, महिलाओं, बुजुर्गों और राहगीरों का निकलना भी मुश्किल हो गया है। उन्हें प्रतिदिन जहरीली बदबू, प्रदूषित वातावरण और संक्रमण के खतरे का सामना करना पड़ रहा है। फार्म के आसपास मुर्गियों के अपशिष्ट और गंदगी के बड़े-बड़े ढेर जमा हैं। इन ढेरों के कारण मच्छर, मक्खियां, विषैले कीट और अन्य रोग फैलाने वाले जीव बड़ी संख्या में पनप रहे हैं। इससे क्षेत्र में संक्रामक बीमारियों का खतरा लगातार बढ़ रहा है।

स्वीकृत नाली निर्माण पर अवैध कब्जा रूकवाने की एसडीएम से शिकायत

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। ग्राम पंचायत अजरोई के मजरा लालगढ़ी में एक ग्राम पंचायत की स्वीकृत नाली का निर्माण अवैध कब्जे से परेशान ग्रामीणों ने सासनी तहसील दिवस में उपजिलाधिकारी नीरज शर्मा को प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है।

शनिवार को ग्राम पंचायत सदस्य सुशीला, पूनम, नीतू, शालू और अनीष सहित कई ग्रामीणों ने एक एसडीएम को एक ज्ञापन दिया था जिसमें गांव में क्षेत्र पंचायत सासनी द्वारा एक फुट ओवर नाली स्वीकृत की गई है। यह नाली ग्राम पंचायत की जगह पर है, लेकिन इस पर अवैध कब्जा कर निर्माण किया जा रहा है। ग्रामीणों के अनुसार, नाली का निर्माण न होने से गांव में लगातार जलभराव की स्थिति बनी रहती है। इससे गंदगी और बीमारियों के फैलने का खतरा बढ़ गया है। बारिश के मौसम में यह समस्या और गंभीर हो जाती है। इस संबंध में विकास खंड अधिकारी सुरेंद्र सिंह ने कहा कि मौके पर जाकर समस्या का निस्तारण किया जाएगा। ग्रामीणों ने प्रार्थना पत्र में अवैध कब्जा हटवाकर स्वीकृत नाली का निर्माण शीघ्र कराने की मांग की है।

विधायक ने कन्या इंटर कॉलेज में किया मिनी पुस्तकालय का उद्घाटन

मोर्निंग सिटी संवाददाता

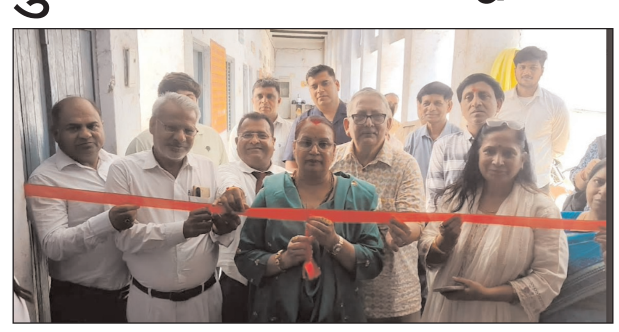

हाथरस। सामुदायिक विकास और शिक्षा के स्तर को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कन्या इंटर कॉलेज में ओम सरला फाउंडेशन ट्रस्ट द्वाराएक मिनी पुस्तकालय स्वरूप, करीब दो सौ बहुउपयोगी एवं ज्ञानवर्धक पुस्तकों से सुसज्जित एक अलमीरा भेंट की है।

शनिवार को मिनी पुस्तकालय का मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद विधायक श्रीमती अंजुला सिंह माहौर, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रेमसिंह कुशवाहा ने फीता काटकर उद्घाटन करते हुए उपस्थित छात्राओं और शिक्षिकाओं को अपने प्रेरणादायी और व्यावहारिक विचारों से लाभान्वित किया। उन्होंने शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि पुस्तकें हमारे जीवन की सबसे अच्छी मित्र होती हैं और यह पुस्तकालय छात्राओं के बौद्धिक विकास में मील का पत्थर साबित होगा। कार्यक्रम में अति विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा जिलाध्यक्ष प्रेम सिंह कुशवाह तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में ओम सरला ट्रस्ट के संस्थापक एवं सीमैक्स इंटरनेशनल कॉलेज के डायरेक्टर अरुण सिंह गरिमामयी रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज प्रबंधक दीपेश भार्गव द्वारा की गई। इस अवसर पर ओम सरला ट्रस्ट फाउंडेशन ने एन.एम.एम.एस. परीक्षा में उत्तीर्ण होने वाली दर्जनभर से अधिक मेधावी छात्राओं को सम्मानित किया गया। हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की बोर्ड परीक्षाओं में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाली छात्राओं को प्रतीक चिह्न भेंट कर उन्हें सम्मान के साथ प्रोत्साहित किया। वहीं विद्यालय के समस्त समर्पित स्टाफ को भी उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत में कॉलेज की प्रधानाचार्य द्वारा मुख्य अतिथि सहित उपस्थित सभी गणमान्य अतिथियों का पुष्प गुच्छ एवं पट्टिकाएं पहनाकर भावभीना स्वागत व अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में समस्त कॉलेज स्टाफ का विशेष सहयोग रहा। इस दौरान संजय सिंह, भोला सिंह, शुभेंदु पाठक, लवली गुप्ता और अविनाश तिवारी सहित तमाम लोग उपस्थित रहे, कार्यक्रम का सफल संचालन ममता शर्मा द्वारा किया गया।

संकल्प दिवस के रूप में मनाई चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत की 15वीं पुण्यतिथि

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। तहसील परिसर में किसान मसीहा चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत की प्रदंह वीं पुण्यतिथि को किसानों ने जल, जंगल, जमीन और पर्यावरण बचाओ के संकल्प दिवस के रूप में मनाया। कार्यक्रम की शुरूआत में हवन-यज्ञ किया गया और उपस्थित लोगों ने चैधरी महेंद्र सिंह टिकैत के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

कार्रक्रम की अध्यक्षता भारतीय किसान यूनियन के प्रदेश उपाध्यक्ष चैधरी मलखान सिंह ने की। संचालन जिला उपाध्यक्ष संजीव कुमार भोला सूर्यवंशी ने किया। पंचायत के दौरान किसानों ने बिजली के स्मार्ट मीटरों को लेकर गहरा आक्रोश व्यक्त किया। किसानों एक राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन एसडीएम नीरज शर्मा को सौंपा। ज्ञापन में किसानों का कहना है कि जब से स्मार्ट मीटर लगाए गए हैं, तब से उपभोक्ताओं का बुरा हाल है और भारी बिलों से जनता त्रस्त है। इस संबंध में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन उप जिलाधिकारी नीरज शर्मा को सौंपा गया।

जनता के हित में इन स्मार्ट मीटरों को तुरंत हटाकर पुराने मीटर वापस लगाए जाएं। यदि ऐसा नहीं किया गया, तो भारतीय किसान यूनियन एक बड़ा आंदोलन शुरू करने के लिए बाध्य होगी, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन और प्रशासन की होगी। इस संकल्प दिवस और पंचायत के दौरान प्रदेश उपाध्यक्ष चैधरी मलखान सिंह, जिला उपाध्यक्ष संजीव कुमार (भोला सूर्यवंशी), सुनील शर्मा, ललित बघेल, गगन ठाकुर, अजीत कुशवाहा, दीपेश चैधरी, कपिल तोमर, नीरज, शशि शर्मा, विमलेश देवी, नीरज देवी, कमलेश देवी, श्यामवती देवी, ललितेश देवी, बवितेश देवी सहित कई अन्य महिलाएं भी उपस्थित रहीं।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार घायल

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। अलीगढ़-आगरा राजमार्ग स्थित गांव सुसायत कलां मोड़ पर अज्ञात वाहन ने बाइक सवार को पीछे से टक्कर मार दी। जिससे युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। घायल को जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

शनिवार को मिली जानकारी के अनुसार गांव रूहेरी निवासी अमित पुत्र लोकेश अपनी बाइक से किसी कार्र हेतु अलीगढ़ गया था, जो काम समाप्त करने के बाद बाइक से ही अलीगढ़ से अपने गांव वापस लौट रहा था, बताते हैं कि जैसे ही वह गांव सुसायत कलां मोड़ के समीप पहुंचा, तभी पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। जिससे बाइक सवार अमित बाइक सहित सड़क पर काफी दूर जा गिरा और गंभीर रूप से घायल हो गया। बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। उधर हादसे के बाद अज्ञात वाहन चालक वाहन सहित मौके से भाग गया। घटना की जानकारी होने पर राहगीरों और खेतों में काम कर रहे किसानों की भीड जुट गई। सूचना पाकर एम्बुलेंस भी मौके पर पहुंच गई। लोगों ने ऐंबुलेंस के जरिए घायल को सासनी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भर्ती कराया। जहां हालत गंभीर होने के कारण चिकित्सकों ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। समाचार लिखे जाने तक घटना की रिपोर्ट दर्ज नहीं हुई थी।

चचेरे भाई के विवाद में बीच-बचाव करने आए युवक को बेरहमी से पीटा

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। गांव जरैया में शुक्रवार की देर रात पारवारिक बात को लेकर झगड रहे दो पक्षों का बीच-बचाव करने आए एक युवक को पीट दिया। जिससे युवक घायल हो गया। घायल का उपचार सीएचसी में कराया है।

शनिवार को मिली जानकारी के अनुसार, जरैया निवासी सुभाष चंद की उनके भतीजे से किसी बात को लेकर कहासुनी हो रही थी। घर में चल रहे इस विवाद को देखकर सुभाष चंद का पुत्र विनीत कुमार वहां पहुंचा और उसने अपने चचेरे भाई द्वारा पिता से किए जा रहे दुर्व्यवहार का विरोध किया। इसी बात से गुस्साए चचेरे भाई ने विनीत की जमकर पिटाई लगा दी। जिससे वह लहूलुहान होकर वहीं गिर पड़ा। घटना के बाद पीड़ित के परिजन घायल विनीत को लेकर तुरंत सासनी थाने पहुंचे और पुलिस को मामले की लिखित तहरीर दी। पुलिस ने घायल युवक को तुरंत सासनी सीएचसी में भर्ती कराया, जहां चिकत्सकों ने द्वारा उसका किया।

तहसील स्तर पर आयोजित समाधान दिवस में अधिकारियों ने सुनी जनसमस्याएं

मोर्निंग सिटी संवाददाता

रसूलाबाद (कानपुर देहात), 16 मईः शनिवार को तहसील रसूलाबाद में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में अधिकारियों ने फरियादियों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं और उनके त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए।

समाधान दिवस में क्षेत्र के विभिन्न गांवों से पहुंचे लोगों ने भूमि विवाद, कब्जा, पेंशन एवं राशन कार्ड से जुड़ी समस्याएं अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत कीं। अधिकारियों ने संबंधित विभागों के कर्मचारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जाए और किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए।

इस दौरान अधिकारियों ने कहा कि राजस्व और पुलिस विभाग आपसी समन्वय बनाकर कार्य करें, जिससे विशेष रूप से भूमि विवादों का शीघ्र समाधान हो सके। साथ ही आवश्यक मामलों में टीम बनाकर मौके पर जांच कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि शासन की मंशा के अनुरूप आमजन की समस्याओं का पारदर्शी एवं निष्पक्ष समाधान किया जाना प्राथमिकता है और इसमें किसी प्रकार की देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

इसी क्रम में अन्य तहसीलों में भी आयोजित समाधान दिवस में संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे और जनसमस्याओं को सुनकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

एक ही गांव में दो लोगों ने खाया जहर, महिला की मौत, युवक की हालत गंभीर

मोर्निंग सिटी संवाददाता

महोबा, 16 मई : श्रीनगर थाना क्षेत्र के एक गांव में संदिग्ध परिस्थितियों में महिला और युवक द्वारा जहरीला पदार्थ खाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। घटना में 35 वर्षीय उर्मिला की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि 27 वर्षीय अशोक की हालत गंभीर बनी हुई है।

जानकारी के अनुसार, पहली घटना अमरचंद के घर की है। जब अमरचंद खेत पर मवेशी चरा रहे थे और ससुर कोर्ट गए हुए थे, उसी दौरान उर्मिला ने घर में रखी सल्फास की गोली खा ली। मृतका की 8 वर्षीय बेटी ने मां की हालत बिगड़ती देख पिता को सूचना दी, जिसके बाद परिजन उसे तत्काल अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन डॉक्टर उसे बचा नहीं सके। जहां पति अमरचंद ने किसी भी प्रकार के घरेलू विवाद से इनकार किया है, वहीं मृतका के मामा सीताराम राजपूत ने ससुराल पक्ष पर मानसिक प्रताड़ना का आरोप लगाया है। इसी गांव में छक्कू के पुत्र अशोक ने भी सल्फास खाकर आत्मघाती कदम उठा लिया। परिजनों के अनुसार, घर में शादी समारोह के दौरान भाभियों द्वारा किए गए मजाक से आहत होकर उसने यह कदम उठाया।

अशोक की हालत गंभीर होने पर उसे प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। जिला अस्पताल के डॉक्टर डॉ. नवीन चौहान ने बताया कि महिला की मौत हो चुकी है, जबकि युवक की हालत नाजुक होने के कारण उसे रेफर किया गया है। पुलिस ने दोनों मामलों को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है। घटना के बाद गांव में दहशत और शोक का माहौल बना हुआ है।

फिरोजपुर गांव में लाखों की चोरी, घर के बाहर सोते रहे परिजन

मोर्निंग सिटी संवाददात

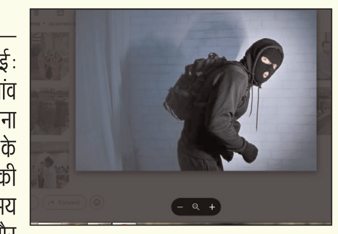

सिकंदरा (कानपुर देहात), 16 मईः ाना सिकंदरा क्षेत्र के फिरोजपुर गांव में देर रात चोरों ने एक घर को निशाना बनाते हुए करीब तीन लाख रुपये के आभूषण एवं 40 हजार रुपये की नकदी पार कर दी। घटना के समय परिजन घर के बाहर सोते रहे और सुबह होने पर चोरी की जानकारी हो सकी। फिरोजपुर गांव निवासी राजकुमार प्रजापति ने बताया कि रविवार रात वह अपने परिवार के साथ बिजली न होने के कारण घर के बाहर सो रहे थे। इसी दौरान चोरों ने घर के पीछे स्थित स्कूल की दीवार के सहारे अंदर प्रवेश किया। चोर छत के रास्ते घर के भीतर पहुंचे और कमरे में रखे तीन लोहे के बक्सों एवं एक सूटकेस का ताला तोड़कर उसमें रखे सोने-चांदी के आभूषण चोरी कर लिए। चोरी गए सामान में सोने की झुमकी, दो जोड़ी कान के बाले, दो अंगूठियां, नाक की बेसर तथा चांदी के पायल और बिछिया शामिल हैं। साथ ही बक्से में रखे 40 हजार रुपये नकद भी चोर ले गए। थाना प्रभारी जनार्दन प्रताप सिंह ने बताया कि पीड़ित द्वारा तहरीर दी गई है। मामले की जांच-पड़ताल की जा रही है और आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है और आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है।

बिजली का खंभा टूटा, दो सप्ताह से अंधेरे में 100 घर

मोर्निंग सिटी संवाददाता

जसवंतनगर/इटावा, 16 मईः क्षेत्र के बीबामऊ गांव में तेज आंधी के दौरान 11 हजार वोल्ट लाइन पर पेड़ गिरने से बिजली का खंभा टूट गया। घटना को दो सप्ताह बीत जाने के बावजूद बिजली आपूर्ति बहाल नहीं हो सकी है, जिससे करीब 100 घरों के 700 लोग अंधेरे में जीवन यापन करने को मजबूर हैं। ग्रामीणों के अनुसार आंधी के दौरान बरगद का पेड़ बिजली लाइन पर गिर गया था, जिससे खंभा क्षतिग्रस्त हो गया। इसके बाद से गांव में बिजली आपूर्ति पूरी तरह ठप है। भीषण गर्मी के बीच दिन में उमस और रात में अंधेरा लोगों के लिए बड़ी समस्या बना हुआ है। बिजली न होने से मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है और पेयजल संकट भी गहराता जा रहा है। पशुओं के लिए पानी और चारे की व्यवस्था करना भी ग्रामीणों के लिए मुश्किल हो गया है। ग्रामीणों का कहना है कि महिलाओं और बच्चों को पशुओं को पानी पिलाने के लिए करीब दो किलोमीटर दूर नहर तक जाना पड़ रहा है, जिससे काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गांव के सावित्री, गीता देवी, कुंती देवी, कमला देवी, भूरी देवी, अंकित, सर्वेश, पंचम, सुरेंद्र प्रधान, पंकज सहित अन्य ग्रामीणों ने विभागीय अधिकारियों से जल्द नया खंभा लगवाकर बिजली आपूर्ति बहाल कराने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वे संबंधित विभाग के खिलाफ प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे।

कोरम के अभाव में टली नगर पालिका बोर्ड बैठक, बजट पर नहीं हो सकी चर्चा

मोर्निंग सिटी संवाददाता

जसवंतनगर/इटावा, 16 मई : नगर पालिका परिषद की महत्वपूर्ण बोर्ड बैठक क्षेत्रीय विधायक शिवपाल सिंह यादव की मौजूदगी में आयोजित हुई, लेकिन कोरम पूरा न होने के कारण बैठक स्थगित करनी पड़ी। इस वजह से बजट सहित विभिन्न विकास प्रस्तावों पर चर्चा नहीं हो सकी। नगर पालिका अध्यक्ष सत्यनारायण शंखवार ने बताया कि बैठक के लिए सभी 25 सभासदों को पूर्व निर्धारित एजेंडा भेजा गया था, लेकिन केवल 14 सभासद ही उपस्थित हुए।

निर्धारित संख्या पूरी न होने के कारण बैठक की कार्यवाही आगे नहीं बढ़ाई जा सकी। उन्होंने बताया कि अब आगामी 25 मई को पुनः बोर्ड बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें बजट एवं अन्य महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर चर्चा कर निर्णय लिए जाएंगे। पालिका अध्यक्ष ने सभी सभासदों से अगली बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने की अपील करते हुए कहा कि यदि किसी को कोई समस्या या शिकायत है तो वह खुलकर अपनी बात रखें, ताकि उसका समाधान किया जा सके। नगर पालिका की कार्यप्रणाली को लेकर पिछले कुछ दिनों से विवाद की स्थिति बनी हुई है। कई सभासदों ने अधिशासी अधिकारी श्याम वचन सरोज और पालिका अध्यक्ष पर मनमानी व भेदभावपूर्ण रवैये के आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि उनके वार्डों में विकास कार्यों की अनदेखी की जा रही है और मूलभूत सुविधाओं के वितरण में असमानता बरती जा रही है। इन आरोपों को लेकर सभासदों द्वारा पूर्व में नगर पालिका परिसर में विरोध प्रदर्शन भी किया जा चुका है। बैठक का बहिष्कार करने वाले सभासदों में राजीव यादव, प्रमोद कुमार, कमल प्रकाश, इरफान, संजय कुमार, संजीव यादव, अंकित कुमार, देवेन्द्र यादव, सोनी शाक्य, धमला देवी, मंजू देवी, रुचि शर्मा एवं गीता यादव शामिल रहे। बैठक स्थगित होने के बाद अब नगरवासियों की नजरें 25 मई को होने वाली अगली बैठक पर टिकी हैं, जहां बजट और विकास कार्यों को लेकर अहम फैसले होने की उम्मीद है।

समाधान दिवस में पहुंचीं 10 शिकायतें, एक का भी मौके पर नहीं हुआ निस्तारण

मोर्निंग सिटी संवाददाता

जसवंतनगर/इटावा, 16 मईः तहसील सभागार में आयोजित समाधान दिवस में आमजन की समस्याएं सुनी गईं, जहां कुल 10 शिकायतें दर्ज की गईं, लेकिन किसी भी शिकायत का मौके पर निस्तारण नहीं हो सका।

कार्यक्रम की अध्यक्षता उप जिलाधिकारी कुमार सत्यमजीत एवं अपर पुलिस अधीक्षक अभय नाथ त्रिपाठी ने की। समाधान दिवस में भूमि विवाद, रास्ता, अतिक्रमण एवं सार्वजनिक सुविधाओं से जुड़ी समस्याएं प्रमुख रूप से सामने आईं। अधिकारियों ने संबंधित विभागों के कर्मचारियों को निर्देशित किया कि सभी शिकायतों की मौके पर जांच कर समयबद्ध तरीके से निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। ग्राम सुगंध नगर निवासी सुदामा देवी ने अपने पैतृक मकान पर कब्जे की शिकायत दर्ज कराई। वहीं ग्राम बलरई निवासी गोपाल प्रसाद ने बंद पड़े रास्ते को खुलवाने की मांग उठाई। ग्राम नगला छाते निवासी रामनिवास ने गांव के तालाब में गंदगी के कारण पशु की मौत का आरोप लगाते हुए सफाई कराने की मांग की। नगर के वरिष्ठ भाजपा नेता सुरेश गुप्ता ने मोहन की मढ़ैया स्थित काली माता मंदिर को जोड़ने वाली पुलिया निर्माण की मांग करते हुए कहा कि पुलिया न होने से लोगों को आवागमन में काफी दिक्कतें होती हैं। इस दौरान क्षेत्राधिकारी आयुषी सिंह, तहसीलदार नेहा सचान, खंड विकास अधिकारी मनोज कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने शिकायतकताओं को निष्पक्ष कार्रवाई का भरोसा दिलाया।

प्रतीक यादव के निधन पर सपा कार्यालय में शोक सभा, कार्यकताओं ने दी श्रद्धांजलि

मोर्निंग सिटी संवाददाता

जसवंतनगर/इटावा, 16 मईः समाजवादी पार्टी कार्यालय पर शनिवार को शोक सभा का आयोजन कर प्रतीक यादव के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया गया। इस दौरान पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और दो मिनट का मौन रखा। शोक सभा में उपस्थित लोगों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। सपा नगर अध्यक्ष राहुल गुप्ता ने कहा कि प्रतीक यादव के निधन से उनके परिवार को अपूरणीय क्षति हुई है, जिसकी भरपाई संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि इस दुख की घड़ी में समाजवादी परिवार पूरी संवेदना के साथ शोक संतप्त परिवार के साथ खड़ा है। सभा में वक्ताओं ने कहा कि उनके निधन से समाजवादी विचारधारा से जुड़े लोगों में शोक की लहर है। वक्ताओं ने ईश्वर से प्रार्थना करते हुए कहा कि परिवार को इस कठिन समय को सहन करने की शक्ति प्रदान करे। इस अवसर पर सपा नगर महासचिव राशिद सिद्दीकी, विनोद यादव, सांसद प्रतिनिधि समीम खान, सत्यवती यादव, आलोक गैंगल्स, गोपाल गुप्ता, सुनील यादव सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक ने शिक्षण संस्थान का किया निरीक्षण

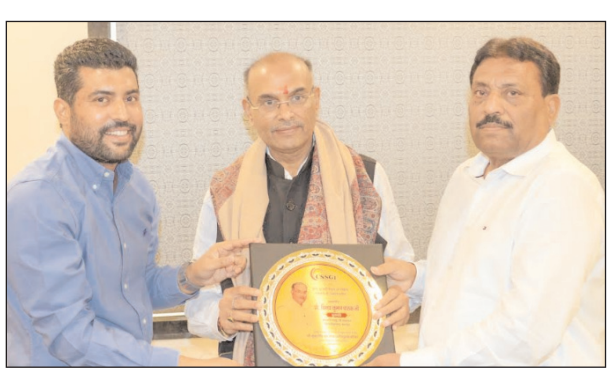

मोर्निंग सिटी संवाददाता

जसवंतनगर/इटावा, 16 मईः प्रो. विनय कुमार पाठक, कुलपति छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय ने चौ. सुघर सिंह शिक्षण संस्थान समूह का दौरा कर शैक्षणिक एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उनके साथ प्रो. विवेक कुमार द्विवेदी एवं राजेश कुमार द्विवेदी भी मौजूद रहे। संस्थान पहुंचने पर प्रबंधन एवं स्टाफ द्वारा उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। संस्थान के चेयरमैन डॉ. बृजेश चंद्र यादव एवं प्रबंध निदेशक अनुज मोंटी यादव ने कुलपति को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। निरीक्षण के दौरान कुलपति ने संस्थान की शैक्षणिक गुणवत्ता, अनुशासन एवं विद्यार्थियों को उपलब्ध कराए जा रहे शैक्षणिक वातावरण की सराहना की। कुलपति ने कहा, ह्लशिक्षण संस्थानों की भूमिका केवल शिक्षा प्रदान करने तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक जिम्मेदारियों का विकास करना भी आवश्यक है। उन्होंने शिक्षकों एवं प्रबंधन समिति को आधुनिक शिक्षण पद्धतियों को अपनाने तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान देने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर निदेशक डॉ. संदीप पांडेय, प्राचार्य डॉ. जितेंद्र यादव सहित समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। कुलपति ने संस्थान के प्रयासों की सराहना करते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

मिलावटखोरों पर पुलिस का बड़ा प्रहार, 4000 लीटर संदिग्ध खाद्य तेल जब्त

मोर्निंग सिटी संवाददाता कानपुर देहात, 16 मईः जनपद में मिलावटखोरी के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। श्रद्धा नरेन्द्र पाण्डेय के निर्देशन में संयुक्त पुलिस टीम ने छापेमारी कर करीब 4000 लीटर संदिग्ध खाद्य तेल बरामद किया है। 5 मई 2026 को एसओजी, सर्विलांस टीम एवं थाना रनिया पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्तियों एवं वस्तुओं की सघन चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान प्रेम नगर व मंटोरा पुल (फ्रंटियर कंपनी के पास) क्षेत्र में छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान पुलिस टीम ने मौके से 20 ड्रम संदिग्ध खाद्य तेल (लगभग 4000 लीटर) बरामद कर अपने कब्जे में ले लिया। बरामद तेल के संबंध में तत्काल खाद्य रसद विभाग को सूचना दी गई। विभागीय अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर तेल के नमूने एकत्र किए हैं। अब लैब रिपोर्ट के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई में एसओजी टीम, सर्विलांस टीम एवं थाना रनिया पुलिस की संयुक्त टीम शामिल रही। पुलिस द्वारा जनपद में मिलावटखोरी के विरुद्ध अभियान आगे भी जारी रखने की बात कही गई है।

जिला अस्पताल में लापरवाही का आरोप, मरीज से मुंह से सटक लगाकर कराया BP चेक

मोर्निंग सिटी संवाददाता जिला मुख्यालय), 16 मईः जिला अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। देर रात इलाज के लिए पहुंचे एक मरीज ने आरोप लगाया है कि इमरजेंसी वार्ड में इढ मशीन खराब होने के कारण उसे मुंह से सटक लगाकर ब्लड प्रेशर चेक करने को कहा गया। पीड़ित मरीज संदीप कुमार चौबे के अनुसार, देर रात अचानक तबीयत बिगड़ने पर वह जिला अस्पताल पहुंचा था। वहां मौजूद स्टाफ ने बताया कि इढ मशीन खराब है। मरीज का आरोप है कि इसके बाद स्टाफ ने उसे मुंह से सटक (फूंक) लगाकर इढ चेक करने की बात कही। मरीज ने बताया कि उसका इढ लो था और मजबूरी में उसे ऐसा करना पड़ा। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसके बाद लोग स्वास्थ्य विभाग की व्यवस्थाओं पर सवाल उठा रहे हैं। जिला अस्पताल पहले भी अव्यवस्थाओं को लेकर चर्चा में रहा है और इस घटना के बाद एक बार फिर स्वास्थ्य सेवाओं की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो गए हैं। हालांकि इस मामले में अस्पताल प्रशासन की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

तहसील स्तर पर आयोजित समाधान दिवस में अधिकारियों ने सुनी जनसमस्याएं

मोर्निंग सिटी संवाददाता

सूलाबाद (कानपुर देहात), 16 मईः शनिवार को तहसील रसूलाबाद में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में अधिकारियों ने फरियादियों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं और उनके त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। समाधान दिवस में क्षेत्र के विभिन्न गांवों से पहुंचे लोगों ने भूमि विवाद, कब्जा, पेंशन एवं राशन कार्ड से जुड़ी समस्याएं अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत कीं। अधिकारियों ने संबंधित विभागों के कर्मचारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जाए और किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए। इस दौरान अधिकारियों ने कहा कि राजस्व और पुलिस विभाग आपसी समन्वय बनाकर कार्य करें, जिससे विशेष रूप से भूमि विवादों का शीघ्र समाधान हो सके। साथ ही आवश्यक मामलों में टीम बनाकर मौके पर जांच कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि शासन की मंशा के अनुरूप आमजन की समस्याओं का पारदर्शी एवं निष्पक्ष समाधान किया जाना प्राथमिकता है और इसमें किसी प्रकार की देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसी क्रम में अन्य तहसीलों में भी आयोजित समाधान दिवस में संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे और जनसमस्याओं को सुनकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

पति की दीघार्यु के लिए सुहागिनों ने श्रद्धा से किया वट वृक्ष पूजन

मोर्निंग सिटी संवाददाता

जसवंतनगर/इटावा, 16 मईः ज्येष्ठ मास की कृष्ण अमावस्या के अवसर पर नगर क्षेत्र में वट सावित्री व्रत श्रद्धा, आस्था और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया गया। इस दौरान सुहागिन महिलाओं ने व्रत रखकर वट वृक्ष की पूजा-अर्चना की और अपने पति की दीघार्यु, सुख-समृद्धि व अखंड सौभाग्य की कामना की। नगर स्थित सहकारी क्रय-विक्रय समिति परिसर में बड़ी संख्या में महिलाओं ने सामूहिक रूप से वट वृक्ष का पूजन किया। महिलाओं ने विधि-विधान के अनुसार वट वृक्ष की परिक्रमा कर जल, रोली, मौली, फल सहित अन्य पूजन सामग्री अर्पित की। धार्मिक अनुष्ठान के दौरान महिलाओं ने परिवार की खुशहाली और वैवाहिक जीवन की सुख-शांति के लिए प्रार्थना की। महिलाओं ने बताया कि वट सावित्री व्रत हिंदू परंपरा में विशेष महत्व रखता है। मान्यता है कि वट वृक्ष में ब्रह्मा, विष्णु और महेश का निवास होता है। इसी वृक्ष के नीचे माता सावित्री ने कठोर तप कर यमराज से अपने पति सत्यवान के प्राण वापस प्राप्त किए थे। व्रत करने वाली महिलाओं में रेनू पांडेय, मंजू, पूजा, बबली, रजनी, सोनी, भावना, गुंजन एवं नीलम सहित अन्य महिलाएं शामिल रहीं। पूजा के दौरान महिलाओं में उत्साह और श्रद्धा का विशेष वातावरण देखने को मिला। उन्होंने बताया कि यह व्रत पति-पत्नी के अटूट विश्वास, समर्पण और नारी शक्ति का प्रतीक भी है।

सपा सांसद अजेंद्र सिंह लोधी के बयान पर नया मोड़, वायरल वीडियो को बताया फर्जी

मोर्निंग सिटी संवाददाता

महोबा, 16 मईः हमीरपुर-तिंदवारी से समाजवादी पार्टी के सांसद अजेंद्र सिंह लोधी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कथित आपत्तिजनक बयान के मामले में नया मोड़ आ गया है। वायरल वीडियो के सामने आने के बाद पहली बार मीडिया के सामने आए सांसद ने आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। महोबा में मीडिया से बातचीत करते हुए सांसद ने कहा कि वायरल वीडियो पूरी तरह फर्जी है और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीक के जरिए उनके शब्दों से छेड़छाड़ कर उन्हें बदनाम करने की साजिश रची गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्होंने प्रधानमंत्री के खिलाफ कोई भी अमर्यादित टिप्पणी नहीं की है। सांसद ने बताया कि वह कलेक्ट्रेट में ज्ञापन देने गए थे, जहां उन्होंने केवल इतना कहा था कि आम जनता को डीजल, पेट्रोल, तेल और सोने के कम उपयोग की सलाह देने वाले प्रधानमंत्री को खुद भी इसका पालन करना चाहिए। उनके अनुसार उन्होंने ह्ललोकप्रिय प्रधानमंत्रीह्व शब्द का प्रयोग किया था, जिसे कथित रूप से एआई के माध्यम से बदल दिया गया। अजेंद्र सिंह लोधी ने कहा, ह्लमुझे बाद में पता चला कि एआई तकनीक से शब्दों में बदलाव किया जा सकता है। किसी शरारती तत्व ने मेरी छवि खराब करने के लिए यह साजिश रची है। बीजेपी सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने बुंदेलखंडी कहावत का जिक्र करते हुए कहा कि सरकार अपने झूठ को सही साबित करने के लिए विपक्ष को घेरने का काम कर रही है। सांसद ने यह भी आरोप लगाया कि उनकी तस्वीर को गलत तरीके से संपादित कर वायरल किया गया है। उन्होंने केंद्र सरकार से भ्रामक एआई तकनीकों पर रोक लगाने की मांग की है। इसके साथ ही 17 मई को प्रस्तावित हमीरपुर दौरे पर प्रशासन द्वारा लगाए गए प्रतिबंध पर भी उन्होंने नाराजगी जताते हुए इसे लोकतंत्र के लिए दुर्भाग्यपूर्ण बताया

व्यापार मंडल की नई कार्यकारिणी गठित, सिंटू सिंह बने अध्यक्ष

मोर्निंग सिटी संवाददाता

राजपुर (कानपुर देहात), 16 मईः नगर पंचायत राजपुर में भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के बैनर तले आयोजित कार्यक्रम में व्यापार मंडल की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया, जिसमें सत्येंद्र सिंह (सिंटू) को अध्यक्ष चुना गया। कार्यक्रम एक निजी गेस्ट हाउस में आयोजित हुआ, जिसकी अध्यक्षता श्याम मोहन दुबे ने की। इस दौरान व्यापार से संबंधित पारदर्शिता एवं किसान हितों को प्राथमिकता देने पर जोर दिया गया। जिलाध्यक्ष ओम पाल सिंह के नेतृत्व में सात सदस्यीय कार्यकारिणी का गठन किया गया नई कार्यकारिणी में मनोज कुमार विश्नोई एवं विजय कुमार शुक्ला को महामंत्री, कपिल पोरवाल को कोषाध्यक्ष, सुशील बाजपेयी को वरिष्ठ उपाध्यक्ष तथा गजेंद्र सिंह व विनय सिंह को उपाध्यक्ष बनाया गया। सभी पदाधिकारियों को फूलमाला पहनाकर शपथ दिलाई गई। मुख्य अतिथि श्याम मोहन दुबे ने कहा, संगठन में ही शक्ति होती है। व्यापारियों को अपने हितों की रक्षा के लिए एकजुट रहना आवश्यक है। किसी भी व्यापारी का उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं किया जाएगा कार्यक्रम में कलाम अहमद सहित कई व्यापारी व गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के उपरांत नई कार्यकारिणी के पदाधिकारियों को नगर एवं क्षेत्रवासियों ने शुभकामनाएं एवं बधाई दी।

भोगनीपुर के ताबिश अली ने CBSE 12वीं में 97.08% अंक हासिल कर रचा इतिहास

मोर्निंग सिटी संवाददाता

भोगनीपुर (कानपुर देहात), 16 मईः सीबीएसई बोर्ड की 12वीं परीक्षा के घोषित परिणामों में भोगनीपुर के होनहार छात्र ताबिश अली ने 97.08 प्रतिशत अंक हासिल कर जिले का नाम रोशन किया है। इस उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ उन्होंने जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया है ताबिश अली स्थानीय निवासी डॉ. इरफान अली एवं डॉ. तस्नीम जहां के पुत्र हैं। उन्होंने जैन वर्ल्ड स्कूल से अपनी शिक्षा प्राप्त की है। शुरू से ही मेधावी रहे ताबिश ने कड़ी मेहनत, अनुशासन और लगन के बल पर यह मुकाम हासिल किया। स्कूल प्रबंधन एवं शिक्षकों ने ताबिश की इस उपलब्धि पर खुशी जताते हुए बताया कि वह पढ़ाई के प्रति बेहद गंभीर और समर्पित छात्र रहे हैं। उन्होंने नियमित अध्ययन और समय प्रबंधन के जरिए यह उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त किया। ताबिश अली ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता और शिक्षकों को देते हुए कहा, सही मार्गदर्शन और निरंतर मेहनत से कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है इस उपलब्धि से परिवार में खुशी का माहौल है। परिजनों ने मिठाई बांटकर जश्न मनाया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। ताबिश की सफलता से क्षेत्र के अन्य विद्यार्थियों को भी प्रेरणा मिलेगी और वे शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित होंगे।

छोटी खबरें

कौशलपुर आंगनबाड़ी केंद्र पर लगा स्कूल रेडीनेस मेला, बच्चों की सीखने की क्षमता का हुआ मूल्यांकन

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग की ओर से शुक्रवार को आगरा शहर स्थित आंगनबाड़ी केंद्र कौशलपुर-2 पर स्कूल रेडीनेस मेले का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य विकास अधिकारी श्रीमती प्रतिभा सिंह ने की। मेले में बच्चों की शैक्षिक और मानसिक तैयारी को परखने के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गई, जिनमें बच्चों और अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों के साथ शारीरिक, भाषा, गणितीय, संज्ञानात्मक एवं खेल आधारित गतिविधियां कराई गईं। इन गतिविधियों के माध्यम से बच्चों की सीखने की क्षमता, समझ और विकास स्तर का अवलोकन एवं मूल्यांकन किया गया। साथ ही बच्चों के प्रोग्रेस रिपोर्ट कार्ड और स्कूल रेडीनेस से जुड़े प्रमुख संकेतकों की भी समीक्षा की गई। मुख्य विकास अधिकारी प्रतिभा सिंह ने मेले में लगाए गए विभिन्न स्टॉलों और गतिविधियों का निरीक्षण किया। उन्होंने बच्चों के अभिभावकों से संवाद कर बच्चों की सीखने की प्रक्रिया और उनकी प्रगति के बारे में जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने विशेष रूप से बच्चों के पोर्टफोलियो को लेकर माताओं से चर्चा की और प्रारंभिक शिक्षा में अभिभावकों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी ने स्वयं भी विभिन्न गतिविधियों में भाग लेकर बच्चों और अभिभावकों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि बच्चों को विद्यालय में प्रवेश से पहले सीखने के लिए तैयार करना अत्यंत आवश्यक है, ताकि उनका मानसिक और शैक्षिक विकास बेहतर तरीके से हो सके। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे आयोजनों से अभिभावकों और समुदाय को प्रारंभिक शिक्षा के महत्व के प्रति जागरूक करने में मदद मिलती है। कार्यक्रम के अंत में मुख्य विकास अधिकारी ने फीडबैक चार्ट पर अपनी टिप्पणी दर्ज करते हुए आयोजन की सराहना की। अधिकारियों ने बताया कि स्कूल रेडीनेस मेले का आयोजन जनपद आगरा के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों पर किया जा रहा है। मेले का आयोजन बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग तथा प्रथम फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में बच्चे, अभिभावक, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां एवं स्थानीय लोग मौजूद रहे।

संस्कारों और आधुनिक शिक्षा के संग मातृ शक्ति को नमन, डॉ. एमपीएस वर्ल्ड स्कूल में भावनाओं से सराबोर रहा मातृ दिवस समारोह

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। डॉ. एमपीएस वर्ल्ड स्कूल में मातृ दिवस के उपलक्ष्य में शनिवार को भव्य, भावनात्मक और प्रेरणादायी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यालय परिसर माताओं के सम्मान, बच्चों के उत्साह और पारिवारिक मूल्यों की मधुर अनुभूतियों से सराबोर नजर आया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों, माताओं और अभिभावकों की उत्साहपूर्ण सहभागिता ने आयोजन को यादगार बना दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चारण, गायत्री मंत्र एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। विद्यालय परिसर को आकर्षक सजावट, रंग-बिरंगी कलाकृतियों और विद्यार्थियों द्वारा तैयार रचनात्मक प्रदर्शनों से विशेष रूप से सजाया गया था। मातृ दिवस समारोह के दौरान डांस परफॉर्मेंस, फायरलेस कुकिंग, ज्वेलरी मेकिंग, बेस्ट आउट ऑफ क्राफ्ट, मेहंदी, रैम्प वॉक, लुक-अलाइक और फैंसी ड्रेस जैसी अनेक रचनात्मक एवं मनोरंजक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें विद्यार्थियों और अभिभावकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित भी किया गया। विद्यालय के अध्यक्ष स्क्वाड्रन लीडर ए.के. सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि माताएँ केवल परिवार की आधारशिला ही नहीं बल्कि समाज और राष्ट्र निर्माण की सबसे बड़ी शक्ति हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में शिक्षा केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि बच्चों में नैतिक मूल्यों, संवेदनशीलता, नेतृत्व क्षमता और रचनात्मक सोच का विकास भी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि विद्यालय में स्मार्ट क्लासरूम, डिजिटल पैनल, अत्याधुनिक विज्ञान एवं कंप्यूटर लैब, खेल सुविधाएँ, गतिविधि आधारित शिक्षण, आर्ट इंटीग्रेटेड लर्निंग तथा नई शिक्षा नीति आधारित शिक्षण पद्धति के माध्यम से विद्यार्थियों को वैश्विक स्तर की शिक्षा प्रदान की जा रही है। विद्यालय का उद्देश्य केवल सफल विद्यार्थी तैयार करना नहीं बल्कि संस्कारवान, आत्मविश्वासी और जिम्मेदार नागरिक बनाना है। विद्यालय की प्रधानाचार्या राखी जैन ने माताओं को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि माँ बच्चे की पहली शिक्षक होती है और उसके व्यक्तित्व निर्माण में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

पर्यटकों की सुरक्षा के लिए मुख्य मकबरे की संगमरमर की सीढ़ियां बदली गईं अब चढ़ते-उतरते समय नहीं फिसलेंगे पैर, जंग से बचाव के लिए इस बार लोहे की जगह स्टील फ्रेम का हुआ इस्तेमाल

मोर्निंग सिटी संवाददाता

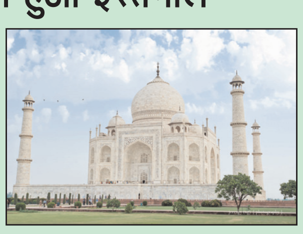

आगरा। ताजमहल में पर्यटकों की सुरक्षा और सुविधा को ध्यान में रखते हुए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने मुख्य मकबरे की सीढ़ियों को बदलने का काम शुरू कर दिया है। शुक्रवार को साप्ताहिक बंदी के दौरान एएसआई ने मुख्य मकबरे की 22 सीढ़ियों पर लगे पुराने लकड़ी के स्लीपरों को हटाकर नए स्लीपर लगाए। इस बार सीढ़ियों को अधिक टिकाऊ बनाने और जंग की समस्या से बचाने के लिए लोहे की जगह स्टील फ्रेम का इस्तेमाल किया गया है।?चिकने संगमरमर के कारण लिया गया फैसला एएसआई के वरिष्ठ संरक्षण सहायक कलंदर बिंद ने बताया कि मुख्य मकबरे की मूल सीढ़ियां संगमरमर की हैं। रोजाना हजारों पर्यटकों के आवागमन के कारण यह संगमरमर बेहद चिकना हो गया था, जिससे पर्यटकों के फिसलने की घटनाएं बढ़ रही थीं। इसी को देखते हुए वर्ष 2012 में यूनेस्को की सलाह पर यहाँ लकड़ी के स्लीपर लगाए गए थे।?14 साल बाद बदला ढांचा लगभग 14 साल पुराने हो चुके ये स्लीपर काफी घिस गए थे और इनका लोहे का फ्रेम भी कई जगह से ढीला हो गया था। पर्यटकों के पैर फिसलने और चोट लगने की शिकायतों के बाद प्रशासन ने इन्हें बदलने का निर्णय लिया। इस बार 'साल' की लकड़ी के नए स्लीपर लगाए गए हैं, जिन्हें जानबूझकर थोड़ा खुरदुरा रखा गया है ताकि पर्यटकों की ग्रिप (पकड़) बनी रहे। स्मारक की भव्यता और सुंदरता को बनाए रखने के लिए इन स्लीपरों पर सफेद रंग किया जाएगा, जिससे ये संगमरमर जैसे ही नजर आएं। फिलहाल मकबरे के एक हिस्से की 22 सीढ़ियों पर काम पूरा कर लिया गया है। आगामी शुक्रवार को साप्ताहिक बंदी के दौरान दूसरी ओर की सीढ़ियों पर भी नए स्लीपर लगा दिए जाएंगे। सीढ़ियों के बदलाव का इतिहास: 2005-06: मूल संगमरमर को घिसने से बचाने के लिए पहली बार एएसआई ने सीढ़ियों को लकड़ी के तख्तों से ढका। 2012: यूनेस्को की तकनीकी टीम की सलाह पर लोहे के बेस फ्रेम के साथ भारी लकड़ी के स्लीपर लगाए गए। 2017-18: लगातार घिसावट के कारण स्लीपरों की मरम्मत और आंशिक बदलाव किया गया।

ग्राम रहन कलां में लगी भीषण आग, मचा हड़कंप

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा के एत्मादपुर क्षेत्र के ग्राम रहन कलां में अचानक भीषण आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आग इतनी तेज थी कि देखते ही देखते उसने आसपास के क्षेत्र को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में एक वृद्ध व्यक्ति झुलस गया, जिसे उपचार के लिए भेजा गया है। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने का प्रयास लगातार जारी है। बताया जा रहा है कि आग लगने से लोगों का काफी सामान जलकर राख हो गया, जिससे भारी नुकसान हुआ है।

डेढ़ किलो गांजा समेत युवक गिरफ्तार

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना फतेहपुर सीकरी पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने चेकिंग अभियान के दौरान एक युवक को 1 किलो 460 ग्राम अवैध गांजा के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

पुलिस के अनुसार शुक्रवार को थाना फतेहपुर सीकरी पुलिस क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि एक युवक अवैध गांजा लेकर ग्राम मंडी गुड की ओर आने वाला है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम सक्रिय हो गई और बताए गए स्थान पर घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम अकरम पुत्र हुक्मुद्दीन निवासी कलंदर बस्ती, नगर सीकरी बताया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 1.460 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपी से गांजा खरीद-फरोख्त के नेटवर्क और सप्लाई चैन के संबंध में पूछताछ की जा रही है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि आरोपी किस क्षेत्र में मादक पदार्थों की सप्लाई करता था और इसके पीछे कौन-कौन लोग जुड़े हुए हैं।

यह कार्रवाई प्रभारी निरीक्षक आनन्दवीर सिंह के नेतृत्व में की गई। पुलिस टीम में अपराध निरीक्षक अरविन्द कुमार तोमर, वरिष्ठ उ0नि0 विपिन सिंह, उ0नि0 रजनेश, गौरव मलिक, हिमांशुपाल, अभिषेक, हेड कांस्टेबल मानवेन्द्र, मोहसिन तथा कांस्टेबल विनय कुमार शामिल रहे। पुलिस उपायुक्त पश्चिमी जोन के पर्यवेक्षण और सहायक पुलिस आयुक्त अछनेरा के निर्देशन में हुई इस कार्रवाई को मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई माना जा रहा है। पुलिस का कहना है कि जिले में अवैध नशे के कारोबार पर लगातार सख्ती जारी रहेगी और ऐसे तत्वों के खिलाफ अभियान आगे भी चलता रहेगा।

कर्तव्यनिष्ठा की मिसाल बनी आगरा ट्रैफिक पुलिस, CCTV की मदद से यात्री का पैसों से भरा बैग खोजकर लौटाया

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। ताजनगरी में आगरा ट्रैफिक पुलिस ने एक बार फिर अपनी सतर्कता, ईमानदारी और जिम्मेदारी का परिचय देते हुए एक यात्री का पैसों से भरा बैग सकुशल वापस दिलाकर मानवता और कर्तव्यनिष्ठा की मिसाल पेश की है। यह मामला शहर के व्यस्त रामबाग चौराहा क्षेत्र का है, जहां एक यात्री का बैग ऑटो में छूट गया था। बैग में नकदी के साथ-साथ जरूरी दस्तावेज और अन्य सामान रखा हुआ था। बैग खोने के बाद यात्री घबरा गया और उसने तत्काल मदद के लिए पुलिस से संपर्क किया। सूचना मिलते ही आगरा ट्रैफिक पुलिस और स्मार्ट सिटी कंट्रोल रूम की टीम तुरंत सक्रिय हो गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए टीम ने रामबाग चौराहा और आसपास लगे उउळश कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी। घंटों की मेहनत और तकनीकी सहायता के जरिए पुलिस टीम ने उस ऑटो की पहचान कर ली, जिसमें यात्री का बैग छूटा था।

इसके बाद ट्रैफिक पुलिस ने ऑटो चालक से संपर्क साधा और बैग को सुरक्षित बरामद कर लिया। जांच के दौरान बैग में रखा सामान और नकदी पूरी तरह सुरक्षित मिली। पुलिस टीम ने यात्री को सूचना देकर बुलाया और आवश्यक सत्यापन के बाद उसका बैग उसे सौंप दिया। अपना कीमती सामान वापस मिलने पर यात्री के चेहरे पर खुशी लौट आई। उसने आगरा ट्रैफिक पुलिस और स्मार्ट सिटी कंट्रोल रूम टीम का धन्यवाद करते हुए कहा कि अगर पुलिस तत्परता नहीं दिखाती तो उसका सामान मिल पाना बेहद मुश्किल था। इस पूरे घटनाक्रम की शहरभर में चर्चा हो रही है। लोगों का कहना है कि अक्सर ट्रैफिक पुलिस को केवल चालान और यातायात व्यवस्था तक सीमित समझा जाता है, लेकिन आगरा ट्रैफिक पुलिस लगातार ऐसे कार्य कर रही है जिससे आम जनता का भरोसा और मजबूत हो रहा है। उउळश तकनीक और पुलिस की त्वरित कार्रवाई ने यह साबित कर दिया कि अगर इच्छाशक्ति और जिम्मेदारी के साथ काम किया जाए तो खोया हुआ सामान भी आसानी से खोजा जा सकता है। शहरवासियों ने आगरा ट्रैफिक पुलिस और स्मार्ट सिटी कंट्रोल रूम टीम के इस सराहनीय कार्य की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास पुलिस और जनता के बीच विश्वास को और मजबूत करते हैं।

क्षत्रिय महासभा के अध्यक्ष के बेटे का संदिग्ध परिस्थितियों में मिला शव, जांच में जुटी पुलिस

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। थाना ट्रांस यमुना क्षेत्र के इंद्रा ज्योति नगर में शनिवार सुबह उस वक्त हड़कंप मच गया, जब क्षत्रिय महासभा (यमुनापार) के अध्यक्ष विनोद परमार के 24 वर्षीय बेटे आकाश परमार का शव घर के पास ही संदिग्ध परिस्थितियों में पड़ा मिला। आकाश एक निजी अस्पताल में कंपाउंडर के रूप में कार्यरत था। परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है, क्योंकि मृतक के हाथ में इंट्रा कैप (कैनुला) लगी हुई थी और उसकी बुलेट मोटरसाइकिल भी मौके से गायब है परिजनों के मुताबिक, शुक्रवार रात करीब 11:30 बजे आकाश को क्षेत्र के ही एक ऑटो चालक बिट्टू और अन्य दोस्तों के साथ ऑटो-रिक्शा में देखा गया था। वे सभी हनुमान नगर की ओर जा रहे थे। परिजनों ने बताया कि उन्होंने बेटों के रहने के लिए हनुमान नगर में एक अलग मकान बनवाया हुआ है। उन्हें लगा कि आकाश रात में उसी घर पर सोने के लिए चला गया है। शनिवार सुबह करीब 7 बजे परिजनों को सूचना मिली कि आकाश का शव घर के बाहर पड़ा हुआ है। बदहवास परिजन तुरंत उसे लेकर अस्पताल भागे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। आकाश की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। मृतक के हाथ में लगी मेडिकल इंट्रा कैप और मौके से उसकी बुलेट बाइक का गायब होना मामले को बेहद संदिग्ध बना रहा है। ?"शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। परिजनों की तहरीर और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस हर एंगल से मामले की गहराई से जांच कर रही है।

एक बाइक पर चार पुलिसकर्मी और हथियार वीडियो वायरल होने से मचा हड़कंप

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। ताजनगरी आगरा में सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो ने पुलिस व्यवस्था और ट्रैफिक नियमों के पालन को लेकर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। वायरल वीडियो में चार पुलिसकर्मी एक ही बाइक पर सवार दिखाई दे रहे हैं। इतना ही नहीं, उनके साथ हथियार भी नजर आ रहे हैं। वीडियो सामने आने के बाद लोगों के बीच चर्चा तेज हो गई है और सोशल मीडिया पर इसे लेकर तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। बताया जा रहा है कि यह वीडियो आगरा शहर का है। वीडियो में साफ दिखाई दे रहा है कि एक बाइक पर क्षमता से अधिक पुलिसकर्मी बैठे हुए हैं। सामान्य तौर पर ट्रैफिक नियमों के अनुसार दो से अधिक लोगों का बाइक पर बैठना नियमों का उल्लंघन माना जाता है, लेकिन वायरल वीडियो में खुद कानून व्यवस्था संभालने वाले पुलिसकर्मी नियमों की अनदेखी करते नजर आ रहे हैं।

वीडियो वायरल होने के बाद लोगों ने सोशल मीडिया पर सवाल उठाने शुरू कर दिए हैं। लोगों का कहना है कि पुलिस आए दिन आम जनता के खिलाफ ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन पर कार्रवाई करती है, चालान काटती है और नियमों का पालन करने की सीख देती है, लेकिन जब पुलिसकर्मी खुद नियम तोड़ते दिखाई देते हैं तो इससे आम लोगों में गलत संदेश जाता है। मामले को लेकर सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठ रहे हैं। लोगों का कहना है कि हथियारों के साथ इस तरह असुरक्षित तरीके से सफर करना किसी भी बड़े हादसे को न्योता दे सकता है। यदि रास्ते में अचानक संतुलन बिगड़ जाए या कोई दुर्घटना हो जाए तो न सिर्फ पुलिसकर्मियों की जान खतरे में पड़ सकती है, बल्कि आसपास मौजूद आम लोग भी प्रभावित हो सकते हैं।

वायरल वीडियो को लेकर फिलहाल पुलिस विभाग की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। हालांकि सोशल मीडिया पर यह वीडियो तेजी से शेयर किया जा रहा है और लोग पूरे मामले में जिम्मेदार अधिकारियों से कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। कई लोगों का कहना है कि यदि आम नागरिकों पर नियम लागू होते हैं तो कानून के रखवालों पर भी वही नियम समान रूप से लागू होने चाहिए। फिलहाल यह वीडियो शहरभर में चर्चा का विषय बना हुआ है और लोग यह जानना चाहते हैं कि मामले में विभागीय स्तर पर कोई कार्रवाई होती है या नहीं।

ट्रांसपोर्टर असगर अली हत्याकांड में वायरल ऑडियो से सनसनी

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। शाहगंज क्षेत्र में ट्रांसपोर्टर असगर अली की संदिग्ध मौत के मामले में अब वायरल ऑडियो क्लिप ने सनसनी फैला दी है।

शुक्रवार को इंटरनेट मीडिया और व्हाट्सएप पर तीन ऑडियो क्लिप तेजी से प्रसारित हुईं, जिनमें कथित तौर पर फरार आरोपी रवि यादव और नगर निगम के पशु कल्याण अधिकारी डॉ. अजय कुमार यादव के बीच बातचीत होने का दावा किया जा रहा है। ऑडियो सामने आने के बाद पुलिस महकमे और शहर में खलबली मच गई है। हालांकि पुलिस और संबंधित अधिकारियों ने अभी इन ऑडियो की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। बताया जा रहा है कि ये ऑडियो आरोपी रवि यादव की पत्नी निशा द्वारा कई लोगों को व्हाट्सएप पर भेजे गए। ऑडियो में कथित तौर पर एक व्यक्ति रवि यादव को कोर्ट में सरेंडर कर जमानत लेने के लिए समझाता सुनाई दे रहा है। बातचीत में ह्लपूरी जिंदगी तुम्हारे ऋणी रहेंगेह्ल, ह्लकोर्ट में खड़े-खड़े जमानत हो जाएगीह्ल और जरूरत पड़े तो मेरा नाम ले देना जैसे संवाद सुनाई देने का दावा किया जा रहा है।

हत्या की धारा में बदला गया मुकदमा

गौरतलब है कि चार अप्रैल की सुबह शाहगंज क्षेत्र की मेवाती गली, भोगीपुरा निवासी ट्रांसपोर्टर असगर अली मल्ल का चबूतरा के पास लहूलुहान हालत में मिले थे। परिजन उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। शुरूआत में मामला सड़क हादसे के रूप में दर्ज किया गया था, लेकिन बाद में परिजनों की तहरीर और पुलिस जांच के आधार पर मुकदमे में हत्या की धारा बढ़ाई गई। मृतक के बेटे डॉ. सजमन अली ने अपनी शिकायत में जीएसटी अधिकारी निवेदिता सिंह, उनके पति डॉ. अजय कुमार यादव, दिनेश सोलंकी, रवि यादव और कामरान वारसी पर साजिश का शक जताया था। पुलिस जांच में सामने आया कि हादसे के समय रवि यादव की मोबाइल लोकेशन घटनास्थल के आसपास थी। वहीं जिस कार से टक्कर मारने की बात कही जा रही है, वह जालौन निवासी प्रेम नारायण के नाम पर पंजीकृत निकली, जो आगरा की एक गोशाला में कार्यरत बताया गया है।

वायरल ऑडियो में क्या है?

वायरल ऑडियो में कथित तौर पर एक व्यक्ति रवि यादव से कहता सुनाई देता है कि ह्लएक घंटे की बात है, कोर्ट में खड़े होना है, जमानत हो जाएगी।ह्ल इसके जवाब में दूसरा व्यक्ति कहता है कि ह्लजब गाड़ी मैंने चलाई ही नहीं, आपके भाई चला रहे थे और आप भी उसमें बैठे थे, तो मुझ पर दबाव क्यों डाला जा रहा है?ह्ल ऑडियो में कथित रवि यादव अपने परिवार की परेशानी और बच्चों का जिक्र करते हुए भावुक भी सुनाई देता है। वह कहता है कि उसकी पत्नी और माता-पिता पूरी रात रोते रहे और उसे ऐसी घटना में फंसाया जा रहा है, जिससे उसका पूरा जीवन खराब हो जाएगा।

पुलिस कराएगी फॉरेंसिक जांच

डीसीपी सिटी सैयद अली अब्बास ने बताया कि वायरल हुए तीनों ऑडियो पुलिस को मिल चुके हैं और उन्हें जांच के लिए भेजा जा रहा है। उन्होंने कहा कि आरोपी रवि यादव और डॉ. अजय कुमार यादव दोनों के वॉयस सैंपल लिए जाएंगे। फॉरेंसिक साइंस लैब की जांच रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि ऑडियो में आवाज किसकी है।

वहीं नगर निगम के पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. अजय कुमार यादव

वायरल ऑडियो को लेकर सफाई दी है। उन्होंने कहा कि उन्हें मीडिया के माध्यम से ऐसे ऑडियो के बारे में जानकारी मिली है। उन्होंने किसी प्रकार की बातचीत से इनकार करते हुए कहा कि संभव है किसी ने उनकी छवि खराब करने के लिए एआई तकनीक का इस्तेमाल कर फर्जी ऑडियो तैयार किया हो। उन्होंने कहा कि उन्हें पुलिस जांच पर पूरा भरोसा है और सच्चाई जांच के बाद सामने आ जाएगी। पुलिस फिलहाल फरार आरोपी रवि यादव और कार मालिक प्रेम नारायण की तलाश में दबिश दे रही है। अधिकारियों का कहना है कि आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद ही पूरे घटनाक्रम और वायरल ऑडियो के पीछे की सच्चाई स्पष्ट हो सकेगी। शहर में चर्चित बने इस मामले ने अब नया मोड़ ले लिया है और पुलिस की जांच पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं।

होटल गुलिस्तान के पास बाइक और थार कार की भिड़ंत, दो युवक गंभीर घायल

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। फतेहपुर सीकरी थाना क्षेत्र में शनिवार दोपहर होटल गुलिस्तान के समीप बाइक और थार कार की आमने-सामने भिड़ंत में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और आसपास मौजूद लोग तुरंत मदद के लिए दौड़ पड़े। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंच गई और घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया। जानकारी के अनुसार, बाइक सवार दो युवक होटल गुलिस्तान के पास से गुजर रहे थे, तभी तेज रफ्तार थार कार से उनकी टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सवार सड़क पर गिरकर घायल हो गए, जबकि बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। घायलों की पहचान शाहरुख पुत्र आमीन तथा राजा पुत्र वकील निवासी कली खाना, फतेहपुर सीकरी, आगरा के रूप में हुई है। दोनों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फतेहपुर सीकरी ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए आगरा रेफर कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसे के समय सड़क पर तेज रफ्तार वाहनों की आवाजाही बनी हुई थी। टक्कर के बाद कुछ देर तक यातायात भी प्रभावित रहा। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला और क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क किनारे कराया। थाना फतेहपुर सीकरी पुलिस का कहना है कि दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान के आधार पर पूरे घटनाक्रम की पड़ताल में जुटी हुई है।

संजय प्लेस में अतिक्रमण हटाने पहुंची निगम टीम का विरोध, दुकानदारों ने लगाए चौथ वसूली के आरोप

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। शहर के प्रमुख कारोबारी केंद्र संजय प्लेस में शनिवार को उस समय हंगामे की स्थिति बन गई, जब नगर निगम की अतिक्रमण विरोधी टीम कार्रवाई करने पहुंची। फुटपाथ पर लगी ठेल-ढकेल हटाने और एडीए अलॉट दुकानों के बाहर लगे तिरपाल उतरवाने को लेकर दुकानदार भड़क उठे। निगम अधिकारियों और व्यापारियों के बीच तीखी नोकझोंक हुई, जिससे मौके पर काफी देर तक तनाव का माहौल बना रहा। नगर निगम द्वारा शहर में चलाए जा रहे अतिक्रमण हटाओ अभियान के तहत टीम शनिवार को संजय प्लेस पहुंची थी। टीम ने फुटपाथ पर रखे सामान, ठेल-ढकेल और दुकानों के बाहर लगाए गए तिरपाल हटाने की कार्रवाई शुरू की। इस दौरान व्यापारियों ने विरोध जताते हुए कार्रवाई को पक्षपातपूर्ण बताया।

दुकानदारों का आरोप था कि नगर निगम की टीम चुनिंदा दुकानों को ही निशाना बनाती है, जबकि कई बड़े अतिक्रमणों पर आंखें मूंद ली जाती हैं। व्यापारियों ने आरोप लगाया कि क्षेत्र का एक सुपरवाइजर बाजार से कथित रूप से चौथ वसूली करता है। जो दुकानदार पैसे नहीं देते, उनके खिलाफ कार्रवाई कराई जाती है। व्यापारियों ने कहा कि उनकी दुकानें एडीए से विधिवत अलॉट हैं, इसके बावजूद उन्हें अतिक्रमण के नाम पर परेशान किया जा रहा है। विरोध के दौरान व्यापारियों और निगम अधिकारियों के बीच जमकर बहस हुई। मौके पर मौजूद कई व्यापारियों ने सवाल उठाया कि यदि फुटपाथ पर कब्जा हटाना ही उद्देश्य है तो पूरे बाजार में एक समान कार्रवाई क्यों नहीं की जाती। उनका कहना था कि कुछ दुकानों के सामने स्थायी अतिक्रमण होने के बावजूद वहां निगम टीम कार्रवाई करने नहीं पहुंचती।

हंगामे के बीच नगर निगम अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि फुटपाथ आम जनता के आवागमन के लिए हैं और किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अधिकारियों ने कहा कि अभियान शहरभर में लगातार चलाया जा रहा है और आगे भी जारी रहेगा। हालांकि, चौथ वसूली के आरोपों पर निगम अधिकारियों ने कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया। बढ़ते विरोध और तनावपूर्ण माहौल को देखते हुए टीम ने कुछ देर बाद कार्रवाई रोक दी और वापस लौट गई। घटना के बाद संजय प्लेस व्यापारियों में नगर निगम की कार्यशैली को लेकर नाराजगी देखी गई।

संजय लीला भंसाली की फिल्म में धनुष ने किया राम चरण को रिप्लेस

संजय लीला भंसाली की फिल्मों का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार रहता है। कुछ समय पहले ऐसी खबरें आई थीं कि संजय लीला भंसाली की अगली पौराणिक जंगल ड्रामा में साउथ स्टार राम चरण प्रमुख भूमिका में नजर आ सकते हैं। लेकिन अब ऐसी खबरें आ रही हैं कि संजय लीला भंसाली की इस फिल्म में राम चरण नहीं बल्कि, कोई और साउथ स्टार प्रमुख भूमिका में नजर आएगा।

वैरायटी इंडिया की एक रिपोर्ट के मुताबिक, संजय लीला भंसाली के आगामी जंगल पर आधारित भव्य फिल्म में राम चरण नहीं बल्कि धनुष प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे। ये संजय लीला भंसाली का एक महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट है। अब धनुष को इसके लिए फाइनल कर लिया गया है। इसका निर्माण संजय लीला भंसाली के प्रोडक्शंस के बैनर तले किया जाएगा, जबकि तमिल फिल्म निर्माता पी.एस. मिथ्रन इसका निर्देशन करेंगे। मिथ्रन इरुम्बु थिरई, हीरो और सरदार जैसी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं और इस फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू करेंगे। खास बात यह है कि वो धनुष के साथ पहली बार काम करेंगे।

स्क्रिप्ट में किए गए बदलाव

रिपोर्ट में यह भी खुलासा हुआ कि पी.एस. मिथ्रन 'राउडी राठौर 2' पर काम कर रहे थे, लेकिन चूंकि यह प्रोजेक्ट फाइनल नहीं हो सका, इसलिए उन्होंने कई अन्य विकल्पों पर विचार करना शुरू किया। तभी इस फिल्म की कहानी सामने आई। रिपोर्ट में आगे बताया गया कि कहानी को अंतिम रूप देने में कई बार बदलाव और सुधार करने पड़े, जो कुछ महीने पहले ही हुआ था। इसी दौरान उन्होंने मुख्य अभिनेता की तलाश शुरू की। राम चरण से बातचीत चल रही थी, लेकिन बात नहीं बनी, इसलिए धनुष को चुना गया। फिल्म की शूटिंग 2027 की शुरुआत में शुरू होने की संभावना है।

थिएटर सबसे कम आंका जाने वाला माध्यम, एक्टर्स को ज्यादा सम्मान मिलना चाहिए

अभिनेत्री रश्मि देसाई ने थिएटर एक्टर्स की मेहनत और संघर्ष पर खुलकर बात की है। उन्होंने कहा कि थिएटर सबसे कम आंका जाने वाला माध्यम है, जहां कलाकार बहुत मेहनत करते हैं लेकिन उन्हें समय पर उनका हक नहीं मिल पाता। रश्मि देसाई का कहना है कि थिएटर ने उन्हें बहुत कुछ सिखाया है। उन्होंने थिएटर को एक खूबसूरत और सीखने लायक माध्यम बताया है। अभिनेत्री ने आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में बताया, 'थिएटर एक्टर्स बहुत मेहनत करते हैं। उन्हें उनका हक समय पर नहीं मिलता। वे जिस तरह का मजा करते हैं, उनका एक छोटा सा परिवार होता है और वे उसी में खुश रहते हैं। उन्हें किसी और की तारीफ की जरूरत नहीं होती। उन्हें यह सुनने की जरूरत नहीं होती कि ठीक है, यह करो, वह करो।' रश्मि ने थिएटर कलाकारों की रिस्क लेने की क्षमता की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि थिएटर एक्टर्स रिस्क लेने के लिए तैयार रहते हैं। अगर कोई गलती हो जाए या असफलता हो तो भी उनके साथी उनका हाथ थाम लेते हैं और कहते हैं कि यह वक्त भी गुजर जाएगा। रश्मि के अनुसार, थिएटर सीखने का सबसे अच्छा माध्यम है जहां हर असफलता के बाद नई शुरुआत होती है।

अभिनेत्री ने थिएटर कलाकारों के लिए ज्यादा सम्मान की बात पर जोर दिया। उन्होंने कहा, 'वे ज्यादा इज्जत के हकदार हैं। लोगों को थिएटर और थिएटर एक्टर्स के बारे में और जानना चाहिए। यह काम करने के लिए बहुत खूबसूरत माध्यम है।' रश्मि देसाई ने अपने थिएटर अनुभव पर खुशी जताते हुए कहा कि उन्हें इस बात का दुख है कि उन्होंने इतने लंबे समय बाद थिएटर किया। उन्होंने वैशाली, प्रतिमा, अयूब, ओजस रावल और आसिफ पटेल जैसे सह-कलाकारों और निर्देशकों का आभार व्यक्त किया। रश्मि ने उन्हें कमाल और बेहद पॉजिटिव लोग बताया। रश्मि देसाई का करियर साल 2006 में 'रावण' से शुरू हुआ। इसके बाद 'परी हूं मैं' में डबल रोल और 'उतरन' से उन्हें व्यापक लोकप्रियता मिली।

दादा के रोल में नजर आएंगे जैकी श्रॉफ

जैकी श्रॉफ जल्द ही फिल्म 'द ग्रेट ग्रैंड सुपरहीरो' में नजर आएंगे। इस फिल्म में जैकी एक सुपरहीरो दादा की भूमिका निभा रहे हैं। जैकी श्रॉफ की फिल्म 'द ग्रेट ग्रैंड सुपरहीरो' के निर्माताओं ने इसकी रिलीज डेट से पर्दा उठा दिया है। इस फिल्म में जैकी एक सुपरहीरो दादा की भूमिका में नजर आएंगे। आज निर्माताओं ने फिल्म का एक पोस्टर शेयर किया है। इसी के साथ जानकारी दी है कि 'द ग्रेट ग्रैंड सुपरहीरो' फिल्म इस साल 29 मई को रिलीज होगी। 'द ग्रेट ग्रैंड सुपरहीरो' फिल्म का निर्देशन मनीष सैनी ने किया है। इसमें प्रतीक, स्मिता पाटिल, भाग्यश्री दासानी, शरत सक्सेना, मिहिर गोडबोले और कई कलाकार भी हैं। जैकी श्रॉफ ने कहा, 'इस फिल्म के जरिए हम हर बच्चे के सपने को पूरा कर रहे हैं। अगर आपका दिल हमेशा जवान रहे और 90 साल की उम्र में भी हिम्मत बनी रहे, तो यही आपको सुपरहीरो बनाता है। बच्चों के सपनों को हमेशा सबसे पहले जगह देनी चाहिए।'

हॉलीवुड फिल्म 'बिफोर सनराइज' की वजह से 'एक दिन' को कहा हां

साउथ की दिग्गज अभिनेत्री साई पल्लवी ने आमिर खान प्रोडक्शन हाउस की फिल्म 'एक दिन' से बॉलीवुड में अपना डेब्यू किया है। इस फिल्म में वो आमिर खान के बेटे जुनैद खान के साथ प्रमुख भूमिका में नजर आई हैं। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कोई खास कमाई नहीं कर पाई है। वहीं क्रिटिक्स से भी फिल्म को मिली-जुली प्रतिक्रियाएं ही हासिल हुई हैं। अब साई पल्लवी ने खुद बताया कि क्यों उन्होंने 'एक दिन' के लिए हां कहा और स्क्रिप्ट में उन्हें क्या चीज पसंद आई। आमिर खान टॉकीज के आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर साई पल्लवी और जुनैद खान का एक वीडियो साझा किया गया है। इसमें दोनों कलाकार अपनी फिल्म 'एक दिन' के बारे में बातचीत कर रहे हैं। इस दौरान जब जुनैद ने साई से 'एक दिन' को हां करने के फैसले के बारे में पूछा, तो उन्होंने कहा कि उन्हें पूरा यकीन था कि वह यह फिल्म नहीं करेंगी, क्योंकि वह कई भाषाओं में बड़ी-बड़ी फिल्मों का हिस्सा रही हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि फिल्म का पैमाना मुझे प्रभावित नहीं करता। उस समय तक मैंने कई गंभीर फिल्में की थीं और मैं कुछ हल्का-फुल्का करना चाहती थी। ऐसी फिल्म जिसमें मुझे शूटिंग के दौरान और बाद में भी ज्यादा तनाव न झेलना पड़े। इसलिए जब स्क्रिप्ट आई, तो मुझे लगा कि यह हॉलीवुड फिल्म 'बिफोर सनराइज' जैसी होगी। क्योंकि मुझे 'बिफोर सनराइज' पसंद है और मुझे लगा कि यह भी वैसी ही होगी।

फिल्म में अपनी कास्टिंग को गलत मानती हैं साई

साई ने यह भी बताया कि आमिर खान का इस प्रोजेक्ट से जुड़ना फिल्म को हां कहने का एक बड़ा कारण है। एक्ट्रेस ने कहा कि मैं आमिर खान के करियर को करीब से देखती आ रही हूं। इसमें अलग-अलग तरह की फिल्में और किरदार हैं। इस दौरान साई ने खुलासा किया कि शुरुआत में मुझा लगा था कि 'एक दिन' में मुझे नहीं होना चाहिए था। मेरी कास्टिंग सही नहीं है। प्रीमियर के बाद जब आमिर ने साई से कुछ कहने को कहा, तो साई ने उनसे कहा, 'मुझे नहीं लगता कि मैं इस भूमिका के लिए बनी थी और मुझे लगता है कि मेरी कास्टिंग गलत हुई है। मुझे लगता है कि यह भूमिका किसी नई एक्ट्रेस को मिलनी चाहिए थी, जिसमें थोड़ी सी चंचलता हो। हालांकि, जुनैद ने साई के इस विचार से असहमति जताते हुए कहा कि यह भूमिका उनके लिए ही बनी है।

'द पोर्टल ऑफ फोर्स' से अंतरराष्ट्रीय सफर की शुरुआत करेंगी दिशा पाटनी

बॉलीवुड कलाकारों ने अंतरराष्ट्रीय फिल्मों और वेब सीरीज की दुनिया में अपनी खास जगह बनानी शुरू कर दी है। प्रियंका चोपड़ा, दीपिका पादुकोण और आलिया भट्ट के बाद अब अभिनेत्री दिशा पाटनी भी ग्लोबल मंच पर अपनी पहचान बनाने के लिए तैयार हैं। उनकी पहली इंटरनेशनल मूवी 'द पोर्टल ऑफ फोर्स' का ट्रेलर रिलीज हो चुका है, जिसने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। ट्रेलर में वह एक्शन करती नजर आ रही हैं। फिल्म 'द पोर्टल ऑफ फोर्स' एक बड़ी काल्पनिक और रहस्यमयी दुनिया में ले जाती है। यह 'स्टेटिगार्ड्स वर्सेज होलीगार्ड्स' नाम की नई फिल्म सीरीज की पहली मूवी है। इस कहानी को लाडो ओखोटनिकोव ने तैयार किया है। फिल्म में दो प्राचीन शक्तियों के बीच संघर्ष दिखाया गया है। एक पक्ष दुनिया में नियम और संतुलन बनाए रखने की बात करता है, जबकि दूसरा पक्ष अलग सोच और अलग रास्ते पर चलता है। इसी संघर्ष के बीच दिशा पाटनी का किरदार जेसिका सामने आता है, जो पूरी कहानी का सबसे अहम हिस्सा है। फिल्म में जेसिका को एक ऐसी लड़की के रूप में दिखाया गया है, जिसका संबंध दोनों विरोधी पक्षों से है। वह दोनों गुटों के लीडर की बेटी है। यही वजह है कि उसे दो अलग-अलग दुनियाओं के बीच एक पुल माना जा रहा है। ट्रेलर में दिखाया गया है कि दुनिया का भविष्य उसी के फैसले पर निर्भर होता है। ट्रेलर में कई ऐसे सीन्स हैं, जहां जेसिका अपनी शक्तियों को समझने और उन्हें कंट्रोल करने की कोशिश करती है। उसके सामने सिर्फ दुश्मनों से लड़ने की चुनौती नहीं होती, बल्कि खुद को पहचानने और सही रास्ता चुनने की भी बड़ी जिम्मेदारी होती है।

ट्रेलर में दिशा पाटनी का एक्शन अवतार सबसे ज्यादा ध्यान खींचता है। वह कई खतरनाक लड़ाई वाले सीन्स में नजर आती हैं। कभी तलवारों के साथ, तो कभी रहस्यमयी शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए दिशा दिखाई देती हैं। इस फिल्म की एक और खास बात इसकी स्टार कास्ट है। दिशा पाटनी के साथ फिल्म में हॉलीवुड के कई बड़े कलाकार भी नजर आएंगे। इनमें केविन स्पेसी, डॉल्फ लुंडग्रेन और टायरेस गिब्सन जैसे नाम शामिल हैं। दिशा पाटनी ने इस फिल्म को लेकर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा, 'मैं लंबे समय से इस ट्रेलर के रिलीज होने का इंतजार कर रही थी। पहली इंटरनेशनल मूवी में काम करना मेरे लिए एक साथ रोमांचक और डराने वाला अनुभव रहा। अलग-अलग देशों के कलाकारों के साथ काम करते हुए मुझे काफी कुछ सीखने को मिला।' दिशा ने कहा, ''मुझे हमेशा से एक्शन फिल्मों में काम करना पसंद रहा है। बॉलीवुड में मैंने जो अनुभव हासिल किया, अब उसे ग्लोबली दिखाने का मौका मिला है। यह मेरे करियर का बेहद खास पल है।''

बैंकॉक शिफ्ट होने पर अविका गौर ने दी प्रतिक्रिया

टीवी शो 'बालिका वधू' से लोकप्रिय होने वाली अभिनेत्री अविका गौर शादी के बाद अपने पति मिलिंद चंदवानी के साथ बैंकॉक में शिफ्ट हो गई हैं। हालांकि, उनका कहना है कि उन्होंने टेलीविजन या फिल्मों से ब्रेक नहीं लिया है। वो अपना काम करना जारी रखेंगी। उन्होंने कहा कि ये कदम मिलिंद के लिए बेहतर अवसरों को देखते हुए उठाया गया है, जबकि उनके खुद के काम के सिलसिले में मुंबई से बाहर लंबे शेड्यूल तय किए गए हैं।

हम हमेशा एक-दूसरे के करियर में साथ देते हैं

अविका गौर ने कहा कि हम बैंकॉक शिफ्ट हो गए हैं और वहां एक घर भी खरीद लिया है, जिसे मैं अपनी पसंद के हिसाब से सजा रही हूं। पिछले साल शादी से पहले सात साल तक रिलेशनशिप में रहने के दौरान कपल ने हमेशा एक-दूसरे के करियर में सहयोग दिया है। उन्होंने कहा कि जिस तरह मिलिंद ने लंबे शूटिंग शेड्यूल के दौरान उनका साथ दिया, उसी तरह वह भी उन्हें विदेश में अवसर तलाशने से रोकना नहीं चाहती थीं। हम हमेशा से एक-दूसरे की तरक्की में सहयोग करने में भरोसा रखते आए हैं। अगर मुझे कोई ऐसा प्रोजेक्ट मिलता है, जिसके लिए मुझे महीनों तक घर से दूर रहना पड़ता है, तो वह पूरी तरह से मेरा साथ देते हैं। इसी तरह मुझे नहीं लगता कि मुझे भी उनकी तरक्की में बाधा डालनी चाहिए।

मैं अपने काम की वजह से यहां हूं

अपने करियर को लेकर जताई जा रही चिंताओं को दूर करते हुए अविका ने कहा कि जगह बदलने से उनकी प्रोफेशनल प्रियॉर्टीज में कोई बदलाव नहीं आया है। मुंबई में रहते हुए भी वह अक्सर शूटिंग के लिए हैदराबाद, राजमुंद्री और विशाखापत्तनम जैसे शहरों का सफर करती रहती थीं। एक्ट्रेस ने कहा कि मुझे एहसास हुआ कि जरूरी नहीं कि मुंबई ही मेरा ठिकाना हो। मैं काम के सिलसिले में नियमित रूप से भारत आती-जाती रहती हूं। मेरी प्राथमिकता हमेशा मेरी प्रतिबद्धताएं रहेंगी क्योंकि इन्हीं की वजह से मैं आज इस मुकाम पर हूं।

दोस्तों ने किया समर्थन

अविका ने इस कदम के कारण प्रोजेक्ट छूटने की चिंताओं को भी खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि काम आमतौर पर उनके शेड्यूल के अनुसार ही होता है और सहयोग आपसी प्रयासों पर निर्भर करता है। जब कोई मेरे साथ काम करना चाहता है, तो उसे यह प्रयास करना चाहिए। इंडस्ट्री के मेरे साथियों ने भी मेरे इस फैसले का समर्थन किया है। एक्ट्रेस ने कहा कि भले ही मेरा ठिकाना अब विदेश में है, लेकिन मेरी जड़ें भारत में ही मजबूती से टिकी हैं।

'खतरों के खिलाड़ी' में नजर आएंगी अविका

वर्कफ्रंट की बात करें तो अविका गौर जल्द ही 'खतरों के खिलाड़ी' के नए सीजन में नजर आएंगी। जल्द ही इस रियलिटी शो की शूटिंग भी शुरू होने वाली है। इस शो को एक बार फिर निर्देशक रोहित शेट्टी ही होस्ट करेंगे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं प्रधान संपादक- सुशील कुमार सिंह (मोबाइल न. 8077588101), एन-30 ऑफसेट रघुनाथपुर सेक्टर-22, नोएडा उत्तर प्रदेश से छपवाकर हाउस न.. - 52 , ग्रीनवुड -2 , सेक्टर-ओमेगा-1, ग्रेटर नोएडा, 201308 से प्रकाशित। (RNI No. UPHIN/2015/60949)
(समस्त विवादों के लिए न्यायिक क्षेत्र गौतमबुद्धनगर होगा) प्रकाशिक सामग्री या विज्ञापन में संपादक / प्रकाशक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। इससे संबंधित किसी भी प्रकार की कार्यवाही या पूछताछ प्रकाशन तिथि से तीन माह के अंदर की जा सकती है। ई-मेल-noida.morningcity@gmail.com।